Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Thursday, 01 February 2024 ● Year : 02 ● Issue : 15 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

किस भी व्यक्ति की योग्यता का आकलन इस बात से होता है कि आप जीवन की परिस्थितियों का सामना कैसे करते हैं।

14 साल बाद काजोल संग काम कर...

जमीन घोटाला मामले में सीएम पर शिकंजा

हेमंत सोरेन ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा, आज ईडी के विशेष कोर्ट में कराई जाएगी पेशी, रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी एजेंसी

ईडी ने हेमंत सोरेन को किया गिरफ्तार

चंपई सोरेन होंगे झारखंड के नए सीएम

CRIME REPORTER RANCHI:

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया है। हेमंत सोरेन को रांची के बड़गाईं में दस्तावेजों में हेरफेर करके जमीन की खरीद-बिक्री मामले में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किया गया है। अब उन्हें गुरुवार को ईडी की विशेष अदालत में प्रस्तुत किया जाएगा। ईडी कोर्ट से रिमांड पर लेने के लिए आग्रह करेगी व अनुमति मिलने पर रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। जमीन घोटाला प्रकरण में ईडी के दस समन, मुख्यमंत्री के माध्यम से लगातार समन की अवहेलना, ईडी की पूछताछ में संतोषजनक जवाब का नहीं मिलना उनकी गिरफ्तारी का कारण बना। मुख्यमंत्री के दिल्ली स्थित आवास में छापेमारी के दौरान बरामद 36 लाख रुपये व बीएमडब्ल्यू कार के स्रोत पर पूछे गए सवाल का भी मुख्यमंत्री ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसके बाद ही ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया। अब झारखंड के नए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन होंगे। उन्हें महागठबंधन के विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। इधर, ईडी की हिरासत में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। यहां से ईडी उन्हें गिरफ्तार करके अपने दफ्तर ले गई है। 7 अधिकारियों की टीम दोपहर 1:15 बजे सीएम हाउस पहुंची थी। इससे पहले भी 20 जनवरी को ईडी ने साढ़े सात घंटे सोरेन से पूछताछ की थी।

राजभवन पहुंचकर राज्यपाल को इस्तीफा सौंपते सीएम व गिरफ्तारी के बाद ईडी द्वारा मुख्यमंत्री को ले जाने के क्रम में विक्ट्री साइन दिखाते हेमंत सोरेन।

गठबंधन के पास बहुमत

झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले महागठबंधन के पास बहुमत है। 81 सदस्यों वाली झारखंड विधानसभा में बहुमत के लिए 41 विधायकों की जरूरत है। गठबंधन के पास 48 विधायक हैं, इनमें से 43 सदस्य चंपई सोरेन के साथ राजभवन पहुंचे थे। इधर, हेमंत सोरेन से पहले महागठबंधन के विधायक राजभवन पहुंचे थे, लेकिन विधायकों को 5 मिनट बाद ही बाहर कर दिया गया। सभी विधायकों ने राजभवन के बाहर हंगामा किया। वो मांग कर रहे हैं कि चंपई सोरेन को आज रात में ही मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई जाए। बाद में विधायक दल के प्रतिनिधियों को बुलाया गया। राजभवन से बाहर निकलकर कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगिर आलम ने कहा कि हमने राज्यपाल को 43 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा है। राज्यपाल से मांग की है कि विधायक बाहर खड़े हैं, चाहें तो गिनती कर लें। इस पर राज्यपाल ने कहा कि पत्र पढ़ रहा हूं। बुलावा जल्द भेजूंगा।

हाईलाइट्स

- 7 अधिकारियों की टीम दोपहर 1:15 बजे सीएम हाउस पहुंची थी
- आठ घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने हेमंत को किया गिरफ्तार
- ईडी की ओर से हेमंत सोरेन को 10 समन भेजे गए
- शाम में राजभवन और सीएम आवास पर बढ़ी हलचल
- गठबंधन ने राज्यपाल को 43 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा
- हेमंत की पत्नी कल्पना सोरेन उनसे मिलने ईडी दफ्तर पहुंची

यह एक विराम है
जीवन महासंग्राम है
हर पल लड़ा हूं, हर पल लड़ूंगा
पर समझौते की भीख मैं लूंगा नहीं
क्या हार में, क्या जीत में
किंचित नहीं भयभीत मैं
लघुता न अब मेरी छुओ
तुम हो महान, बने रहो
अपने लोगों के हृदय की वेदना
मैं व्यर्थ त्यागूंगा नहीं
हार मानूंगा नहीं...
जय झारखण्ड!

हेमंत सोरेन

कौन हैं झारखंड के नए सीएम चंपई सोरेन

चंपई सोरेन झारखंड के नए सीएम होंगे। उन्हें विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। सरायकेला के विधायक चंपई सोरेन का राजनीतिक सफर काफी संघर्षपूर्ण रहा है। 90 के दशक में अलग झारखंड राज्य आंदोलन के जरिए चंपई सोरेन ने राजनीति में कदम रखा था। वर्ष 1991 से 2019 तक सरायकेला विधानसभा क्षेत्र के लिए हुए विधानसभा चुनावों में एक टर्म को छोड़कर उन्होंने सभी चुनावों में जीत दर्ज की है। सरायकेला विधानसभा क्षेत्र से चंपई सोरेन ने अब तक छह बार जीत दर्ज की है, जबकि उन्हें वर्ष 2000 के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। चंपई सोरेन कोल्हान में झारखंड टाइगर के नाम से फेमस हैं। झामुमो के केंद्रीय उपाध्यक्ष हैं। पूर्व में वह पार्टी में महासचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों को संभाल चुके हैं। चंपई सोरेन को राजनीति का लंबा अनुभव है। झामुमो अध्यक्ष शिबू सोरेन व कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन के काफी करीबी माने जाते हैं। चंपई सोरेन पहली बार वर्ष 1991 के सरायकेला विस क्षेत्र से उपचुनाव में बतौर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज कर विधायक बने थे। इस चुनाव में चंपई सोरेन ने सिंहभूम के तत्कालीन सांसद कृष्णा मार्डी की पत्नी मोती मार्डी को हराया था। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वर्ष 1995 के विस चुनाव में झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ कर भाजपा के पंचु टुडू को हराकर फिर से विधायक बने थे। वर्ष 2000 के विधानसभा चुनाव में भाजपा लहर के कराण अनंत राम टुडू के

हाथों पहली बार चंपई सोरेन को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वर्ष 2005 में चंपई सोरेन ने भाजपा के लक्ष्मण टुडू को 880 वोट के अंतर से जीत दर्ज की। 2009 के चुनाव में भी भाजपा के लक्ष्मण टुडू को 3200 वोट से हरा कर जीत दर्ज की। वर्ष 2014 के विस चुनाव में 1100 तथा 2019 के विस चुनाव में करीब 16 हजार वोट से जीत दर्ज कर विस पहुंचे।

हेमंत ने हाईकोर्ट में दाखिल की याचिका, सुनवाई आज

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईड की ओर से उनको भेजे गए समन के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। केस की सुनवाई गुरुवार को सुबह 10:30 बजे होगी। हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन बनाम प्रवर्तन निदेशालय के मुकदमे को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर लिया है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की अदालत में कोर्ट नंबर-2 में सुनवाई होगी।

ईडी के चार अधिकारियों के खिलाफ सीएम ने एसटी-एससी थाना में दर्ज कराया मामला

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने ईडी के अधिकारी कपिल राज, देवव्रत झा, अनुपम कुमार समेत अन्य के खिलाफ बुधवार को एसटी एससी थाना में मामला दर्ज कराया है। एसटी एससी थाना कांड संख्या 06/24 दर्ज किया गया है। दर्ज कराए गए मामले में कहा गया है कि जब मैं रांची आया तो मैंने 30 जनवरी को इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के साथ-साथ प्रिंट मीडिया में भी सर्च करने वाले इन अधिकारियों की करतूत देखी। मुझे और मेरे पूरे समुदाय को परेशान करने और बदनाम करने के लिए झारखंड भवन, नई दिल्ली और 5/01, शांति निकेतन, नई दिल्ली में ऑपरेशन किया गया। मीडिया में स्थानीय कवरेज, जैसा कि नीचे बताया गया है, अनुसूचित जनजाति के सदस्य के रूप में मेरे खिलाफ बनाई गई है। 27 और 28 जनवरी 2024 को, मैंने नई दिल्ली का दौरा किया और शांति निकेतन जिसे झारखंड राज्य द्वारा आवास एवं कार्यालय उपयोग हेतु पट्टे पर लिया गया है, वहां रुका। 29 जनवरी 2024 को, मुझे पता चला कि ईडी के अधिकारियों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर उस परिसर में कथित तलाशी ली थी।

SHARE

सेंसेक्स	:	71,752.11
निफ्टी	:	21,725.70

SARAFA

सोना	:	5,960
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

प्रदीप बने झारखंड हाईकोर्ट के स्थायी जज

RANCHI : एडिशनल जज प्रदीप कुमार श्रीवास्तव झारखंड हाई कोर्ट के स्थायी जज होंगे। केंद्र सरकार ने जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव को झारखंड हाई कोर्ट के स्थायी जज के पद पर नियुक्त किया है। इस संबंध में विधि मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर दी है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 18 जनवरी को जस्टिस श्रीवास्तव को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की थी। कॉलेजियम के प्रस्ताव में कहा गया था कि वो इस नियुक्ति के लिए उपयुक्त हैं।

केजरीवाल को ईडी का 5वां समन

NEW DELHI : शराब घोटाला मामले में जांच एजेंसी ईडी ने बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक बार फिर समन जारी किया है। एजेंसी ने केजरीवाल को 5वीं बार समन भेजकर 2 फरवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले भेजे गए समन को मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बदले की कार्रवाई बताया था। ईडी ने इससे पहले 17 जनवरी, 3 जनवरी, 21 दिसंबर और 2 नवंबर को दिल्ली सीएम को समन भेजा था, लेकिन वो पेश नहीं हुए। चौथे समन पर केजरीवाल ने कहा था कि भाजपा मुझे गिरफ्तार करवाना चाहती है, ताकि मैं लोकसभा चुनाव में प्रचार न कर सकूं।

हिंदू पक्ष की बड़ी जीत, वाराणसी जिला अदालत का फैसला

30 साल बाद व्यास तहखाने में मिला नियमित पूजा का अधिकार

ज्ञानवापी केस

AGENCY VARANASHI : उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला अदालत ने बुधवार को ज्ञानवापी परिसर में स्थित व्यास जी के तहखाने में हिंदुओं को पूजा-पाठ करने का अधिकार देने का आदेश दे दिया। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अदालत ने तहखाने में पूजा पाठ करने का अधिकार व्यास जी के नाती शैलेन्द्र पाठक को दे दिया है।

- तहखाने में पूजा पाठ कराने का कार्य काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के जिम्मे
- डीएम 7 दिन में पूजा का इंतजाम करेंगे, 31 साल से बंद था तहखाना

नंदी महाराज के सामने से खोला जाएगा रास्ता

व्यास तहखाना नंदी जी के सामने स्थित है। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने बताया कि ज्ञानवापी के सामने बैठे नंदी महाराज के सामने से रास्ता खोला जाएगा। हिंदू पक्ष की बड़ी जीत इसलिए बताया जा रहा है, क्योंकि व्यास तहखाने में नवंबर 1993 के बाद से पूजा-पाठ बंद था। लेकिन जब कोर्ट ने पूजा करने का आदेश दे दिया है, तो हिंदू पक्ष के लोग बहुत खुश है। हिन्दू पक्ष का कहना था कि नवंबर 1993 तक सोमनाथ व्यास जी का परिवार उस तहखाने में पूजा पाठ करता था, जिसे तत्कालीन मुलायम सिंह यादव सरकार के शासनकाल में बंद करा दिया गया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राखी सिंह की पुनरीक्षण याचिका पर ज्ञानवापी मस्जिद की अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी को बुधवार को नोटिस जारी किया।

बारामूला में वाहन खाई में गिरा, आठ की मौत

BARAMULA : जम्मू-कश्मीर में बारामूला के बोनियार में बुधवार को एक वाहन गहरी खाई में गिर गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई और 7 अन्य लोग घायल हुए हैं। उरी जा रहा वाहन दोपहर में बुजीथला के पास सड़क से खाई में जा गिरा। शुरूआती जानकारी में बताया गया है कि वाहन सड़क से फिसल गया था। सूचना मिलते ही बचाव अभियान शुरू कर दिया गया । हादसे में घायल हुए यात्रियों को इलाज के लिए बोनियार अस्पताल ले जाया गया। एसएसपी रविंदर पॉल सिंह ने बताया कि सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। मेडिकल और कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि घायल लोगों को बारामूला के एक अस्पताल में ले जाया गया है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के अस्सार इलाके में 15 नवंबर को भी एक बस 300 फीट गहरी खाई में गिर गई थी।

चार को होने वाली JSSC CGL की एक्जाम व 28 को हुई परीक्षा भी रद्द

चार फरवरी को की जाएगी परीक्षा की नई तिथि की घोषणा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने प्रश्नपत्र लीक के मामले में झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के तीनों पालियों में ली गयी परीक्षा को रद्द कर दिया है। इस संबंध में आयोग की ओर से सूचना भी जारी कर दी गयी है। पूर्व में 28 जनवरी को ही प्रश्नपत्र लीक होने की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने तृतीय पाली की परीक्षा को रद्द किया था। अब 28 जनवरी को आयोजित परीक्षा की प्रथम और द्वितीय पाली को भी रद्द कर दिया है। आयोग के परीक्षा नियंत्रक ने इस संबंध में बताया कि जल्द ही परीक्षाओं का फिर से आयोजन किया जायेगा। नये सिरे से परीक्षा की तिथि चार फरवरी को जारी की जायेगी। चार फरवरी को होने वाली परीक्षा को भी स्थगित कर दिया गया है। झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 अंतर्गत 28 जनवरी को राज्यभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में परीक्षा आयोजित की गयी थी। इस परीक्षा की तृतीय पाली में सामान्य ज्ञान में कतिपय प्रश्नों के लीक होने की घटना सामने आयी।

- प्रश्नपत्र लीक होने के बाद 28 जनवरी को ही तृतीय पाली की परीक्षा को किया था रद्द
- जल्द ही परीक्षाओं का फिर से आयोजन किया जायेगा : परीक्षा नियंत्रक

संसद का बजट सत्र : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज अंतरिम बजट करेंगी पेश

सदियों बाद राम मंदिर का सपना पूरा हुआ : द्रौपदी मुर्मू

AGENCY NEW DELHI : संसद का बजट सत्र बुधवार को शुरू हुआ। सत्र की शुरूआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ हुई। यह नए संसद भवन में उनका पहला संबोधन था। राष्ट्रपति ने राम मंदिर से लेकर आर्टिकल 370 तक का जिक्र किया। उन्होंने कहा- राम मंदिर की आकांक्षा सदियों से थी, जो इस साल पूरी हुई। सत्र की शुरूआत से पहले प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बाहर मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- आदतन हुड़दंग करना जिनका स्वभाव बन गया है, उम्मीद है मौजूदा संसद के आखिरी सेशन में ऐसे सांसद आत्म निरीक्षण करेंगे। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के आखिर में कहा- राम राम। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से 9 फरवरी तक होगा। इसमें 8 बैठकें होंगी। 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट पेश करेंगी। बजट सत्र से पहले राष्ट्रपति लोकसभा और राज्यसभा को एक साथ संबोधित करते हैं। दोनों सदनों में उनका संयुक्त संबोधन अभिभाषण कहलाता है।

- पीएम बोले- बजट सत्र पश्चाताप का अवसर
- राष्ट्रपति ने महिला आरक्षण कानून के लिए बधाई दी
- 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाए
- नए संसद भवन में नीतियों पर सार्थक संवाद की उम्मीद जताई

राष्ट्रपति ने अभिभाषण में नए कानून गिनाए

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा- राष्ट्रपति ने कहा कि गुलामी के दौर में बने कानून अब इतिहास का हिस्सा बन चुके हैं। तीन तलाक की कुप्रथा को खत्म करने के लिए सरकार ने कड़े कानूनी प्रावधान किए। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम, नेशनल रिसर्च फाउंडेशन अधिनियम, जम्मू और कश्मीर आरक्षण कानून, सेंट्रल यूनिवर्सिटी कानून में संशोधन, परीक्षा में नकल रोकने पर सख्ती के लिए नया कानून बनाने का जिक्र भी किया। राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाने, तीन तलाक के विरुद्ध कड़ा कानून, पड़ोसी देशों से आए पीड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने वाला कानून बनाया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार ने वन रैंक वन पेंशन को भी लागू किया, जिसका इंतजार चार दशकों से था। ओआरओपी लागू होने के बाद अब तक पूर्व सैनिकों को लगभग 1 लाख करोड़ रुपए मिल चुके हैं। भारतीय सेना में पहली बार वीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति भी हुई है। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में कहा- नीति आयोग के अनुसार, मेरी सरकार के एक दशक के कार्यकाल में, करीब 25 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर निकले हैं।

पॉलिटिकल कॉमेंटेटर पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

राजनेताओं को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए : कोर्ट

AGENCY NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि राजनेताओं को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए। कोर्ट ने ये कमेंट पश्चिम बंगाल के पॉलिटिकल कमेंटेटर गर्ग चटर्जी की सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। दरअसल, गर्ग चटर्जी ने जून 2020 में सोशल मीडिया पर असम के पहले राजा सुकाफा और उनके अहोम राजवंश पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने सुकाफा को चीनी आक्रामणकारी बताया था। इसके बाद उनके खिलाफ असम और पश्चिम बंगाल में कई जगह एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके बाद असम के तत्कालीन सीएम सबार्नंद सोनोवाल ने उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया था। हालांकि, 19 अगस्त, 2020 को उन्होंने सार्वजनिक तौर पर माफी भी मांग ली थी। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संजय करोल की बेंच ने कहा कि इन दिनों जजों को भी पत्रों और इंटरव्यू में की गई टिप्पणियों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

- सुप्रीम कोर्ट बोला- जजों पर भी यह बात लागू

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा
केन्द्रीय समिति

07/28/201

राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर एकल पीठ के आदेश को दी चुनौती

तीन सप्ताह में निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी करने का दिया था आदेश

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने झारखंड हाई कोर्ट की खंडपीठ में अपील (एलपीए) दायर कर एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी है। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने चार जनवरी को तीन सप्ताह में झारखंड में निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी करने के आदेश दिए थे। अपील में राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि पिछड़ा आयोग को ही डेडिकेटेड कमीशन के रूप में नियुक्त कर दिया गया है। यह राज्य के जिलों में ओबीसी की आबादी का आकलन करेगी और इस संबंध में डाटा राज्य सरकार को उपलब्ध कराएगी। इसके आधार पर निकाय चुनाव में वार्डों में ओबीसी के लिए आरक्षण दिया जायेगा। इसलिए निकाय चुनाव पूरा करने के लिए समय दिया जाए। राज्य सरकार ने एकल पीठ के आदेश पर तत्काल रोक लगाने एवं एकल पीठ के आदेश को रद्द करने का आग्रह हाई कोर्ट से किया है। अपील में राज्य सरकार ने झारखंड म्युनिसिपल एक्ट के प्रोविजन का हवाला देते हुए नगर निगम में प्रशासक की नियुक्ति को सही ठहराया है। आजसू विधायक लंबोदर महतो ने साफ कहा था कि आजसू पार्टी पिछड़ों के हक और अधिकार के लिए लड़ाई लड़ेगी। ओबीसी आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें झारखंड सरकार की ओर से शपथ पत्र दायर यह बताया गया था कि राज्य सरकार की ओर से ओबीसी आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट राज्य पिछड़ा आयोग की ओर से कराया जायेगा जबकि राज्य राज्य पिछड़ा आयोग कई वर्षों से नहीं है ऐसे में ट्रिपल टेस्ट नहीं हुआ और एक तरह से राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को गुमराह करने का काम किया।हमारी पार्टी फिर से कोर्ट का रुख करेगी। राज्य में नगर निकायों का चुनाव जल्द कराने को लेकर पूर्व पार्षद रोशनी खलखो सहित अन्य की याचिका को हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि तीन सप्ताह में झारखंड में निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी करें। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि निकाय चुनाव नहीं करना संवैधानिक तंत्र की विफलता है।

- एकल पीठ के आदेश पर तत्काल रोक लगाने व रद्द करने का किया आग्रह
- जिलों में ओबीसी की आबादी का आकलन कर निकाय चुनाव में वार्डों में आरक्षण दिया जायेगा
- नगर निगम में प्रशासक की नियुक्ति को सही ठहराया

चुनाव कराने को लकर दाखिल की गई थी याचिका

पूर्व पार्षद रोशनी खलखो सहित अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा गया है कि राज्य में जल्द निकायों का चुनाव कराया जाए। जब तक चुनाव नहीं होता है तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में वर्तमान पार्षद को तदर्थ रूप में दायित्व का निर्वहन करने का आदेश देने का आग्रह कोर्ट से किया गया है। बता दें कि राज्य सरकार के द्वारा राज्य के 34 निकाय परिषद के निर्वाचित प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त कर सभी शक्तियां और कार्य प्रशासन को सौंपने का निर्णय लिया गया है। अब निकायों में पदस्थापित नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त या कार्यालय पदाधिकारी अगले आदेश तक प्रशासक के रूप में कार्य करेंगे। अगर उन्हें आवश्यकता होगी तो वह नगर विकास एवं आवास विभाग से परामर्श लेंगे। निकायों का चुनाव नहीं होने पर यह व्यवस्था शुक्रवार से लागू की गई है।

झारखंड हाइकोर्ट ने सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक रखी बरकरार

सचिवालय मार्च कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ झड़प का मामला

PHOTON NEWS RANCHI : 11 अप्रैल 2023 को रांची में

सचिवालय मार्च के दौरान सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ धुर्वा थाना में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का आग्रह करनेवाली याचिका की आंशिक सुनवाई बुधवार को झारखंड हाइकोर्ट में हुई। हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति आनंदा सेन की अदालत ने प्रार्थी निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक अगली सुनवाई तक जारी रखी है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता पार्थ जालान ने पैरवी की। दरअसल, कार्यक्रम के तहत सचिवालय की ओर मार्च कर रहे भाजपा कार्यकताओं की पुलिस के साथ झड़प हो गई थी। मामले को लेकर धुर्वा थाना में कांड संख्या 107/2023 दर्ज किया गया था। इसमें सांसद निशिकांत दुबे के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, चतरा सांसद सुनील कुमार सिंह, विधायक अमित मंडल, समीर उरांव सहित 41 नामजद एवं कई अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षक नियुक्ति मामले में राज्य सरकार की अपील खारिज, एकल पीठ का आदेश बरकरार

PHOTON NEWS RANCHI : इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षक (कक्षा 1 से 5) की काउंसलिंग में शामिल करने के एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की विभिन्न अपील (एलपीए) पर झारखंड हाईकोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस। चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया साथ ही एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखा।

मामले में राज्य सरकार की ओर से अलग-अलग 13 अपील (एलपीए) दाखिल की गई थी। दरअसल, वर्ष 2022 में हाईकोर्ट की एकल पीठ ने प्रार्थियों को इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षक पद के काउंसलिंग में शामिल करने का आदेश दिया था। लेकिन राज्य सरकार ने उन्हें यह करते हुए काउंसलिंग में शामिल नहीं किया था कि उनकी काउंसलिंग पहले हो चुकी है, इसलिए सेकंड राउंड की काउंसलिंग में उन्हें शामिल नहीं किया जाएगा। यहां बता दें कि वर्ष 2019 में राज्य सरकार ने एक रेजोल्यूशन लाया था जिसके तहत राज्य के जिलों में इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षक के रिक्त पदों के लिए एक फाइनल काउंसलिंग करने का निर्णय लिया गया था।

रांची में आज गर्जन के साथ हो सकती है बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के मौसम ने एक बार फिर से करवट ली है। जहां कोहरा और बादल के कारण मौसम का मिजाज बदल गया है। वहीं, एक फरवरी को राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। इस संबध में मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से सूचना जारी की गयी है। जिसमें बताया गया है कि एक फरवरी को राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। इसमें दक्षिणी, उत्तर पूर्वी और मध्य हिस्से में होने की संभावना है। इसमें पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला खरसावां, देवघर, चतरा, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, बोकारो, रांची, खूंटी, रामगढ़ में बारिश की संभावना है। इसके साथ ही इस दौरान अन्य जिलों में बादल छाये रहेंगे। केंद्र की मानें तो एक फरवरी तक न्यूनतम तापमान में गिरावट नहीं दर्ज की जायेगी। लेकिन दो फरवरी से चार फरवरी तक न्यूनतम तापमान में चार डिग्री तक की गिरावट होगी। जिससे लोगों को ठंड का सामना करना पड़ेगा। वहीं, पांच और छह फरवरी को फिर से राज्य में आंशिक बादल छाये रहने की संभावना व्यक्त की गयी है। वहीं छह फरवरी तक राज्य भर में सुबह और शाम के वक्त कोहरा छाये रहने की संभावना है। इस दौरान कुछ जिलों में दोपहर के समय में भी कोहरा का असर देखा जा सकता है। हालांकि दो फरवरी से चार फरवरी तक दिन के समय आसमान साफ रहने की जानकरी दी गयी है।

- एक फरवरी तक न्यूनतम तापमान में गिरावट नहीं दर्ज की जाएगी
- दो से चार फरवरी तक न्यूनतम तापमान में चार डिग्री तक की गिरावट होगी

जेएसएससी कार्यालय का घेराव करने पहुंचे छात्रों ने जमकर काटा बवाल, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

दर्जनों छात्र घायल, जेएसएससी के अध्यक्ष की गाड़ी में आक्रोशित छात्रों ने की तोड़फोड़

CRIME REPORTER RANCHI : जेएसएससी (झारखंड कर्मचारी चयन आयोग) कार्यालय के बाहर बुधवार को आक्रोशित छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान जेएसएससी के अध्यक्ष नीरज सिन्हा की गाड़ी में आक्रोशित छात्रों ने तोड़फोड़ की। पुलिस की लाठीचार्ज में छात्र जख्मी हुए हैं। झारखंड स्टेट्स स्टूडेंट्स यूनियन (जेएसएसयू) द्वारा पूर्व घोषित जेएसएससी सीजीएल परीक्षा स्थगित करने और सीबीआइ जांच के जेएसएससी कार्यालय नामकुम का घेराव किया गया। जहां सभी जिलों के छात्र-छात्राओं ने इस घेराव कार्यक्रम में हिस्सा लिया। हालांकि 4 फरवरी को होने वाली जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा स्थगित कर दी गई है। साथ ही 28 जनवरी को हुई सभी परीक्षाओं को भी रद किया गया। बता दें कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों द्वारा झारखंड स्टेट्स स्टूडेंट्स यूनियन के देवेंद्रनाथ महतो के नेतृत्व में जेएसएसी अध्यक्ष का घेराव किया गया। जिसके बाद उग्र छात्रों को शांत करने का प्रयास किया गया लेकिन स्थिति अनियंत्रित होने के बाद पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की कार्रवाई की गई। जिसमें कई छात्र घायल हो गए। गत दिनों हुई परीक्षा के पेपर लीक मामले में अध्यक्ष व छात्रों के बीच जोरदार बहस के बाद यह कार्रवाई की गई। वहीं देवेंद्रनाथ महतो ने उग्र छात्रों को समझाया लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस

जेएसएससी कार्यालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन करते छात्र।

सभी 24 जिलों में किया आंदोलन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा प्रश्न पत्र लीक को ले 24 जिलों में अभ्यर्थियों का साथ देते हुए आंदोलन किया। सभी जिलों से आए अभ्यर्थियों के साथ जेएसएससी कार्यालय का घेराव कर परीक्षा रद करने व जेएसएससी अध्यक्ष को बर्खास्त करने को ले घेराव किया गया। जिसमें सभी जिलों से आए अभ्यर्थियों ने साथ देकर परीक्षा को रद कराकर छात्र एकता का परिचय दिया। झारखंड प्रदेश मीडिया संयोजक व छात्र नेता दुर्गेश यादव ने कहा परीक्षा रद किए जाने की घोषणा, 6.30 लाख अभ्यर्थियों की जीत है। गत 9 वर्षों से लगातार दिनरात मेहनत कर सरकारी नौकरी पाने का ख्वाब बुनने वालों की जीत है। यह जीत उन बिचौलियों, परीक्षा विभाग के दलालों के गाल पर तमाचा है जो अरबों रूपयों का खेल करने में जुटे थे।

मुख्यमंत्री से पूछताछ के दौरान शहर में थे सुरक्षा के कड़े इंतजाम

CRIME REPORTER RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में पूछताछ कर रही है। इस दौरान राजभवन, ईडी कार्यालय और मुख्यमंत्री आवास पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता और ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो सहित अन्य अधिकारी लगातार पल-पल की मॉनिटरिंग कर रहे थे। राजभवन,

सीएम आवास के बाहर तैनात पुलिसकर्मी।

ईडी कार्यालय और मुख्यमंत्री आवास के पास धारा 144 लागू है। हर चौक चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। मुख्यमंत्री आवास के सभी वाटर कैनन और वज्र वाहन मौजूद थे। कार्यकताओं के विरोध-प्रदर्शन की आशंका के मद्देनजर मुख्यमंत्री आवास की ओर आने और जाने वाले दोनों रास्तों को बैरिकेडिंग कर रोक दिया गया है। सुरक्षा को लेकर लगभग दो हजार जवान और 18 डीएसपी को अलग से प्रति नियुक्त किया गया है। ईडी के अनुरोध पर विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राज्य गृह विभाग ने आदेश जारी किया है। वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार नेतृत्व में आईएएस अरवा राजकमल, आईजी प्रभात कुमार, आईएएस प्रशांत कुमार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। सभी वरीय पदाधिकारियों को जिला नियंत्रण कक्ष में उपस्थित रहने और पूरी स्थिति पर नजर रखने को कहा गया था।

तीन आईएएस के तबादले, मुख्य सचिव को मिला गृह विभाग का अतिरिक्त प्रभार

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने मुख्य सचिव झारखंड के पद पर पदस्थापित एल खियांग्ते को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ अपर मुख्य सचिव गृह कार्य आपदा प्रबंधन विभाग, आपदा प्रबंधन प्रभाग को छोड़ कर अतिरिक्त प्रभार दिया है। साथ ही सदस्य राजस्व परिषद रांची के पद पर पदस्थापित राजीव अरुण एक्का को अपने कार्यों के साथ अपर मुख्य सचिव वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग रांची का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इस संबंध में बुधवार को कार्मिक प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के तीन अधिकारियों का स्थानांतरण पदस्थापन किया है। निदेशक खान रांची के पद पर पदस्थापित अरवा राजकमल को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक प्रभारी सचिव अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है।

पलामू जिला राजद महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्ष चंद्रमा कुमारी ने थामा भाजपा का दामन

परिवारवादी पार्टियों से देश और राज्य का भला नहीं : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : पलामू जिला राजद महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्ष चंद्रमा कुमारी ने आज बुधवार को अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने कार्यालय कक्ष में चंद्रमा कुमारी को पार्टी का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। चंद्रमा कुमारी के अलावा हरेंद्र मेहता, रोहित मेहता, सुधीर मेहता, रविंद्र मेहता, राम प्रसाद राम, कामेश्वर राम, अवधेश राम, वीरेंद्र राम, विनोद राम, प्रभु राम, शिव राम, मोती राम, सुखलाल राम, कुंदन राम, संतोष कुमार, राजमुनी राम, गजेंद्र सिंह, नागेंद्र रजवार, अमर रजवार, कमलेश रजवार, संजय रजवार, अमर पासवान, अजय पासवान, श्यामलाल रजवार, बीरेंद्र सिंह, मोहम्मद रसूल अंसारी आदि ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि परिवारवादी पार्टियां केवल परिवार की चिंता में लिप्त है। यह पार्टियां आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। कहा कि ऐसी पार्टियां देश की भलाई नहीं कर सकती और यह बात जनता जान चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी स्वयं एक परिवार की पार्टी बन गयी है। यह सभी परिवारवादी पार्टियों के भ्रष्टाचार की पोषक बन गयी है।

पूर्व अध्यक्ष चंद्रमा कुमारी का पार्टी में स्वागत करते बाबूलाल मरांडी।

सशक्त भारत के लिए सशक्त भाजपा आज युग की मांग : पूर्व सीएम

RANCHI : भाजपा प्रदेश कार्यालय में बुधवार को पार्टी की नव गठित ज्वाइनिंग कमेटी की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सबका साथ, सबका विकास का संकल्प सबके प्रयास और सबके विश्वास के साथ पूरा करने का निश्चय किया है, जिसे लगातार धरातल पर उतारा जा रहा। उन्होंने कहा कि हमें सबके बीच जाना है और सबको भाजपा में लाना है। सशक्त भारत के लिए सशक्त भाजपा आज युग की मांग है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत, स्वाभिमानी भारत, विकसित भारत के निर्माण में भाजपा देश में हर घर भाजपा के संकल्प को सिद्धि में बदलना चाहती है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि भाजपा कोई परिवार की पार्टी नहीं। यह राष्ट्रीय विचार से परिपूर्ण पार्टी है। विकसित भारत, विश्व गुरु भारत का निर्माण पार्टी का संकल्प है। उन्होंने कहा यह सबके सहयोग से ही पूरा किया जा सकेगा।

BRIEF NEWS

ओड़िया भाषा विकास मंच ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

ROURKELA : उड़िया भाषा विकास मंच द्वारा सिविक सेंटर परिसर में महात्मा गांधी के पुण्य तिथि पर बुधवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। अतिथियों ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रशांत कुमार पति की अध्यक्षता में हुई सभा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सुमनदत्त ने भाग लिया और अपने वक्तव्य में गांधीजी की संघर्ष की जानकारी दी। गांधीजी की स्वतंत्रता का लक्ष्य के विभिन्न उदाहरण दिए। इस दौरान प्रफुल्ल कुमार सामल, देवेन्द्र महराणा, मनोज मल्लिक, अमरेश बेहरा, सौरभ महानंद सहित कई लोग शामिल हुए।

भारतीय जनगणना सेवा परीक्षा में सुंदरगढ़ के छात्र प्रतीक का शानदार प्रदर्शन, देश में 8वां स्थान मिला

SUNDARGARH : जिले के बालीशंकरा निवासी प्रतीक नायक ने यूपीएससी द्वारा आयोजित भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में आठवां स्थान हासिल कर सुंदरगढ़ जिले का नाम रोशन किया है। प्रतीक बचपन से ही एक प्रतिभाशाली छात्र रहा है। उनकी सफलता से उनके माता-पिता, परिवार और करीबी दोस्त बहुत खुश हैं। पिता जय बिहारी नयाक और मां प्रतिमा चौधुरी दोनों पेशे से शिक्षक हैं। छोटी उम्र से ही प्रतीक की पढ़ने में रुचि देखकर उन्हें आशा थी कि वह जीवन में सफल होगा। भारतीय सांख्यिकी सेवा में अपने दूसरे प्रयास में यह उपलब्धि हासिल की है। बालीशंकरा के उपनगरीय इलाके में सरस्वती चिल्ड्रेन्स टेम्पल में अपनी प्राथमिक शिक्षा के बाद, उन्होंने गिरिंगकेला हाई स्कूल से मैट्रिक किया और भुवनेश्वर के एक निजी कॉलेज से पास हुए। 2022 में बीजेबी कॉलेज से ग्रेजुएशन और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद 2022 में अपने पहले प्रयास में उन्हें सफलता नहीं मिली। उन्होंने हार न मानते हुए दोबारा प्रयास करके आज यह सफलता हासिल की है। अपने इकलौते बेटे की सफलता से माता-पिता बेहद खुश हैं।

गोरखपुर-हटिया मौर्य एक्सप्रेस ट्रेन सेवा को संबलपुर तक विस्तारित करने का निर्णय

ROURKELA : रेलवे ने गोरखपुर-हटिया मौर्य एक्सप्रेस को संबलपुर तक विस्तार दिया है। अब ट्रेन संबलपुर तक चलेगी। ट्रेन नंबर 15028 गोरखपुर-हटिया मौर्य एक्सप्रेस संबलपुर रेलवे स्टेशन पर रात 1.50 मिनट पर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नंबर 15027 हटिया-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस सुबह 9:35 बजे संबलपुर स्टेशन से खुलेगी। इस ट्रेन विस्तार से संबलपुर, बरगढ़, झारसुगुड़ा और सुंदरगढ़ जिले के हिंदी भाषी यात्रियों को सबसे अधिक फायदा होगा। राउरकेलावासियों ने सांसद जोएल ओराम से मुलाकात कर मौर्य एक्सप्रेस के विस्तार के लिए मांग पत्र सौंपा था। ट्रेन के विस्तार से बिहार-यूपी के करीब डेढ़ लाख लोग अकेले संबलपुर में रहते हैं, जबकि करीब 10 लाख लोग राउरकेला में रहते हैं। राउरकेला,सम्बलपुर, झारसुगुड़ा, ब्रजराजनगर, बेल पहाड़, बरगढ़ के सभी उत्तर भारतीयों मौर्या एक्सप्रेस की मांग को उठाते आ रहे हैं।

राउरकेला महानगर निगम आयुक्त को दी गई विदाई

ROURKELA : राउरकेला महानगर निगम आयुक्त और राउरकेला अतिरिक्त जिलापल डॉ. शुभाकर महापात्र को जाजपुर जिलापल बनने के बाद आज फेयरवेल दिया गया है। राउरकेला महानगर निगम कर्मचारी संघ द्वारा जुलूस के रूप में महापात्रा को आरएमसी कार्यालय ले जाया गया। राउरकेला नगर निगम के आयुक्त डॉ शुभंकर महापात्रा को कलेक्टर, जाजपुर के रूप में पदस्थापित होने पर विदाई के अवसर पर आरएमसी कर्मचारी संघ की ओर से विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कराटे पदक जीतने पर एसपी ने किया सम्मानित

ROURKELA : राउरकेला के पुलिस अधीक्षक मित्रभानु महापात्रा ने उत्कल कराटे स्कूल के छात्र-अंतरराष्ट्रीय कराटे पदक विजेता अभिषेक पटनायक को कराटे में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। वहीं उन्हे आगे भी मेहनत कर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सदर ब्लॉक डेल्की में सामाजिक जागृति सम्मेलन आयोजित

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले में पिछले रविवार को सदर ब्लॉक 500 घर डेल्की खड़िया समाज जागरण सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में सदर ब्लॉक के सभी ग्राम सामाजिक समितियों के अध्यक्ष, संपादक, सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए।, विभिन्न गांव के सभापति में रोमांच प्रधान, सदानंद छत्रिय, योगेश किसान, ललित मोहन माझी, युवा गोष्ठी अध्यक्ष यदुमणि प्रधान, गोपाल प्रधान, सुजाता नयाक, जगन्नाथ नयाक, सुमंत नयाक आदि ने भाग लिया और उपस्थित समाज के लोगों को संबोधित किया।

झाड़ोमुंडा गांव ने नहीं आई बिजली, मतदान का बहिष्कार करने का लिया गया फैसला

ROURKELA : राउरकेला के निकट झाड़ोमुंडा गांव के लोगो की जिंदगी दर्द भरी है, डिजिटल युग में इस गांव ने अब तक बिजली नहीं है। छोटे छोटे बच्चा डिबरी बत्ती और मोमबत्ती में पढ़ाई करने को विवश है। राज्य सरकार बड़े बड़े दावे इस गांव में फेल हो रहे है। स्मार्ट सिटी राउरकेला के निकट के गांव की स्थिति ऐसी हो तो और कही का क्या बात होगी। इस गांव में न तो अच्छी सड़क और न ही पीने का शुद्ध पानी। इस बार गांव वासियों ने इस बार बिजली नहीं आने पर मतदान नही करने का निर्णय किया है।

राहुल की रैली को जदयू ने बताया फ्लॉप

जेडीयू सांसद बोले- चुटकुले से देश नहीं चलता, जनसभा में 50 हजार लोग भी नहीं आए

एजेंसी

पूर्णिया । पूर्णिया से जदयू सांसद संतोष कुशवाहा ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को फ्लॉप बताया है। जनसभा के दौरान सीएम नीतीश कुमार पर किए गए तंज को लेकर भी सांसद ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश चुटकुले से नहीं चलता। उसे चलाने के लिए समझदारी और परिपक्वता चाहिए जो राहुल गांधी में नहीं। राहुल गांधी कांग्रेस के बड़े नेता हैं, उन्हें राजनीति में संजीदा होना चाहिए और गंभीर बातें करनी चाहिए। सांसद संतोष कुशवाहा ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर आयोजित जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने जिस तरीके से चुटकुले के जरिए सीएम नीतीश कुमार पर अनर्गल टिप्पणी की है। वो राहुल गांधी जैसे बड़े नेता के मुंह से शोभा नही देती। राहुल गांधी को मालूम होना चाहिए कि देश चुटकुले से नहीं चलता है। उन्होंने कहा कि सांसद ने कहा कि राहुल गांधी की जनसभा को लेकर दो लाख लोगों के पहुंचने का दावा किया जा रहा था। हकीकत ये रही कि 50 हजार लोग भी जनसभा में नहीं पहुंचे। आधा मैदान तक नहीं भर सका। राहुल की रैली को जनता का साथ तक नहीं मिला। सीमांचल की जनता जागरूक है। दूसरे प्रदेशों की तरह यहां के लोगों को बहकावे में नहीं रखा जा सकता। ये रेणु की भूमि है, यहां के रग -रग में क्रांति है। ये जनसभा पूरी तरह फ्लॉप रही।उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जनता की पसंद हैं। जनता ने उन्हें रिकॉर्ड सीएम बनाया है। ऐसे में राहुल गांधी ने जिस तरीके से सीएम नीतीश कुमार पर टिप्पणी की है, इससे बिहार की जनता नाराज है। हमेशा की तरह यहां भी राहुल गांधी ने लोगों को निराश किया है। राहुल गांधी अपनी जनसभा को खुद को अल्पसंख्यक, दलित और पिछड़ों के हितैषी बता रहे थे। कांग्रेस राज में पिछड़ों की क्या स्थिति थी, यह पूरे देश को पता है। राहुल किसानी का ए बी सी नहीं जानते हैं, लेकिन किसानों के साथ चौपाल लगाते हैं। जो हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जाति आधारित गणना का क्रेडिट लेना चाह रहे हैं जो सफेद झूठ है। सच तो ये है कि जाति आधारित गणना का श्रेय सिर्फ नीतीश कुमार को जाता है।आगे उन्होंने कि राहुल गांधी अगर आगामी लोकसभा चुनाव में किशनगंज सीट भी बचा लें, तो बड़ी बात होगी। उन्होंने दावा किया कि सभी 40 सीटों पर एनडीए की जीत तय है ,कांग्रेस को अपना कुनबा बचाने की जरूरत है।

मां की डांट पर बेटी ने पंखे से लटकर दी जान

जहानाबाद जहानाबाद मखदुमपुर थाना क्षेत्र के पलैया गांव में 13 वर्षीय छात्रा ने पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि मां ने छात्रा को नहाने से मना किया जिसके बाद नाराज होकर बेटी ने आत्महत्या कर ली। वही, लड़की के पिता मुकेश कुमार ने बताया कि मेरी बेटी काजल कुमारी मंगलवार की शाम स्नान कर रही थी। लड़की के मां ने उसे स्नान करने से मना किया लेकिन लड़की अपनी जिद पर अड़ी रही, इसी बात को लेकर लड़की के मां ने उसे हल्की-फुल्की मारपीट की और डांट फटकार की थी।बताया कि जिसके बाद हम लोग किसी काम से घर से बाहर चले आए। कुछ देर जब हम लोग अपने घर में वापस गए तो देखा कि मेरी बेटी पंखे से लटक कर झूल रही है। किसी तरह आसपास के लोगों के सहयोग से लटके हुए पंखे से उसे नीचे उतर गया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। इस घटना की सूचना स्थानीय थाने के पुलिस को दी गई मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया है। मखदुमपुर के थाना अध्यक्ष रवि भूषण ने बताया कि एक लड़की की आत्महत्या का करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा की घटना का कारण क्या है।

उसके परिजन का कहना है कि लड़की के लड़की के डांट फटकार करने के कारण आत्महत्या कर ली है।

बैंक लूटने वाले कुख्यात को किया गिरफ्तार

एजेंसी

गोपालगंज। गोपालगंज में बैंक लूट कांड मामले में फरार कुख्यात अपराधी और 15 हजार के इनामी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश सारण जिले के तरैया थाना क्षेत्र के श्यामपुर राजवाड़ा गांव निवासी राजेन्द्र महतो का 22 वर्षीय बेटा संजय कुमार महतो है। फिलहाल पुलिस ने पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि 6 अप्रैल 2023 को जिले के वैकुंठपुर थाना क्षेत्र के राजापट्टी स्थित ग्रामीण बैंक में लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस गिरफ्तारी के लिए लगातार कर रही थी छापेमारी बैकुण्ठपुर थाना में कांड दर्ज हुआ था। बदमाशों की पहचान कर अनुसंधान प्रारंभ शरू किया था। गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की गई, लेकिन अपराधी पकड़ में नहीं आ रहा था। जिले की पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 15 हजार इनाम घोषित किया था। इसी बीच तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर 15,000 के इनामी संजय कुमार महतो को [illegible] और जिला पुलिस ने अपराध की योजना बनाते हुए राजापट्टी बाजार से गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने कहा कि अभियुक्त के विरुद्ध गोपालगंज और सारण जिला के विभिन्न थानों में लूट डकैती और आर्म्स एक्ट सहित कई कांड दर्ज है।

योगदान देने पहुंचा फर्जी शिक्षक गिरफ्तार

एजेंसी

किशनगंज । किशनगंज जिले में कल्याण विभाग के सौजन्य से संचालित अनुसूचित जाति एवं जनजाति आवासीय विद्यालय में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के बाद किशनगंज जिला कल्याण विभाग के कार्यालय में एक फर्जी शिक्षक का मामला प्रकाश में आया है। कल्याण विभाग की ओर से शिक्षा भर्ती प्रक्रिया चल रही थी। जिसमें फर्जी शिक्षक मुन्ना भाई की जगह मधबुनी जिले के निवासी देवलाल साहू के पुत्र सतीश कुमार साहू ने परीक्षा दी। जब मुन्ना भाई योगदान देने के लिए जिला कल्याण विभाग पहुंचे तो जिला कल्याण पदाधिकारी अनिल सिंह ने विभागीय आदेशानुसार जांच शुरू कर दी।जांच प्रक्रिया में कागजात, ऑनलाइन में अपलोड दस्तावेज में अंतर पाया गया। मुन्ना भाई ने अपना जुर्म कबूल किया। फर्जी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की गई। मामला दर्ज कर सदर थाना पुलिस को सौंप दिया। फोटो और हस्ताक्षर मिलान नहीं हुआ कल्याण विभाग की पदाधिकारी अनिल सिंह ने कहा कि विभाग की ओर से उपलब्ध करवाई गई कॉपी में अभ्यर्थी का मिलान किया तो फोटो और हस्ताक्षर मिलान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि शंका होने पर हम लोगों ने विभाग से संपर्क किया। संपर्क करने पर बाद में पता चला कि वह खुद नहीं है। जिसका फोटो और हस्ताक्षर है। फर्जी शिक्षक था। उसको अभी हमने पुलिस को सौंप दिया है। विधिपूर्वक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बदमाशों ने कारोबारी के सिर में गोली मारकर हत्या

एजेंसी

मुजफ्फरपुर । मिजफ्फरपुर में कारोबारी की घर से 100 मीटर दूर सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान कुमार मुकेश के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वो मंगलवार की रात 10 बजे वो अपनी लॉज से लौट रहे थे। तभी घात लगाए बदमाशों ने पीछे से सिर में गोली मार दी और फरार हो गए। राहगीरों ने इसकी सूचना सदर थाना को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां जांच के के बाद डॉक्टरों ने कारोबारी को मृत घोषित कर दिया घटना के बाद अस्पताल में मृतक के परिजन जमा होने लगे।घटना की जानकारी के बाद सिटी एसपी अरविंद प्रताप सिंह, एएसपी टाउन भानु प्रताप सिंह, सदर थाना की पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई। मामला जिले के सदर थाना क्षेत्र का है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी को खंगाल रही है। मुकेश के मोबाइल को पुलिस ने जांच के लिए लिया है।पूरे मामले पर सिटी एसपी अवधेश दीक्षित में बताया कि सदर थाना क्षेत्र के खबरा गांव में अपराधियों ने कुमार मुकेश नामक व्यक्ति की गोली मार कर हत्या कर दी है। घटना उनके घर के 100 मीटर दूरी पर हुई है। मुकेश के सिर में पीछे से एक गोली लगी है।

साजिश रच कर हत्या की गई है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

रेवती नक्षत्र में 14 फरवरी को सरस्वती पूजा

पटना । इस साल सरस्वती पूजा माघ शुक्ल पंचमी में 14 फरवरी को मनाया जाएगा। यह पर्व विद्या, बुद्धि, ज्ञान, संगीत व कला की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती को समर्पित है। 14 फरवरी को बसंत पंचमी रेवती नक्षत्र और शुभ योग के सुयोग में होगी। इस दिन श्रद्धालु पीले रंग का वस्त्र धारण करते हैं। माघ शुक्ल पंचमी को मां शारदे के साथ भगवान गणेश, लक्ष्मी, नवग्रह, पुस्तक-लेखनी और वाद्य यंत्र की भी पूजा होगी। पूजा के बाद श्रद्धालु एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाएंगे।पंडित राकेश झा के अनुसार प्रभु श्रीकृष्ण ने भी पीतांबर धारण करके सरस्वती माता का पूजन माघ शुक्ल पंचमी को किए थे। पीले रंग का संबंध गुरु ग्रह से है जो ज्ञान, धन व शुभता के कर्क माने जाते हैं। पीला रंग शुद्धता, सादगी, निर्मलता व सात्विकता का प्रतीक है। केसरिया या पीला रंग सूर्यदेव, मंगल और देवगुरु बृहस्पति ग्रहों का कारक है तथा उन्हें प्रबुद्ध बनाता है।सरस्वती पूजा का शुभ मुहूर्त पंचमी तिथि- प्रातः 06:28 बजे से शाम 05:52 बजे तक लाभ व अमृत मुहूर्त- प्रातः 06:28 बजे से सुबह 09:15 बजे तक शुभ योग मुहूर्त- सुबह 10:40 बजे से दोपहर 12:04 बजे तक

संक्षिप्त डायरी

चिमनी व्यवसायी के बेटे का बदमाशों ने किया अपहरण

सीतामढ़ी । सीतामढी में एक चिमनी व्यवसायी के पुत्र का हथियार के बल पर बाइक सवार अपराधियों अपहरण कर लिया है। घटना जिले के सोनबरसा थाना क्षेत्र के फरछहिया गांव के पास की है। बताया जा रहा है की चिमनी व्यवसायी अपने पुत्र के साथ मंगलवार की रात घर जा रहे थे। इस दौरान चार बदमाशों ने पिता- पुत्र को घेर लिया और उनके पुत्र को अगवा कर पैदल ही अपने साथ ले गए। वही व्यवसायी को बांध कर सड़क किनारे छोड़ दिया। अपहत युवक की पहचान चिलरा गांव निवासी चिमनी संचालक विजय प्रसाद के पुत्र अभिषेक के रूप में की गई है।पहले से घात लगाए थे बदमाश घटना की सूचना मिलते ही एसपी मनोज कुमार तिवारी, सदर एसडीपीओ रामकृष्ण व स्थानीय थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटे हैं। मिली जानकारी के अनुसार अपराधी पहले से घात लगाए थे और होम पाइप लगाकर आवागमन अवरुद्ध कर दिया था। मामले की जांच में जुटी पुलिस सदर डीएसपी रामकृष्ण ने बताया कि सूचना मिलने पर कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के लिए पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। हालांकि, अभी तक फिरौती नहीं मांगी गई है। फिलहाल पुलिस युवक की बरामदगी को लेकर कार्रवाई कर रही है।

शादी कर लौट रहा दूल्हा कट्टे के साथ अरेस्ट

समस्तीपुर । समस्तीपुर में दो युवकों को एक देसी कट्टा और तीन गोली के साथ गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि गिरफ्तार किए गए युवकों में से एक दूल्हा है, जो शादी के बाद घर लौट रहा था। दलसिंहसराय डीएसपी नजीब अनवर ने बताया कि सत्यम कुमार विद्यापतिनगर में शादी करने जा रहा था। जाने के दौरान उसने दलसिंहसराय के बिस्कोमान रोड में एक कोचिंग सेंटर में कट्टा छुपा कर रख दिया गया था। शादी कर लौटने के बाद वो कोचिंग से कट्टा लेकर निकल रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ा लिया।शादी करके लौटने के क्रम में छुपाये गये देसी कट्टा को लेकर कोंचिग से बाहर निकल रहा था। इसी दौरान रात्रि गश्ती की टीम के द्वारा सत्यम कुमार और उसके साले शिवम कुमार को पकड़ लिया गया। दोनों युवकों के पास से दो मोबाइल भी बरामद की गई। इस संबंध में दलसिंहसराय थानाध्यक्ष ने प्राथमिकी दर्ज कर दोनों जेल भेज दिया। गिरफ्तार दूल्हा सत्यम कुमार हसनपुर थाना के सकरपूरा का रहने वाला है। जबकि शिवम कुमार मंसूरचक बेगूसराय के आशापुर का रहने वाला है। छापामारी दल में दलसिंहसराय थाना के अपर थानाध्यक्ष शम्भूनाथ सिंह, पीटीसी संजय कुमार राय, गृहरक्षक उमेश प्रसाद सिन्हा, गृहरक्षक सरोज कुमार, गृहरक्षक अमरजीत कुमार आदि शामिल थे।डीएसपी नजीब अनवर ने बताया कि रात के अंधेरे में बंद कोचिंग से निकल रहे दोनों को देख कर शक के आधार पर जब उसकी तलाशी ली गई तो जांच के दौरान देसी कट्टा व गोली बरामद की गई। इस मामले में अलग से आर्म्स एक्ट की प्राथमिकी दर्ज की गई है।

डॉक्टर से 20 लाख की रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

मोतिहारी। मोतिहारी पुलिस ने डॉक्टर से रंगदारी मांगने के मामले का महज 24 घंटे के अंदर खुलासा किया है। दो युवकों को गिरफ्तार किया है। जिस मोबाइल का इस्तेमाल किया गया था उसे भी बरामद कर लिया गया है। सदर अस्पताल चिकित्सक डॉ. अमित कुमार ने छतौनी थाना में आवेदन देकर बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर 20 लाख रुपए रंगदारी मांगी थी। रंगदारी नहीं देने पर हत्या की धमकी दी थी।आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मोतिहारी एसपी कांतेश मिश्रा ने सदर एएसपी शिखर चौधरी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया और रंगदारी मांगने वाले की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू की गई।दोनों से पूछताछ की वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर सुगौली थाना क्षेत्र निवासी नरेश सहनी और रघुनाथपुर ओपी क्षेत्र के अरज ठाकुर को हिरासत में लिया। जब पूछताछ की गई तो उसकी निशानदेही पर जिस नंबर से रंगदारी की मांगी गई थी उस मोबाइल को भी बरामद कर लिया गया। बरामद मोबाइल और पकड़े गए दोनों युवकों से पूछताछ की जा रही है। छापेमारी टीम में एएसपी सदर शिखर चौधरी, छतौनी थानाध्यक्ष कंचन भास्कर के अलावा अन्य शामिल थे।

7600.74 लीटर देसी-विदेशी शराब को पुलिस ने किया नष्ट

गोपालगंज । गोपालगंज के कुचायकोट थाना क्षेत्र के बलथरी चेकपोस्ट पर विभिन्न थाना द्वारा की गई छापेमारी में अलग-अलग जगहों से जब्त की गई 7600.74 लीटर देसी-विदेशी शराब को जेसीबी चढ़ा कर विनष्ट किया गया। इस दौरान मौके पर उत्पाद अधीक्षक, मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारी के अलावा पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई। वही इस पूरी प्रक्रिया का विडियो ग्राफी भी कराया गया। सूबे में पूर्ण शराब बंदी कानून लागू है, बावजूद शराब तस्करों द्वारा शराब की तस्करी धड़ल्ले से की जा रही है। लेकिन पुलिस द्वारा शराब तस्करों पर करवाई कर शराब को बरामद की जाती है। जेसीबी चलाकर किया नष्ट सदर एडीपीओ प्रांजल ने बताया की कुचायकोट थानाक्षेत्र के एनएच 27 बलथरी चेकपोस्ट पर कई कांडो में जब्त किए गए कुचायकोट थाना- 5056.68 ली, नगर थाना -197 ली, थावे - 525.06 ली एवं विशंभरपुर-1822 ली कुल 7600.74 लीटर देशी/विदेशी शराब पर मजिस्ट्रेट की निगरानी में जब्त शराब पर जेसीबी चलाकर विनष्टीकरण किया गया

तेजस्वी ने ईडी दफ्तर से निकलकर विक्ट्री साइन दिखाया

एजेंसी

पटना। लैंड फॉर जॉब्स केस में ईडी ने मंगलवार को पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से 8 घंटे तक पूछताछ की। तेजस्वी पटना में ईडी दफ्तर से रात आठ बजे बाहर निकले। कार में सवार होने से पहले समर्थकों को विक्ट्री साइन दिखाया। इस दौरान समर्थकों ने भी जमकर नारेबाजी की।तेजस्वी सुबह साढ़े 11 बजे पटना के बैंक रोड स्थित ईडी दफ्तर पहुंचे थे। सूत्रों के मुताबिक, ईडी के 12 अफसरों की टीम ने तेजस्वी से 60 सवाल किए। सवाल पहले से ही रेडी थे।तेजस्वी से पूछे गए ये सवाल जिस कंपनी के आप मालिक हैं, वो कंपनी कैसे और कब बनी?जब आप नाबालिग थे तो कंपनी बनाने का आइडिया कैसे आया?कंपनी 4 करोड़ की थी, कंपनी के बनने के कुछ साल में करोड़ों का ट्रांजैक्शन कैसे? कमाई का स्रोत क्या रहा?मेसर्स एके इंफोसिस्टम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी क्या काम करती है, इससे आपका कितना और क्या सरोकार है?कंपनियों के नाम से जितनी जमीनें ट्रांसफर की गई, उसके बारे में आपका क्या कहना है?इनमें कई जमीनों को आपके परिवार के सदस्यों के नाम पर ट्रांसफर की गई थी, ऐसा क्यों किया गया?जमीन कंपनी के नाम पर क्यों लिखवाई गई थी। जमीन लेकर जिन लोगों को रेलवे में नौकरी दी गई, उसके बारे में वे क्या जानते हैं?कंपनी के अलावा उनके कई करीबी लोगों के नाम पर भी जमीन ट्रांसफर कराई गई थी, उनके नाम क्या हैं?नाबालिग से बालिग होते ही 21-22 साल की उम्र में आपकी कंपनी का मुनाफा कई करोड़ कैसे बढ़ा?दिल्ली के फ्रेंड्स कॉलोनी जैसे पॉश इलाके में 160 करोड़ का आलीशान घर आपने अपनी कंपनी के नाम पर महज कुछ लाख में कैसे लिया?आपने करोड़ों रुपए कहां से कमाए?सूत्रों के मुताबिक, अधिकांश सवालों के जवाब देते वक्त तेजस्वी ने अनभिज्ञता जाहिर की। वहीं, कुछ के जवाब घुमा फिरा कर दिया। पूछताछ के दौरान उन्हें नाश्ता, चाय, कॉफी और दोपहर का खाना पूछा गया। हालांकि, उन्होंने सिर्फ चाय के लिए हां कहा। बीच में एऊ की टीम ने तेजस्वी को रिलैक्स होने का भी ऑफर दिया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।बहन रोहिणी आचार्य ने 8 घंटे में 20 पोस्ट कियातेजस्वी से ईडी की पूछताछ के दौरान लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक के बाद एक 8 घंटे में 20 पोस्ट सोशल मीडिया पर किए। उन्होंने भाजपा, जांच एजेंसियों को घेरा। ईडी दफ्तर के बाहर मीसा और तेजप्रताप मौजूद रहेराज्यसभा सांसद मीसा भारती ईडी दफ्तर के बाहर मौजूद रहीं। मीसा एऊ ऑफिस के सामने स्थित दादी जी मंदिर में बैठकर अपने भाई के बाहर आने का इंतजार करती रहीं। यहां तेजप्रताप यादव और सांसद मनोज झा सहित पार्टी के काफी सारे नेता और कार्यकर्ता भी पहुंचे थे। ईडी को डराने के लिए लालू परिवार ने जुटाई भीड़ः सुशील मोदी राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने मंगलवार को कहा कि लैंड फॉर जॉब्स केस में लालू प्रसाद एवं तेजस्वी यादव से पूछताछ के दौरान ईडी पर दबाव बनाने की कोशिश की गई।अफसरों को डराने के लिए राजद समर्थकों की भारी भीड़ जुटाई गई है। इससे न तो जांच रुकेगी, ना ही लालू परिवार दोषमुक्त हो पाएगा। तेजस्वी से पूछताछ पर बीजेपी ने कसा तंज आरजेडी नेता तेजस्वी यादव से पूछताछ के मामले में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कुंतल कृष्णन ने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी करोड़ों की संपत्ति तेजस्वी जी आपको लाखों में दे दे तो सवाल उठेंगे ही।

हमारे समाज को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है: पूर्व अपर जिला जज मनोज कुमार

संवाददात

नहटौर। नगीना लोकसभा क्षेत्र के नहटौर नगर की ज़िगर कालोनी मे संविधान जागरूकता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि पूर्व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार रहें । मुख्य अतिथि का कार्यक्रम मे पहुंचे पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा फूल मालाएं डालकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार ने कहा। कि इस समय समाज की विचारधारा गलत होती जा रही है। इंसान को इंसान से नफरत हो रही है उनके अन्दर जहर खोला जा रहा है । हमारे समाज के अधिकार खत्म किए जा रहे हैं। गरीब और गरीब होता जा रहा है अमीर ओर अमिर होता जा रहै। हमारे समाज की शिक्षा का स्तर बहुत गिर चुका है।हमारे समाज को शिक्षा से दूर किया जा रहा है । हमे धर्म की ओर मोड़ दिया गया है। हमे मंदिर मस्जिद की राजनीति में डाल दिया है हम आपस में धर्म की लड़ाई लड़ रहे हैं। हमें धर्म की लड़ाई को खत्म करना है और सबको साथ मिलकर चलना है। हमे कुर्सी पर बैठने का भी अधिकार नहीं था ये अधिकार हमे बाबा भीमराव अम्बेडकर साहब ने दिया है। इस लिए अपने संविधान को बचान हैं। हमे सब को मिलकर संविधान की लड़ाई लड़नी हैं।

इस लड़ाई को हम वोट से लड़ेंगे।इस लिए हमें जादा से जादा वोट करना है। हमे गठबंधन प्रत्याशी को तन मन धन से चुनाव लड़ाना है। इस दौरान मोनू कुमार कश्यप, मनोज कुमार कश्यप, हर्षवर्धन सिंह ,लाल सिंह, छत्रपाल सिंह, संजीव कुमार ,प्रीतम कुमार ,धीरज सिंह, दयाराम सिंह ,प्रदीप कुमार, धर्मपाल सिंह, एडवोकेट शमशाद अहमद, हितेश ,मोहम्मद शहजाद, नेतराम सिंह, पृथ्वी सिंह, प्रदीप कुमार ,सतपाल सिंह, जयवीर सिंह ,विनोद कुमार, मुन्ने सिंह ,रवि कुमार, रामकुमार ,सुनील कुमार ,अजय कुमार ,अरविंद कुमार ,चेतराम सिंह, विपिन कुमार ,टीकम सिंह ,जितेंद्र कुमार ,अजय कुमार, अमन कुमार ,मदन सिंह ,शिवम कुमार ,राजकुमार सिंह, नेतराम सिंह , कोमल सिंह, फारूक फौजी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लाल सिंह बौद्ध ने किया । तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता सिकंदर कश्यार सिंह ने की ।

भाजपा नेता डॉक्टर सोरन सिंह ठंड को देखते हुए गरीब मजलूमों को बांटे लिहाफ

संवाददात

अमरोहा। प्रदेश के 09-अमरोहा लोकसभा क्षेत्र के गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के तीर्थनगरी बृजघाट एवं गढ़मुक्तेश्वर में जिला पंचायत सदस्य एवं लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट के लिए स्थानीय प्रत्याशी के तौर पर सशक्त दावेदारी कर रहे डा. सोरन सिंह चौधरी ने कड़ाके की सर्दी से जूझ रहे साधु-संतों,गरीबों, राहगीरों और रात में खुले आसमान के नीचे सोने वाले लोगों को लिहाफ बांटे। बता दें कि भाजपा नेता डॉक्टर सोरन सिंह ने मंगलवार को अमरोहा लोकसभा क्षेत्र में गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के बृजघाट,गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में जाकर गरीबों को लिहाफ दिए। इसके अलावा बृजघाट में साधु-संतों को लिहाफ बांटे। वहीं गरीब मजलूमों व बेसहारा लोगो ने डॉक्टर सोरन का शुक्रिया अदा किया।मुख्य रूप से इस मौके पर-डॉ शैली चौधरी,सौरभ सिराव,अविनाश सिंह,तेजेन्द्र सिंह,ललित चौधरी,रोहित,विशाल शर्मा,आशिक चौधरी,हरजीत गिरी,जयप्रकाश,सुशील सिंह,दीपक चौधरी,अर्जुन सिंह,हेमंत गुर्जर,होमपाल जाटव,सुनील,राजेन्द्र चौधरी मौजूद रहे।।

क्रिकेट:सेमीफाइनल में पहुंची अहिरौली बाजार की टीम

'संवाददात

कसया, कुशीनगर। नगर के रामकोला मार्ग स्थित मालती पांडेय बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज के खेल मैदान पर आईसीसी क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें अहिरौली बाजार की टीम ने पहले क्वार्टर फाइनल में धनलक्ष्मी मेडिकल को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची है। बुधवार को मालती पांडेय बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज में आयोजित आईसीसी क्रिकेट प्रतियोगिता में पहला मैच अहिरौली बाजार व परसौनी के बीच खेला गया। इसमें टास जीतकर अहिरौली बाजार की टीम ने गेंदबाजी का निर्णय लिया। वहीं बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरी परसौनी की टीम आठ ओवर में कुल 68 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में उतरी अहिरौली बाजार की टीम ने निर्धारित ओवर की खेल से पहले ही 69 रन बनाकर जीत हासिल कर लिया। दूसरा मैच लेजेंड और धनलक्ष्मी मेडिकल के बीच खेला गया। धनलक्ष्मी मेडिकल ने टास जीतकर गेंदबाजी का निर्णय लिया। मैदान पर उतरी लेजेंड की टीम ने जीत के लिए 72रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में मैदान पर उतरी धनलक्ष्मी मेडिकल की टीम ने लक्ष्य निर्धारित ओवर के खेल से पहले ही पूरा कर जीत हासिल किया। वहीं पहला क्वार्टर फाइनल मैच अहिरौली बाजार और धनलक्ष्मी मेडिकल के बीच हुआ। टास जीतकर अहिरौली बाजार की टीम ने गेंदबाजी का निर्णय लिया। वहीं मैदान पर उतरी धनलक्ष्मी मेडिकल की टीम ने निर्धारित आठ ओवर में 54 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में उतरी अहिरौली बाजार की टीम ने 4.2 ओवर खेलकर ही लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया।इस तरह अहिरौली बाजार की टीम ने सेमीफाइनल मैच के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। इसके पूर्व समाजसेवी व वरिष्ठ भाजपा नेता ओमप्रकाश जायसवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त व फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमरजीत यादव, चेयरमैन प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, सभासद विनय प्रताप राव, सबीर अली, प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह समेत गण्यमान्य लोग मौजूद थे।

घने कोहरे के चलते भीषण सड़क हादसे में बेटे की मौत

संभल । संभल में घने कोहरे के चलते हुए भीषण सड़क हादसे में बेटे की मौत हो गई जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल पिता को इलाज के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। उधर युवक का शव पीएम को भेज दिया। भीषण सड़क हादसे में किशोर की मौत होने का पूरा मामला जनपद संभल की सदर कोतवाली संभल क्षेत्र के चंदौसी रोड स्थित गांव बिछोली के निकट का है। बुधवार को सड़क पर घना कोर होने की वजह से भीषण सड़क हादसा हुआ। आमने-सामने कैंटर और टाटा मैजिक की भिड़ंत हो गई। पिकअप गन्ने की खोई से भरी हुई थी। भीषण सड़क हादसे में पिकअप सवार बेटे की मौत हो गई। पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। उधर सड़क हादसे की सूचना मिलने के बाद इंस्पेक्टर पवन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे,। घायल पिता को पुलिस ने इलाज के लिए संभल के जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। वहीं मृतक बेटे की शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया। मृतक बेटे का नाम मोनू 13 वर्षीय और पिता का नाम वीर सिंह निवासी गांव रमपुरा, थाना सोनपुर, जनपद मुरादाबाद है। सड़क हादसे की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए जहां उसके शव को देखकर कोहराम मच गया। पर उन्होंने बताया कि वीर सिंह और उसका बेटा मोनू गन्ने की कोई बचने के लिए संभल आ रहे थे तभी एक्सीडेंट हुआ है।इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में मोनू नाम के बच्चे की मौत हुई है जबकि उसका पिता वीर सिंह घायल है, सड़क हादसे के बाद दूसरी गाड़ी में सवार चालक मौके से फरार हो गया है, शव पीएम को भेजा गया है, परिजनों की तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एन ई आर के जितेंद्र सिंह रेलवे कुश्ती टीम के बने कोच

संवाददात

गोरखपुर। जयपुर में 2 से 5 फरवरी तक आयोजित होने वाली सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप 2024 के लिए रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने 30 पहलवानों सहित 50 सदस्यीय कुश्ती दल की घोषणा कर दी है। भारतीय रेलवे की टीम में पूर्वोत्तर रेलवे के दो पुरुष पहलवान आसू एवं रोहित यादव और महिला पहलवान अंकुश व मानसी का चयन हुआ है एवं टीम के कोच की जिम्मेदारी पूर्वोत्तर रेलवे के युवा कोच जितेंद्र सिंह को दी गई है। जितेंद्र सिंह वर्तमान में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में रेलवे के पहलवानों एवं बाहर से आने वाले बच्चों को कुश्ती की ट्रेनिंग देते हैं। इनके बड़े भाई शिवेंद्र सिंह (कम्ळ्र) वर्तमान में पूर्वोत्तर रेलवे में ही चीफ विजिलेंस अफसर के पद पर कार्यरत हैं।

इस उपलब्धि पर पंकज सिंह जनरल सेक्रेटरी नरसा एवं खेल अधिकारी चंद्र विजय सिंह व सीनियर पहलवान जनार्दन यादव एवं अंतरराष्ट्रीय पहलवान यश पाल आदि ने बधाई दी।

जिला पंचायत राज अधिकारी ने गौशाला के लिए 2 लाख रुपए का चेक सीडीओ को सौपा

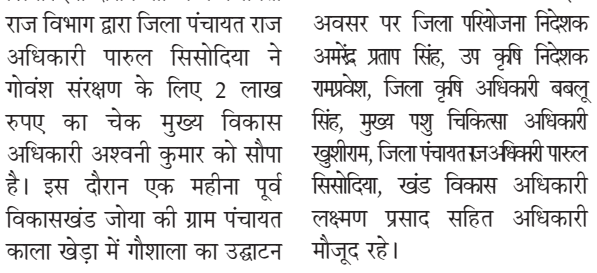

संवाददात

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनपद अमरोहा में गोवंश को सुरक्षित रखने के लिए प्रशासनिक द्वारा कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। वही जनपद के सभी विकास खंडों में आवारा घूम रहे हैं। गोवंशों को गौशाला में रखने के लिए गौशालाओं का निर्माण भी कराया जा रहा है। जिससे कि आवारा गोवंश को पड़कर सुरक्षित गौशाला में पहुंचा जा सके। जिसको लेकर जिला अधिकारी के निर्देश पर जनपद अमरोहा के सभी अधिकारी निरंतर तैयारी में जुटे हैं। वहीं बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय में विकासखंड स्तर पर एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के सभी खंड विकास अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान मीटिंग में पंचायती राज विभाग द्वारा जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने गोवंश संरक्षण के लिए 2 लाख रुपए का चेक मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार को सौपा है। इस दौरान एक महीना पूर्व विकासखंड जोया की ग्राम पंचायत काला खेड़ा में गौशाला का उद्घाटन के दौरान 1लाख रुपए का चेक जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया द्वारा मुख्य विकास अधिकारी को सोपा गया था। जिन्होंने गोवंश के संरक्षण में गोवंश को सुरक्षित रखने के लिए वह उनकी देखभाल के लिए 3 लाख रुपए का चेक जिला पंचायत राज विभाग द्वारा प्रदान किया गया है। और इसके अलावा विकासखंड जोया की खंड विकास अधिकारी प्रतिभा ने 1 लाख रुपए का चेक मुख्य विकास अधिकारी को सोपा है। और साथ ही 25 हजार रूपए का चेक विकासखंड गंगेश्वरी के खंड विकास अधिकारी रोहतास द्वारा दिया गया है। इस दौरान गंगेश्वरी के एपीओ सौरभ द्वारा 25 हजार रूपए का चेक मुख्य विकास अधिकारी को सोपा गया है। जिस की गौशाला में आश्रित पशुओं की सेवा में लगाया जा सके। इस अवसर पर जिला परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह, उप कृषि निदेशक रामप्रवेश, जिला कृषि अधिकारी बबलू सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी खुशीराम, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, खंड विकास अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद सहित अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

'संवाददात

कुशीनगर। थाना कसया पुलिस द्वारा एक वांरटी अभियुक्त रिषू पुत्र प्यारे निवासी काशीराम आवास ब्लॉक नं0 24 गोला बाजार थाना कसया जनपद कुशीनगर सम्बन्धित मु0अ0सं0 0106/2022 व एस0टी0नं0 392/2022 धारा 411, 413, 414, 473 भादवि के अन्तर्गत गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्र0नि0 गिरिजेश उपाध्याय, उ0नि0 कुलदीप मौर्य, का0 आदित्य चौहान थाना कसया शामिल रहे।

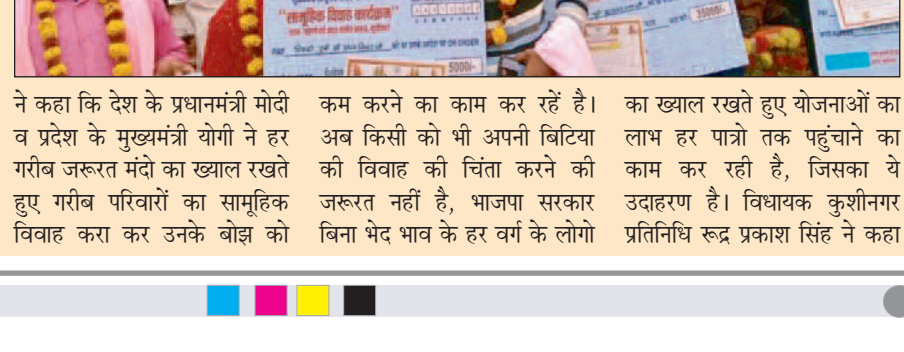

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 55 जोड़े हुए एक दूजे के

'संवाददात

कसया, कुशीनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत नगरपालिका परिषद कुशीनगर के वार्ड न.12 वीर अब्दुल हमीद नगर के मालती पाण्डेय बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमे 09 मुस्लिम जोड़े व 46 हिन्दू सहित कुल 55 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंध कर एक दूजे के जीवन साथी बने ' सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत वर- वधु को कपड़े, बर्तन, गहने आदि सहित समस्त वैवाहिक सामग्रीयोको देकर उनके सुखद जीवन के आशीर्वाद के साथ उन्हें विदा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक फाजिलनगर सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने हर गरीब जरूरत मंदो का ख्याल रखते हुए गरीब परिवारों का सामूहिक विवाह करा कर उनके बोझ को कम करने का काम कर रहें है। अब किसी को भी अपनी बिटिया की विवाह की चिंता करने की जरूरत नहीं है, भाजपा सरकार बिना भेद भाव के हर वर्ग के लोगो का ख्याल रखते हुए योजनाओं का लाभ हर पात्रो तक पहुंचाने का काम कर रही है, जिसका ये उदाहरण है। विधायक कुशीनगर प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि सरकार की सामूहिक विवाह योजना अति सराहनीय योजना है। इस योजना के तहत हर गरीब परिवार की बिटिया की शादी सरकार अपने खर्चे से सम्पन्न करा रही है। हमारे बहन, बेटियों की विवाह की चिंता अब सरकार कर रही है, और उनका विवाह पुरे धार्मिक रीति- रिवाज के साथ धूम - धाम से कराने का काम कर रही हैं ' वैवाहिक कार्यक्रम में एक विधवा महिला का भी विवाह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल, विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रकाश सिंह, नगरपालिका कुशीनगर अधिशासी अधिकारी शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, ब्लॉक प्रमुख कसया प्रतिनिधि अमरजीत यादव आदि ने सभी वर-वधु को उनके सुखद जीवन का आशीर्वाद दिया। संचालन सचिव डा0 सरिता गुप्ता ने किया। मुस्लिम धर्म गुरु हाफिज मो0 आलमगीर सिद्दीकी ने मुस्लिम जोड़ो का निकाह कराया तो वहीं हिन्दू धर्म गुरु ने वैदिक मन्त्रोंचर के साथ विवाह सम्पन्न कराया ' इस अवसर पर स्थानीय वार्ड के सभासद प्रतिनिधि सोनू त्रिपाठी, सभासद मधुबाला त्रिपाठी, सभासद राजेश मद्धेशिया, सभासद अजेंद्र सिंह, सभासद पीएन सिंह, सभासद विजेंदर प्रताप उर्फ भगत सिंह, श्रवण तिवारी, शैलेश त्रिपाठी, अमेरिकन सिंह, प्रकाश चंद्र भारती, बैजू, धर्मेंद्र यादव, गुड्डू कुशवाहा, पसमांदा मुस्लिम समाज संघ कुशीनगर जिलाध्यक्ष गुफरान बक्शी, सचिव, नीरज चतुर्वेदी, कैश खान सहित वैवाहिक जोड़ो के परिजन आदि सहित सैकड़ो की संख्या लोग मौजूद रहें

संक्षिप्त डायरी

अमरोहा जनपद में 79 केंद्रों पर की जाएगी यू.पी बोर्ड की परीक्षा

संवाददात

अमरोहा। जनपद अमरोहा में 79 केंद्रों पर यूपी बोर्ड की परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिसको लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूर्ण कर ली है। इस दौरान राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य ललित कुमार पी.ई.एस ने बताया है कि 22 फरवरी सन 2024 से 9 मार्च सन 2024 तक आयोजित की जाएंगे। यूपी बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर जनपद अमरोहा में 79 केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें सभी केंद्रों की गतिविधि जिला विद्यालय निरीक्षक में स्थित कंट्रोल रूम द्वारा निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने कहा है कि कक्षा 10 और कक्षा 12 की सादी उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा के माध्यम से किया जाएगा। जिसमें प्रति दिन 10 केंद्रों को कापियों का वितरण किया जाएगा। हालांकि सरकार का सपना है कि यूपी बोर्ड की परीक्षाओं को नकल विहीन संपन्न करना। जिसको लेकर जनपद स्तर के प्रशासनिक अधिकारियों ने यूपी बोर्ड की परीक्षाओं को नकल विहीन करने की पूरी तैयारी कर ली है। वही जनपद के सभी केंद्रों में आयोजित की जाने वाली यू.पी बोर्ड की परीक्षाओं के केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिसमें हर छात्र छात्रा कैमरे की कड़ी निगरानी रखी जाएगी। जिसकी मॉनिटरिंग जिला विद्यालय निरीक्षक विष्णु प्रताप सिंह के द्वारा देखरेख में संपन्न होंगी।

रखेड़ा में अवैध शराब के अडडों पर दबिश,12 ली० अवैध कच्ची शराब बरामद

संवाददात

अमरोहा। जनपद अमरोहा के जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने जानकारी देते हुए कहा कि जनपद में प्रवर्तन अभियान के तहत दिनांक 30.01.2024 को आबकारी टीम द्वारा तहसील हसनपुर के ग्राम-रखेड़ा में अवैध शराब के अडडों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान टीम द्वारा 12 ली० अवैध कच्ची शराब बरामद करते हुए मौके पर 200 किग्रा, लहने नष्ट करते हुए 01 अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। टीम में आबकारी निरीक्षक राम कुमार यादव व अधिनस्थ स्टॉफ प्रधान आबकारी सिपाही राजकुमार तथा आबकारी सिपाही अनिल कुमार, राजेन्द्र एवं सुमन शामिल थे। आबकारी अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी महोदय के निदेर्शानुसार अवैध शराब की बिकी, निर्माण तथा तस्करी के विरूद्ध जनपद में प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। अवैध शराब की बिकी, निर्माण एवं तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध यह कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

शिव प्राण प्रतिष्ठा: शिव परिवार से सजी झांकियों के साथ निकली भव्य शोभा यात्रा

संवाददात

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के वार्ड संख्या 20 शहीद भगत सिंह नगर (रामनगर) में नवनिर्मित शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ के तीसरे दिन शिव परिवार से सजी भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। बुधवार को वार्ड स्थित नव निर्मित शिव मंदिर परिसर से गाजे बाजे व शिव, पार्वती, गणेश, कार्तिक, नंदी, विष्णु, दुर्गा आदि देवी देवताओं की मूर्तियों से सजी झांकियों के साथ शोभायात्रा में सैकड़ों महिला पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा बुद्ध मन्दिर मार्ग से होते हुए बिड़ला शिव मंदिर, झुग्वा देवी मंदिर, विपश्यना पार्क स्थित बुद्ध मन्दिर, राम जानकी मंदिर होते हुए रामा भार स्थित माता भगवती मन्दिर होते हुए वापस यज्ञ स्थल पहुंची। जहां शिव परिवार को आचार्य गण के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मन्दिर में रखा गया। इस दौरान मुख्य यजमान बाबूराम प्रजापति, त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, आयोजक मनोज प्रजापति, किशोर निषाद, सभासद पीएन सिंह, सभासद गिरिजेश सिंह, सभासद विजेंदर प्रताप उर्फ भगत सिंह, अशोक कुमार सिंह, विपिन शुक्ला, राम आधार यादव, रविन्द्र नाथ चतुर्वेदी, रंजय गोंड़, किशोर निषाद, एसआई अतुल कुमार, ओमप्रकाश जायसवाल, मुकेश, अरविंद, रामनाथ चौहान, किरन, अनुष्का, रिद्धि, सिद्धि, केश्वर गुप्ता, जगन्नाथ गुप्त, रामायण आदि मौजूद रहे।

चांद पर साथ

पिछले सप्ताह जब मूनलैंडर स्लिम चांद पर उतरा, तो जापान इस उपग्रह पर पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया। स्लिम चांद के उसी दक्षिणी ध्रुव पर उतरा है, जहां कुछ महीने पहले भारत का चंद्रयान-3 उतरा था। यानी चांद के इस क्षेत्र में अपने यान को उतारने वाला वह दूसरा देश बन गया है। कार के आकार जितने 200 किलोग्राम के स्लिम को जब चांद की सियोली खाई के पास उतारा गया, तो वैज्ञानिक समुदाय में चर्चा इस बात की हुई कि जापान ने आश्चर्यजनक रूप से जिस जगह यान को उतारना तय किया था, तकरीबन उसी जगह पर उतारा। तय जगह और उतरने वाली जगह का जो फर्क था, वह सौ मीटर भी नहीं था। इसके पहले तक यह फर्क आमतौर पर एक किलोमीटर से भी ज्यादा हो जाता था। सवाल यह उठा कि स्लिम की इतनी सटीक लैंडिंग कैसे संभव हो सकी? इसका जवाब अब मिला है। दरअसल स्लिम ने इसके लिए चंद्रयान-2 के आर्बिटर की मदद ली और उसकी तस्वीरों के सहारे वह सटीक जगह पर उतरने में कामयाब रहा। यहां इस बात का जिक्र जरूरी है कि चंद्रयान-2 का भारत का पूरा अभियान ठीक से चला था, लेकिन इसका लैंडर एकदम अंतिम समय में चंद्रमा की सतह पर ठीक से उतरने में नाकाम रहा था। हालांकि इसका आर्बिटर अभी भी चांद के चक्कर लगाता हुआ सक्रिय है और लगातार डाटा भेज रहा है। इन्हीं डाटा में वे तस्वीरें भी हैं, जिनकी मदद जापान के स्लिम ने ली। हालांकि, इस खबर का महत्व इसके तकनीकी ब्योरे में नहीं है। इसके पहले यह कब हुआ था कि किसी काम के लिए जापान को भारत की तकनीकी मदद लेने की जरूरत पड़ी हो? भारत के लोग लंबे समय से जापान की तकनीकी उलब्धियों के कायल रहे हैंऔर हमारे देश में न जाने कितने उद्योग और परियोजनाएं ऐसी हैं, जो जापान या वहां की कंपनियों के तकनीकी सहयोग से ही चल रही हैं। वैसे, स्लिम के मामले में जो हुआ, वह यह बताता है कि तकनीक की दुनिया में भारत की स्थिति कैसे बदल रही है। यह सच है कि बाकी क्षेत्रों के मुकाबले अंतरिक्ष क्षेत्र में जापान बहुत देरी से उतरा है। इस क्षेत्र में भारत का अनुभव काफी बड़ा है, लेकिन ऐसा कम ही होता रहा है कि खुद अपनी तकनीक विकसित करते समय जापान किसी अन्य देश की इस तरह से मदद लेता हो। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत और जापान का यह सहयोग कुछ और रास्ते भी खोल सकता है। इस समय दुनिया के तकरीबन सभी विकसित देश किसी न किसी रूप में चंद्र अभियान चलाने की सोच रहे हैं। अनुमान यह है कि अगले दस साल में सौ से भी ज्यादा ऐसे अभियान शुरू हो सकते हैं। निजी कंपनियां भी इस क्षेत्र में उतर पड़ी हैं और स्पेस फाउंडेशन का आकलन कहता है कि चंद्र अभियान का यह पूरा कारोबार 546 अरब डॉलर का हो चुका है। ऐसे में, भारत और जापान जैसे दो देशों का सहयोग इस बाजार के समीकरण बदल सकता है। लगभग तीन साल पहले चीन और रूस ने भी ऐसे ही सहयोग का समझौता किया था। उन्होंने संयुक्त अभियान का भी फैसला किया था, लेकिन यूक्रेन युद्ध शुरू हो गया और बात आगे नहीं बढ़ पाई। भारत और जापान इस बात को अब आगे ले जा सकते हैं। दोनों साथ आते हैं, तो यह एक बराबरी का सहयोग होगा।

बदलते साझेदार

वैचारिक बेवफाई कैरियर-राजनीतिज्ञों (ऐसे राजनीतिज्ञ जो रिटायर होने तक राजनीति करते हैं) के बीच कोई विरल बीमारी नहीं है। राजनीति करनेवाले अक्सर सत्ता, दौलत और बहुत-सी बुराइयों से प्रेरित होते हैं, जिससे भारतीय मतदाता अपरिचित नहीं हैं। निचलेपन के इन मानकों के हिसाब से भी, बिहार के मुख्यमंत्री अपनी बार-बार की गुलाटियों से और भी निचले स्तर तक पहुंचते हुए जान पड़ते हैं। उन्होंने कई बार सहयोगी बदले हैं, जिसका सत्ता की भूख शांत करने के अलावा और कोई कारण नजर नहीं आता। नीतीश कुमार ने 2017 में पलटी मारकर 2015 के जनादेश से विश्वासघात किया और 2022 में, उन्होंने 2020 के जनादेश से विश्वासघात किया। वर्ष 2020 में, जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में चुनाव जीता था, लेकिन दो साल बाद उससे अलग होकर उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के साथ गठबंधन बनाया। यह जनादेश का सरासर अपमान था। उन्होंने अब एक बार फिर पलटी मारी है, इस बार वह भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास लौटे हैं। एक दिन के अंदर ही, उन्होंने बतौर मुख्यमंत्री इस्तीफा दिया, नये सहयोगियों के साथ पद के लिए दोबारा दावा पेश किया और बतौर मुख्यमंत्री फिर से शपथ भी ले ली। कुछ हफ्ते पहले ही, नीतीश कुमार खुद को भाजपा-विरोधी विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में गढ़ रहे थे। यह सही हो सकता है कि राजनीति अजीब साथी बनवाती है, लेकिन नीतीश कुमार ने अपनी बेवफाई को एक जानी-पहचानी पटकथा में बदल दिया है। इस बीच, उनका सुशासन का चैंपियन होने का दावा अब बहुत पुरानी बात, और पूरी तरह अनजाना जान पड़ता है। इस बदलाव के आखिरी क्षण तक, भाजपा पुरजोर तरीके से दावा कर रही थी कि वह नीतीश कुमार और जद-यू के साथ कभी गठबंधन नहीं करेगी। दोनों में से किसी ने अचानक इस हृदय परिवर्तन का कारण नहीं बताया है। राजद और कांग्रेस से गठबंधन कर, नीतीश कुमार ने जाति के सवाल पर भाजपा को घेरने की कोशिश की थी। बिहार में जातियों का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण वैसा परिवर्तनकारी लम्हा साबित नहीं हुआ जैसी नीतीश कुमार को शायद उम्मीद थी। इस सर्वेक्षण का आदेश उनकी पिछली सरकार ने दिया था।

धूमिल होते विपक्षी एकता के प्रयास

ANALYSIS

सुरेश हिंदुस्तानी

केंद्र में विपक्ष की राजनीति करने वाली कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दल एक साथ चलने का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वर्तमान राजनीतिक शैली को देखते हुए सहज ही यह सवाल देश के वातावरण में अठखेलियां कर रहा है कि क्या आज की स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल एक होकर चुनाव लड़ पाएंगे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि सारे दल इस जोर आजमाइश में लगे हैं कि किसको कितनी सीट दी जाएं। इस बारे में कांग्रेस के समक्ष बड़ी विकट स्थिति निर्मित होती जा रही है, क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने के लिए एक और राजनीतिक यात्रा पर हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय दल कांग्रेस को कोई भाव नहीं दे रहे। इसके पीछे का कारण स्वयं कांग्रेस की राजनीति ही है, क्योंकि उसके नेताओं को न तो अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान है और न ही उसके नेता वैसा आचरण ही कर रहे हैं।

आजकल वर्तमान केंद्र सरकार को सत्ताच्युत करने के सपने देखने की राजनीति गरम है। केंद्र में विपक्ष की राजनीति करने वाली कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दल एक साथ चलने का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वर्तमान राजनीतिक शैली को देखते हुए सहज ही यह सवाल देश के वातावरण में अठखेलियां कर रहा है कि क्या आज की स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल एक होकर चुनाव लड़ पाएंगे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि सारे दल इस जोर आजमाइश में लगे हैं कि किसको कितनी सीट दी जाएं। इस बारे में कांग्रेस के समक्ष बड़ी विकट स्थिति निर्मित होती जा रही है, क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने के लिए एक और राजनीतिक यात्रा पर हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय दल कांग्रेस को कोई भाव नहीं दे रहे। इसके पीछे का कारण स्वयं कांग्रेस की राजनीति ही है, क्योंकि उसके नेताओं को न तो अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान है और न ही उसके नेता वैसा आचरण ही कर रहे हैं। इसी कारण आज क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ज्यादा प्रभावशाली हैं। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों के सहारे की तलाश है और कांग्रेस इस सत्य को अभी समझने में पूरी तरह असमर्थ दिखाई दे रही है। देश में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यह लगने लगा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुनः आसीन होने की ओर अग्रसर है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि केंद्र की सरकार ने जो काम किए हैं उनके प्रति भारत की जनता का जुड़ाव दिखाई देता है। इसी कारण भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए जहां देश में विपक्ष के

राजनीतिक दल एकता के लिए प्रयास करते दिखाई दे रहे थे, अब उन प्रयासों में बहुत बड़ा पेच सामने आ गया है। यह पेच इसलिए भी स्थापित हुआ है क्योंकि कांग्रेस को सारे क्षेत्रीय दल आंखें दिखाने की अवस्था में दिखाई देने लगे हैं। इसके पीछे क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का अस्तित्व बचाने का तर्क दिया जा सकता है, लेकिन सत्य यह भी है कांग्रेस वर्तमान में बहुत कमजोर हो गई है। इसलिए कांग्रेस को मन मुताबिक सीट देने को कोई भी दल तैयार नहीं है। पश्चिम बंगाल में एक तरफ ममता बनर्जी कांग्रेस को उसकी स्थिति के अनुसार सीट देने को तैयार नहीं है। वहीं उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी कांग्रेस को ज्यादा सीट देने के मूड में नहीं है। इंडी गठबंधन के लिए रही सही कसर पर नीतीश कुमार ने बिहार में कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद स्वाभाविक रूप से विपक्षी एकता के गठबंधन को बहुत बड़ा आघात लगा है। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन की एकता के एक बड़े नेता के रूप में स्थापित हुए थे, जिन्हें कांग्रेस द्वारा महत्व नहीं दिया गया। नतीजा सामने हैं। नीतीश कुमार ने अपनी अलग राजनीतिक राह निर्मित कर ली। वर्तमान में राजनीतिक रूप से अस्तित्व बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे विपक्षी दलों के समक्ष एक बार फिर से अपनी एकता को बनाए रखने के लिए चुनौतियों का पहाड़ स्थापित होता दिखाई दे रहा है। जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो आज के हालात को देखते हुए निश्चित ही यह कहा जा सकता है कि जितने मुंह उतनी बातें हो रही हैं। विपक्ष के सारे दल किसी न किसी रूप में अपनी महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित कर रहे है। तू डाल डाल, मैं पात पात वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दल अपनी पहचान बनाए रखने के लिए एक दूसरे को आंखें दिखा रहे हैं। इससे एक बात पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है कि कांग्रेस के नेतृत्व को कोई भी दल सर्वसम्मति से स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन कांग्रेस का रवैया ऐसा दिखाई दे रहा है, जैसे उनका ही दल सब कुछ है। पश्चिम बंगाल और पंजाब के राजनीतिक स्वरों के निहितार्थ तलाशे जाएं तो यह कहने में कोई अतिरेक नहीं होगा कि कांग्रेस इन राज्यों में अपेक्षाकृत प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। ऐसा इसलिए भी संभव है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का आधार और प्रभाव है और वह किसी भी प्रकार से अपने प्रभाव को कमजोर करने का काम नहीं करेंगी, क्योंकि ममता के पास पश्चिम बंगाल के अलावा कहीं भी राजनीतिक जमीन नहीं है। ऐसा ही पंजाब में आम आदमी पार्टी के बारे में कहा जा सकता है। इन दोनों दलों का व्यापक प्रभाव इन्हीं राज्यों में है, जिसे वह खोना नहीं चाहते। आज भले ही कांग्रेस की ओर से विपक्षी एकता के प्रयास किए जा रहे हों, लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है, जब कांग्रेस अन्य राजनीतिक दलों उनकी महत्वाकांक्षाओं के साथ स्वीकार किया जाए, लेकिन कांग्रेस की वर्तमान रवैये को देखते हुए ऐसा संभव नहीं लगता। एक समय गठबंधन के मुख्य सूत्रधार कहे जाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा की तरफ कदम बढ़ाने की कवायद को विपक्षी एकता के लिए जबरदस्त आघात के रूप में ही देखा जा रहा है। ऐसा करने के पीछे अनुमान यही है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी स्वीकारोक्ति में वृद्धि की है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भले ही न्यायालय के आदेश पर हुआ हो, लेकिन इसके लिए भाजपा के योगदान को आज पूरा देश जानता है। आज बिहार की राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यह कहना ठीक ही होगा कि वहां भले ही राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड के बीच बेमेल गठबंधन बनाकर सरकार का संचालन किया जा रहा था, लेकिन इन दोनों दलों के बीच विचारों की एकता नहीं थी। दोनों ही दल अपनी अपनी दाल पकाने में व्यस्त रहे। कहा तो यह भी जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव अपने पुत्र को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान करने की राजनीति करने लगे थे। इसी प्रकार की स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जहां कांग्रेस की राजनीतिक जमीन शून्यता की ओर कदम बढ़ा रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी कांग्रेस को उतना महत्व नहीं देगी, जितना वह चाहती है। इस प्रकार की परिस्थिति के बीच कांग्रेस अपने राजनीतिक भविष्य की तस्वीर में किस प्रकार से रंग भरेगी, यह फिलहाल टेढ़ी खीर ही कही जाएगी। कुल मिलाकर यही कहा जाएगा कि विपक्ष की एकता जो प्रयास किए जा रहे हैं, उसके समक्ष एक- एक करके बड़े अवरोध भी स्थापित हो रहे हैं। इनका सामना करने की हिम्मत एकता से ही संभव हो सकती थी, जो फिलहाल असंभव सा ही लग रहा है। ऐसा लगने लगा है विपक्षी एकता के प्रयास तार-तार हो रहे हैं। इसके पीछे कांग्रेस की एक बड़ी खामी यह भी है कि वह भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में न जाने की आत्मघाती भूल कर चुकी है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

'सूचना' जैसी निर्दयी मां कब तक रहेंगी समाज में...!

कोई मां भला कैसे निर्दयी हो सकती है? क्रूर हो सकती है? कैसे अपने जिगर के टुकड़े को बैग में पैक कर सड़क रास्ते लंबे सफर पर बेखौफ निकल सकती है? इसके जवाब मनोचिकित्सकों के पास अपने-अपने ढंग के और अलग भी हो सकते हैं। लेकिन गोवा में एक आम नहीं बल्कि बेहद खास वो मां जिसने देश-दुनिया को अपनी सफलता से आकर्षित किया और निर्दयता और क्रूरता की सारी हदें पार कर जाए तो हैरानी होती है। गोवा में जघन्य हत्याकांड ने जहां हर किसी को झकझोरा, वहीं कई सवाल भी खड़े कर दिए। बेहद पढ़ी-लिखी मां जिसे दुनिया आदर्श समझती थी, वही अपराधी निकले? सवाल यकीनन कचोटने वाला है। लेकिन जवाब आसान भी नहीं है। पति-पत्नी के रिश्तों में तल्खी आना असामान्य नहीं है। लेकिन ऐसा भी क्या नफरत जो इसकी बलि वेदी पर खुद का मासूम चढ़ा दिया जाए? निश्चित रूप से बेकाबू गुस्सा, सोचने, समझने की शक्ति पर नियंत्रण खोना इंसान को कितना हैवान बना देता है। तमाम घटनाओं से यही समझ आता है। लेकिन सूचना सेठ ने जिस शातिर अंदाज में अपनी इकलौती संतान को मौत की नींद सुलाया वह बेहद अलग और चिंतनीय है। जैसा कि खुलासों से पता चला है कि बच्चे को अत्यधिक कफ सिरप पिलाकर बेसुध कर उसका दम घोंट मौत की नींद सुला दिया गया। लाश बैग में भर आधी रात को बड़े बेखौफ अंदाज में बेधड़क होटल के रिशेप्शन पर कैब ड्राइवर को पकड़ाना और सड़क रास्ते गोवा से बेंगलुरु के लंबे सफर पर निकलना किसी हॉरर स्टोरी से कम नहीं है। रास्ते भर चुप्पी और सामान्य हाव-भाव बनाए रखना। बारह घंटे लाश के साथ सफर करना यकीनन बेदिल कातिल का ऐसा अंदाज था जैसे वह इंसान नहीं एआई (आर्टिफीसियल इंटेलीजेंस) हो। इस मां की सारी करतूत बेहद हैरतअंगेज है। गनीमत रही कि जहां होटल स्टाफ को संदेह हुआ, वहीं कैब ड्राइवर भी परेशान था कि हवाई यात्रा के मुकाबले बेहद लंबे सफर पर निकली महिला इतनी शांत और सहज कैसे है? शक और कमरे में मिले सबूतों की बिना पर होटल वाले पुलिस को इत्तला करते हैं। पुलिस कैब वाले से कोऑर्डिनेट करती है।कैब ठिकाने के बजाय सीधा थाने पहुंच जाती है। वहां बैग में कपड़ों के बीच छुपा चार साल के मासूम का शव मिलता है। इस तरह एक बेमिसाल महिला के हाथों हुए क्रूरतम हत्याकांड से हर कोई सन्न रह जाता है। न जाने कितनी निर्दयी माताओं की कैसी-कैसी क्रूरतम वारदात सुनी और देखी हैं। एआई के जरिए 'माइंडफुल एआई लैब' से कृत्रिम आदर्श और नैतिकता का आधुनिक पाठ पढ़ाने वाली सूचना सेठ ने कैसा घटिया माइंड गेम खेला जिससे हर कोई स्तब्ध है। उसके अनैतिक कारनामे की जितनी भी निंदा की जाए कम है और कठोर से कठोर सजा भी नाकाफी है। कोई अपढ़, ठेठ गंवई, दकियानूसी होता तो थोड़ा समझ भी आता। लेकिन एक पढ़ी-लिखी असाधारण महिला जिसकी बेहद तगड़ी प्रोफाइल हो। एक कंपनी की सीईओ और हार्वर्ड की रिसर्च फेलो हो। जिसका नाम-2021 की एआई एथिक्स में टॉप 100 ब्रिलियंट महिलाओं में शुमार हो। जिसने दो साल बर्कमैन क्लेन सेंटर में एक सहयोगी का काम किया और बोस्टन, मैसाचुसेट्स में एआई तथा रिस्पॉन्सिबल मशीन लर्निंग में भी अपना योगदान दिया। बैंगलुरु की प्रतिष्ठित कंपनी में डेटा साइंटिस्ट का काम कर चुकी हो जिसने दो पेटेंट भी दाखिल किए हों। जिसके पास कलकत्ता यूनिवर्सिटी की भौतिक शास्त्र की स्पेशलाइजेशन की डिग्री हो और जो वहां की 2008 की टॉपर हो, वो ऐसा करे तो हैरानी की हदें भी पार होना स्वाभाविक है। पश्चिम बंगाल की सूचना सेठ के पति वेंकट रमन बड़े इंडोनेशियाई कारोबारी हैं। 2010 में दोनों ने प्रेम विवाह किया लेकिन जल्द ही रिश्ते बिगड़ गए। तल्खी बढ़ते-बढ़ते अदालत की चौखट तक जा पहुंची जो आखिरी मुकाम पर है। अदालत ने हर रविवार को बेटे को पिता से मिलने की इजाजत दी। यही सूचना सेठ को नागवार गुजरी। उसके एआई पैटर्न के ब्रेन ने जबरदस्त चाल चली। कत्ल से पहले बेटे से बेंगलुरु में मिलने का संदेश देकर पति को गुमराह किया और खुद बेटे को लेकर गोवा आ गई। बेटा पिता से न मिल सके, इस प्रतिशोध में सूचना धधक रही थी। एक सक्षम एन्टरप्रेन्योर होकर भी पति से ढाई लाख रुपये हर माह गुजारा भत्ता भी चाहती थी। शायद सूचना बेहद प्रतिभाशाली होकर भी अकेलेपन का शिकार थी और खुद के बुद्धिमान होने का भ्रम पाले घृणित आपराधिक विकृति के गिरफ्त में जकड़ चुकी थी। बेटे की हत्या का उसे कोई पश्चाताप नहीं है। बेटे का कुसूर बस इतना था कि उसकी शक्ल पिता से मिलती थी जो सूचना को सालता था। कैसी विकृत सोच थी? नासमझ मां में भी ममता होती है। जानवर तक संतान को बचाने को खूंखार हो जाते हैं। उसमें ईर्ष्या, द्वेष की कैसी-कैसी विकृत मानसिकता पनपी जिसका उदाहरण सामने है। आखिर समाज किस दिशा में जा रहा है? अकेलापन, आपसी मेलजोल की कमी, बिखरता समाज और हाथ में सिमटे मोबाइल से एकाकी बनता जीवन, सामाजिक ताना-बाना बिखेर लोगों को लोगों से अलग कर रहा है। एक वो जमाना था जब संयुक्त परिवार शान थे। गांवों में सांझा चूल्हा जलता जिसमें सबका खाना साथ पकता। रोज का हंसना, मिलना, उठना, बैठना और सबके सुख-दुख में बराबरी से शरीक होना, किसी मुसीबत या अनबन पर मिल जुलकर हल निकालने से कभी अकेलापन, डिप्रेशन या असुरक्षा की भावना महसूस नहीं होती थी।आज तरक्की के बीच वो समाज है जिसमें टूटते संयुक्त परिवार की जगह अकेले परिवार हैं जो दिखावे का झूठा मुलम्मा ओढ़ रिश्तों की अहमियत को दरकिनार कर दिनों दिन बेहद खोखले होकर टूटते जा रहा हैं। यही वजह है जो बड़े और हाई प्रोफाइल भी घटिया से घटिया कांड कर बैठते हैं।

Social Media Corner

सच के हक

मेरी सरकार #सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास# के मंत्र द्वारा निर्देशित, समाज के हर वर्ग को उचित अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)

जम्मू-कश्मीर की संस्कृति देश की सबसे प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृतियों में से एक है। मोदी सरकार में जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक धरोहरों का पुनरुद्धार हो रहा है और जम्मू-कश्मीर का सांस्कृतिक गौरव एक बार फिर से बढ़ रहा है

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

कहीं ऐसा तो नहीं है कि बेचारे हेमंत जी के कानून के सलाहकारों ने उनसे ढ़ेर सारे सादे कागज पर दस्तखत करवा कर रख लिया है और उस पर जो मन सो लिखकर हेमंत को और गड्ढे में ढ़केलने का का काम कर रहे हैं। आखिर ये कैसे हो सकता है कि हेमंत जी को पता नहीं हो कि साहेबगंज नाम की कोई भी विधानसभा झारखंड में नहीं है। साहेबगंज विधानसभा तो बिहार में है और हेमंत जी विधायक झारखंड के बरहेट से हैं... वो कहां से विधायक हैं ये कैसे भूल सकते हैं? लगता है ईडी के डर के मारे इतना भयभीत हो गए हैं कि कुछ पढ़ नहीं पा रहे हैं या फिर याद ही नहीं आ रहा कि वे कहां से विधायक हैं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

आगामी बजट और भारतीय कृषि

पिछले कुछ दशकों में भारत की आर्थिक संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की हिस्सेदारी 1947 में 60 फीसदी थी, जो घटकर पिछले वित्त वर्ष में 15 प्रतिशत हो गयी। यह बदलाव देश के आर्थिक परिदृश्य की उभरती अस्थिरता को दशार्ता है। कृषि क्षेत्र की प्रगति भारत की नब्ज तय करती है। कृषि का योगदान देश के आर्थिक व सामाजिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक तरफ न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी और फसल बीमा योजनाओं जैसी पहलों ने आशा जगायी है, फिर भी कृषि को प्रभावित करने वाली चुनौतियां- बढ़ती लागत, अस्थिर बाजार कीमतें, कर्ज के नीचे दबता किसान, जलवायु परिवर्तन और सीमित बुनियादी ढांचा- नवीन समाधानों की मांग करती हैं। आगामी बजट नयी जमीन तैयार करने और अधिक मजबूत और समावेशी कृषि परिदृश्य विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर हो सकता है। हमारे कृषि कायाकल्प के केंद्र में पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता होनी चाहिए। बजट में ड्रिप सिंचाई, मृदा संरक्षण तकनीक और सूखा प्रतिरोधी फसल किस्मों को अपनाने जैसे उपायों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जैविक खेती के उपकरण और इनपुट के लिए कर छूट और सब्सिडी किसानों को रासायनिक-गहन दृष्टिकोण से दूर जाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। सिंचाई और कृषि प्रसंस्करण के लिए स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों में निवेश इस क्षेत्र में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम कर सकता है। किसानों को बीज, उर्वरक, बिजली और पानी आदि पर भारी सब्सिडी देने के बावजूद अधिकतर किसान संकट में हैं। भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय 12,500 है, जबकि किसानों की औसत आय उससे भी कम बनी हुई है। अधिकतर राज्यों में यह 10,000 प्रतिमाह से भी कम है। ओडिशा और झारखंड में किसानों की औसत आय केवल 5,000 के आसपास है। एक आंकड़े के अनुसार, कृषि परिवार की खेती से होने वाली आय का हिस्सा 48 प्रतिशत से घटकर 37 प्रतिशत हो गया है। ऐसे परिवारों के लिए आय के प्रमुख स्रोत के रूप में मजदूरी (40 प्रतिशत) ने फसल उत्पादन का स्थान ले लिया है। बजट में उन नीतियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो उनकी आय बढ़ायें और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करें। पीएम-किसान जैसी प्रत्यक्ष आय सहायता योजनाओं के लिए आवंटन बढ़ाना जरूरी वित्तीय स्थिरता प्रदान कर सकता है। किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और किसान सहकारी समितियों को भी मजबूत किया जाना चाहिए। पूरे देश में प्रत्येक फसल की घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान किया जाए। भारतीय किसानों का औसत घरेलू ऋण सात लाख रुपये अधिक है। कर्ज और आर्थिक संकट के बोझ तले दबा किसान आत्महत्या करने को मजबूर है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में 6,083 कृषि मजदूरों और 5,207 किसानों ने आत्महत्या की थी। आगामी बजट में ऋण राहत योजनाओं, ब्याज मुक्त ऋणों या फसल बीमा कार्यक्रमों के लिए ज्यादा धनराशि का प्रावधान करना जरूरी है। भारत के आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार, भारत के केवल 47 प्रतिशत शुद्ध बोये गये क्षेत्र में सुनिश्चित सिंचाई तक पहुंच है और अपर्याप्त भंडारण के कारण फसल के बाद के नुकसान का अनुमान 10-25 प्रतिशत है। बजट में सड़क नेटवर्क और कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं के निर्माण और उन्नयन के लिए पर्याप्त आवंटन होना चाहिए। ग्रामीण विद्युतीकरण में निवेश और सूचना प्रौद्योगिकी तक बेहतर पहुंच डिजिटल विभाजन को पाट सकती है और किसानों को मौसम के पैटर्न, बाजार के रुझान और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में ज्ञान से लैस कर सकती है।

बेमिसाल टेस्ट मैच

हैदराबाद और ब्रिस्बेन के बीच हवाई दूरी 9,443 किलोमीटर की है, लेकिन फिर भी रविवार को ये दोनों शहर क्रिकेट के जादू के जरिए आपस में जुड़ गए। कट्टर प्रतिद्वंदी को पछाड़ने की पुरानी खेल शैली एक बार फिर से उस वक्त अपने शबाब पर पहुंची, जब हैदराबाद में इंग्लैंड और ब्रिस्बेन में वेस्टइंडीज ने अपने मजबूत मेजबानों क्रमशः भारत और ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ दिया। अक्सर एकदिवसीय और टी20 मैचों के अपने छोटे और तेज संस्करणों की चमक-दमक और धुआंधार प्रचार में खो जाने वाले टेस्ट क्रिकेट ने अपना जादुई आकर्षण वापस पाया और एक फिर से अपनी स्थायित्व और पहले से तैयार पटकथाओं व धारणाओं को उलट देने की क्षमता को दोहराया। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में, इंग्लैंड ने भारत को पहली पारी में 190 रनों की बढ़त दे दी तथा स्पिन के लिए मददगार सतह पर यह माना गया कि बेन स्टोक्स और उनके साथी खिलाड़ी पूरी तरह से बेजार हैं। हालांकि, दूसरी पारी के दौरान हुई जोरआजमाइश में, ओली पोप के शानदार 196 रन और बाएं हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले के 62 रन देकर सात विकेट ने 231 रन के लक्ष्य का पीछा करने वाली भारतीय टीम को 28 रनों से पटखनी दे दी। भारतीय स्पिनरों के खिलाफ लगाए गए पोप के पारंपरिक और रिवर्स, दोनों किस्म के स्वीप बेहद जानदार थे और नवोदित हार्टले, जिनकी टेस्ट क्रिकेट में पहली गेंद पर यशस्वी जयसवाल ने छक्का लगाया था, ने दूसरे पारी में जोरदार वापसी करते हुए रोहित शर्मा की टीम को चकमा दे दिया। इंग्लैंड अब पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। निजी वजहों से विराट कोहली की गैरमौजूदगी ने मध्य क्रम में एक खालीपन पैदा कर दिया। हालांकि, के.एल. राहुल समेत अन्य बल्लेबाजों ने उस अंतर को पाटने की पुरजोर कोशिश की।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

मारुति सुजुकी को पीछे छोड़ टाटा मोटर्स फिर बनी भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी

नई दिल्ली ।

सात साल बाद मारुति सुजुकी को पीछे छोड़ टाटा मोटर्स एक बार फिर भारत की सबसे मूल्यवान कार कंपनी बन गई है। मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में टाटा मोटर्स का स्टॉक नई ऊंचाई पर पहुंच गया। दोपहर 01:01 बजे बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, टो टा मोटर्स और टो टा मोटर्स डीवीआर का कुल मार्केट कैप 3.16 ट्रिलियन रुपये था, जबकि मारु ति सुजुकी का मार्केट कैप थोड़ा कम 3.15 ट्रिलियन रुपये था। कैपिटलाइन डेटा के मुताबिक, 25 जनवरी 2017 को टो टा मोटर्स का मूल्य 1.76 ट्रिलियन रुपये था, जबकि मारु ति सुजुकी का मूल्य 1.75 ट्रिलियन रुपये था। आज टो टा मोटर्स के शेयर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए, टाटा मोटर्स 3 प्रतिशत बढ़कर 864.70 रुपये पर और टाटा मोटर्स डीवीआर 2 प्रे तिशत बढ़कर 574.95 रुपये पर पहुंच गया। इसके विपरीत मारुति सुजुकी का शेयर 10,005 रुपये पर स्थिर रहा। इस बीच, एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत गिरकर 71,653 पर था। पिछले एक साल में, टाटा मोटर्स के शेयर की कीमत में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मारुति सुजुकी में 13.5 प्रे तिशत की वृद्धि देखी गई।

इसी अवधि के दौरान एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 21 प्रे तिशत बढ़ गया। टाटा मोटर्स ने अपनी यूके स्थित सहायक कंपनी जगुआर लैंड रोवर जेएलआर में ज्यादा बिक्री के कारण बाजार में बेहतर प्रदर्शन किया है। जानकारों का कहना है कि दुनिया भर में ज्यादा लोगों के कार

खरीदने, बेहतर प्रोडक्ट मिक्स और कम लागत से टाटा मोटर्स को मदद मिलेगी। दिसंबर में 148,000 ऑर्डर के साथ जेएलआर की ऑर्डर बुक अभी भी मजबूत है। हालांकि, ये सितंबर में 168,000 ऑर्डर से कम है। इसका मतलब है कि वे तेजी से कारों की डिलीवरी कर रहे हैं, विशेष रूप से रेंज रोवर, रेंज रोवर स्पोर्ट और डिफेंडर जैसे लोकप्रिय मॉडल खूब बिक रहे हैं, जो ऑर्डर का 76 प्रतिशत हिस्सा हैं।

नौ महीनों में भारत ने भारी मात्रा में आयात किया स्टील

नई दिल्ली ।

मार्च में खत्म होने वाले वित्तीय वर्ष के पहले नौ महीनों में भारत ने भारी मात्रा में स्टील का आयात किया, जो पांच साल के शीर्ष स्तर है।

रिपोर्ट किए गए सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इससे भारत तैयार स्टील का शुद्ध आयातक बन गया। भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और बेहतर बुनियादी ढांचे ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्टील उत्पादकों दोनों के लिए एक आकर्षक बाजार बना दिया है। इसके विपरीत, यूरोप और अमेरिका में स्टील की मांग घट रही है। अप्रैल और दिसंबर के बीच, भारत ने 5.6 मिलियन मीट्रिक टन तैयार स्टील का आयात किया, जो पिछले वर्ष से 26.4 प्रतिशत अधिक है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कच्चे स्टील उत्पादक भारत में स्टील की खपत इस दौरान छह साल के शीर्ष स्तर 100 मिलियन मीट्रिक टन पर पहुंच गई, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक में मजबूत मांग को दर्शाता है।

भारत में स्टील की मांग ऊंची रहने की उम्मीद है, क्योंकि मोदी सरकार का अनुमान है कि आने वाले वित्तीय वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि वैश्विक वृद्धि से अधिक हो जाएगी। जबकि भारतीय स्टील मिलों ने बढ़ते आयात के खिलाफ सरकारी समर्थन और सुरक्षात्मक उपायों का अनुरोध किया है, स्टील मंत्रालय ने मजबूत स्थानीय मांग का हवाला देकर प्रतिबंध लगाने से इंकार किया है। भारत की दूसरी सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कंपनी के प्रमुख ने बढ़ते आयात पर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने बारीकी से नजर रखने की जरूरत पर जोर दिया क्योंकि भारत में स्टील की डंपिंग से स्टील उद्योग के मुनाफा और निवेश योजनाओं को नुकसान पहुंच सकता है।

अप्रैल और दिसंबर के बीच, दक्षिण कोरिया भारत को तैयार स्टील का प्रमुख निर्यातक था, जिसने 1.77 मिलियन मीट्रिक टन एलॉय भेजी। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। दुनिया के अग्रणी स्टील उत्पादक चीन को पीछे छोड़ते हुए, दक्षिण कोरिया ने भारत को 1.77 मिलियन मीट्रिक टन तैयार स्टील बेचा, जो चार साल का उच्चतम स्तर है। इस बीच, अप्रैल और दिसंबर के बीच भारत का तैयार स्टील निर्यात कुल 4.7 मिलियन मीट्रिक टन रहा, जो कम से कम छह वर्षों में सबसे कम है, जो कमजोर विदेशी मांग का संकेत देता है।

सुजलॉन एनर्जी को मिला 642 मेगावाट की पवन परियोजना का ठेका

-ऑर्डर मिलते ही शेयरों ने पकड़ी रफ़्तार, 3.7 फीदसी की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

रिन्यूएबल एनर्जी सोल्यूएशन प्रोवाइडर सुजलॉन ग्रुप को 642 मेगावाट की पवन परियोजना का ठेका मिलते ही शेयरों में उछाल आ गया है। जानकारी के अनुसार कंपनी के शेयर मंगलवार को इंट्राडे कारोबार में 3.7 प्रतिशत चढ़ गए। जबकि ये शेयर सोमवार को 43.27 रुपये पर बंद हुए थे। बता दें कि कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे बड़ा कारण है। दरअसल सुजलॉन ग्रुप को एवरेन कंपनी, एबीसी क्लीनटेक प्राइवेट लिमिटेड (एसीपीएल) से 642 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ऑर्डर मिला है। एवरेन भारत में ब्रुकफील्ड और एक्सिस एनर्जी के बीच एक संयुक्त उद्यम है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, ठेके के तहत सुजलॉन आंध्र प्रदेश में हाइब्रिड लैटिस ट्यूबलर (एचएलटी) टावर और 214 पवन टरबाइन जनरेटर (डब्ल्यूटीजी) स्थापित करेगा। सुजलॉन समूह के वाइस चेयरमैन गिरीश तांती ने एक बयान में कहा कि सुजलॉन भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के तहत हरित ऊर्जा खंड को बढ़ाने के लिए एवरेन के साथ साझेदारी को प्रतिबद्ध हैं। वहीं सुजलॉन समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जे.पी. चालासानी ने कहा कि हमें एवरेन के साथ अपने पहले ठेके की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यहां गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में सुजलॉन ग्रुप के शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर में पिछले सात दिनों के दौरान 7 फीसदी का इजाफा हुआ है जबकि पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर 15 फीसदी और तीन महीने में 40 फीसदी बढ़े है। जबकि पिछले एक साल में सुजलॉन समूह के शेयर ने 400 फीसदी का रिटर्न दिया है।

मोबाइल फोन की कीमतों में होगी कमी, मोदी सरकार ने लिया फैसला

मुंबई ।

बजट से पहले केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। मोबाइल फोन को बनाने में जिन चीजों का इस्तेमाल होता है, उनके आयात पर इंपोर्ट ड्यूटी कम कर दी गई है। अब इनके आयात पर 10 फीसदी की ड्यूटी लगेगी। पहले मोबाइल पार्ट पर 15 फीसदी की ड्यूटी चुकानी होती थी। इन कंपोनेंट्स में बैट्री एनक्लोजर्स, प्राइमरी लेंसेज, रियर कवर्स के साथ प्लास्टिक और मेटल से बने कई मैकेनिकल कंपोनेंट्स शामिल हैं। अगले वित्त वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश करेंगी। मोदी सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती का जो फैसला किया है, उससे मोबाइल फोन सेक्टर को तगड़ा मुनाफा होगा। इससे न सिर्फ सेक्टर को आगे बढ़ने में मदद मिलेगा बल्कि वैश्विक मार्केट में कॉम्पटीशन भी बढ़ेगा। मोदी सरकार के इस फैसले से एपल जैसी कंपनियों को फायदा मिल सकता है और निर्यात भी बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक मोबाइल इंडस्ट्री करीब

12 कंपोनेंट्स पर ड्यूटी घटाने की वकालत कर रही हैं ताकि भारत में स्मार्टफोन बनाने की लागत कम की जा सके। इसके अलावा यह मांग चीन और वियतनाम जैसे पड़ोसी प्रतिद्वंद्वी देशों के खिलाफ अधिक प्रतिस्पर्धी माहौल बनाने के लिए है। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोबाइल फोन का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए मोबाइल कैमरा फोन के कुछ कंपोनेंट्स पर 2.5 फीसदी कस्टम ड्यूटी को हटा दिया था।

राष्ट्रपति ने बताया, पिछले 10 साल में 21 करोड़ से अधिक वाहन बिके

वहीं 10 साल में 15 लाख ईवी की ब्रिकी हुई

नई दिल्ली । बुधवार को संसद के बजट सत्र की औपचारिक रूप से शुरुआत हुई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद में बजट पर अभिभाषण पेश किया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा है कि पिछला साल भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बेहतरीन रहा है और भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर सामने आया है। उन्होंने ऑटोमोबाइल की बिक्री के कुछ आंकड़े भी सामने रखे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश के लोगों ने 21 करोड़ से अधिक वाहन खरीदे हैं। साल 2014-15 में जहां केवल 2,000 इलेक्ट्रिक वाहन ही बिके थे, वहीं 2023-24 में दिसंबर माह तक 15 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन बिक चुके हैं। पिछले 10 वर्षों में भारत ने कैसे प्रगति की है, इस पर विचार कर उन्होंने कहा, 2014 से पहले 10 वर्षों में लगभग 13 करोड़ वाहन बिके थे। पिछले 10 वर्षों में, देशवासियों ने 21 करोड़ से अधिक वाहन खरीदे हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री भी कई गुना बढ़ गई है। भारत की पहली 'वाहन स्क्रैपेज नीति' भी इसी लक्ष्य को हासिल करना चाहती है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन एशियाई और अन्य बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीददारी से बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 612.21 अंक करीब 0.86 फीसदी बढ़कर 71,752.11 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी भी 203.60 अंक तकरीबन 0.95 फीसदी ऊपर आकर 21,725.70 अंक पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान सन फार्मा, टाटा मोटर्स, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर बढ़े। वहीं दूसरी ओर लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का शेयर चार फीसदी से ज्यादा की गिरावट पर बंद हुआ। दिसंबर तिमाही के परिणाम उम्मीदों के अनुसार नहीं रहने से भी कंपनी के शेयर गिरे हैं। इसके अलावा, टाइटन भी टूटे। शंघाई कंपोजिट, हैंग सेंग, कोस्पी और ताइवान 0.3 से 0.5 फीसदी के बीच कारोबार करते दिखे। वहीं अमेरिकी बाजार की बात करें तो डॉव जोन्स 0.4 फीसदी बढ़कर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक 0.8 फीसदी गिरा। एसएंडपी 500 0.1 फीसदी नीचे फिसला। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट एशियाई और अन्य बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली

हावी रहने से आई है। बजट को लेकर निवेशकों ने भी सतर्क रुख अपनाया और इसके अलावा वे अमेरिकी फेडरल रिजर्व नीति के परिणामों को लेकर भी आशंकित दिखे। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 70,846 के निचले स्तर तक गिरने के बाद 71,229 के उच्चतम स्तर तक पहुंचा। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0 21,550 के स्तर के आसपास कारोबार करता दिखा।

चना का रकबा घटने से कीमतों में हुई बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली । चना के भाव फिर से बढ़ने लगे हैं। इसकारण चना का रकबा घटने से उत्पादन में कमी आने की संभावना है। साथ ही शादियों के सीजन के लिए स्टॉकिस्टों और दाल मिलों द्वारा इसकी खरीद बढ़ाने पर जोर देना है। आने वाले दिनों में भी चना की कीमतों में और तेजी आ सकती है। इन दिनों चने की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। बीते 10 दिन के दौरान प्रमुख मंडियों में चना के थोक भाव 200 से 300 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ चुके हैं। दिल्ली में चना की थोक कीमत 5,800-5,850 रुपये से बढ़कर 6,100-6,125 रुपये, मध्य प्रदेश की गंजबासौदा मंडी में 5,200-5,400 रुपये से बढ़कर 5,400-5,700 रुपये और महाराष्ट्र की लातूर मंडी में 5,800-5,850 रुपये से बढ़कर 6,100-6,150 रुपये प्रति क्विंटल हुई है। कमोडिटी जानकारों के मुताबिक चने के दाम बढ़कर 6,350 से 6,400 रुपये प्रति क्विंटल तक जा सकते हैं। ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में 102.90 लाख हेक्टेयर में चने की बुआई हो चुकी है, जो पिछले साल की समान अवधि के रकबा 109.73 लाख हेक्टेयर से करीब 6 फीसदी कम है। इसकारण इस साल चने की पैदावार में 15 फीसदी गिरावट आ सकती है। उत्पादन घटने की आशंका में चने की कीमतों में तेजी आ रही है। नेफेड के पास वर्तमान में चना का करीब 10 लाख टन और निजी कारोबारियों के पास करीब 5 लाख टन का स्टॉक बचा है, जो मांग के हिसाब से सीमित स्टॉक कहा जा सकता है। बाजार जानकारों के मुताबिक आगे शादियों के सीजन में दाल मिलों की ओर से चने का मांग और बढ़ सकती है।

एसी और कमर्शियल रेफ्रिजरेटर बनाने वाली कंपनी का शुद्ध लाभ 72 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई ।

एयर कंडीशनर (एसी) और कमर्शियल रेफ्रिजरेटर बनाने वाली कंपनी ब्लू स्टार लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में 72 प्रतिशत उछाल के साथ 100.46 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 58.41 करोड़ रुपये रहा था। ब्लू स्टार लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इसी तिमाही में उसकी परिचालन आय 25 प्रतिशत बढ़कर 2,241.19 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,794.17 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि ब्लू स्टार ने त्यौहारी सीजन के दौरान अपने कमरे वाले एसी और कमर्शियल रेफ्रिजरेटर उत्पादों की मजबूत मांग देखी। ब्लू स्टार का कुल खर्च इसी तिमाही में 23.3 प्रतिशत बढ़कर 2,119.57 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान कंपनी की कुल आमदनी 25.26 प्रतिशत बढ़कर 2,253.86 करोड़ रुपये रही है। ब्लू स्टार की इलेक्ट्रो-मेकैनिकल परियोजनाओं और कमर्शियल एसी सेगमेंट से आमदनी दिसंबर, 2023 तिमाही में 17.87 प्रतिशत बढ़कर 1,182.30 करोड़ रुपये रही है। पेशेवर इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक तंत्र

अयोध्या के लिए 1 फरवरी से स्पाइस जेट शुरू करेगी 8 नई उड़ानें

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन के बाद यहां श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है। जरूरत को देखते हुए अब यहां स्पाइस जेट ने 1 फरवरी से 8 नई उड़ानें शुरू करने का निर्णय लिया है। राम मंदिर के दर्शन की इच्छा रखने वाले राम भक्तों के लिए यह बड़ी खुशखबरी है। मिली जानकारी के अनुसार अयोध्या में बढ़ते श्रद्धालुओं को सहूलियत देने के लिए एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट अपनी 8 फ्लाइट्स शुरू करने जा रही है। अभी तक सिर्फ इंडिगो और एअर इंडिया ही अयोध्या के लिए अपनी लिमिटेड उड़ान सर्विस दे रही हैं। स्पाइसजेट देश के अलग-अलग शहरों से अयोध्या के लिए 1 फरवरी, 2024 से 8 फ्लाइट्स शुरू करेगी। एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया इसकी शुरुआत करने वाले हैं। ये फ्लाइट्स दिल्ली, चेन्नई, अहमदाबाद,

जयपुर, पटना, दरभंगा, मुंबई और बेंगलुरु से सीधी चलेंगी। गौरतलब है कि अयोध्या में इसी महीने महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया गया था। इस बीच, घरेलू एयरलाइन 'जूम' ने भी बुधवार 31 जनवरी को दिल्ली से अयोध्या के लिए फ्लाइट्स के साथ अपनी सर्विस बहाल कर दी है। एयरलाइन ने मंगलवार को बयान में कहा कि पहली फ्लाइट्स के तहत दिल्ली-अयोध्या रूट पर बॉम्बार्डियर सीआरजे 200 ईआर विमान को तैनात करेगी। हाल ही में अकासा एयर ने भी अयोध्या के लिए फ्लाइट्स शुरू करने की घोषणा की है। अकासा एयरलाइंस पुणे से अयोध्या वाया दिल्ली के बीच फ्लाइट शुरू कर रही है, जो कि 15 फरवरी 2024 से चलेंगी।

डेलावेयर कोर्ट से मस्क को झटका, 465 करोड़ का पैकेज रदद

सैन फ्रांसिस्को । टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का 465 करोड़ रुपए का पैकेज कोर्ट ने रद्द किया है। डेलावेयर कोर्ट की जज ने मस्क के पैकेज कॉन्ट्रैक्ट को रद्द कर कहा कि कंपनी इस बात पर काम करे कि मस्क अभी तक मिले अतिरिक्त वेतन को कैसे लौटाएंगे। जज ने कहा कि मस्क को पब्लिक मार्केट के इतिहास में सबसे बड़ा पैकेज मिल रहा है। यह एक अथाह राशि है और इस देने से पहले कंपनी के बोर्ड ने विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मस्क के पैकेज प्लान को मंजूरी देने की प्रक्रिया में बड़ी खामियां थीं। इसके बाद टेस्ला के शेयर में लगभग 3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। दरअसल 5 साल पहले कुछ शेयर होल्डर्स ने मस्क और टेस्ला के बोर्ड पर कॉर्पोरेट संपत्तियों को बर्बाद करने और एलन मस्क को गैरकानूनी रूप से अमीर बनाने का आरोप लगाया था। मस्क के पास टेस्ला की लगभग 13 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। कोर्ट में शेयरहोल्डर के वकील ने कहा कि कंपनी ने एलन का पैकेज डिसाइड करने से पहले एक दिखावटी नेगोशिएशन किया। इसके लिए किसी भी शेयर होल्डर से कंपनी बोर्ड ने सलाह नहीं ली। वकील ने कहा कि टेस्ला ने शेयर होल्डर्स को गुमराह किया है।

जैक डोर्सी की कंपनी ब्लॉक ने लगभग 1,000 कर्मचारियों को किया बाहर

सैन फ्रांसिस्को ।

जैक डोर्सी की फाइनेंशियल कंपनी ब्लॉक ने करीब 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी की इस कार्रवाई से अनेक विभागों में असर हुआ है, जिससे कंपनी के कैश ऐप, आफ्टरपे और स्क्वायर सब्सिडियरी कंपनियों के कर्मचारी भी प्रभावित हुए। एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 1,000 कर्मचारी, यानी कंपनी के कार्यबल के 10 प्रतिशत लोग इस निर्णय से प्रभावित हुए। इस संबंध में डोर्सी ने इंटरनल मेमो में लिखा कि हम जानते हैं कि हमें कार्रवाई करने की जरूरत है, हम इसे तुरंत कर लेना चाहते हैं न कि चीजों को हमेशा के लिए यूं ही पड़े रहने देना चाहते हैं। बता दें कि पिछले साल ब्लॉक ने कहा था कि वह 2023 की तीसरी तिमाही में अपने कर्मचारियों की संख्या 13,000 से घटाकर इस साल के अंत तक 12,000 तक कर देगा। पीयर-टू-पीयर पेमेंट सर्विस कैश ऐप के राजस्व में काफी गिरावट आई है। इस बीच, इसकी बाय नाउ, पे लेटर (बीएनपीएल) सर्विस आफ्टरपे, जिसे ब्लॉक ने 2021 में 29 बिलियन डॉलर में हासिल किया था, ने गंभीर नुकसान उठाया है। दरअसल स्क्वायर को कई मोर्चों पर प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, जिसमें फिसर्व के क्लोवर, टोस्ट और स्ट्राइप शामिल हैं। ब्लॉक ने 2023 की तीसरी तिमाही में 5.62 बिलियन डॉलर का राजस्व दर्ज किया, जिसमें बिटकॉइन होल्डिंग्स पर 44

मिलियन डॉलर का लाभ हुआ। पिछले साल सितंबर में, डोर्सी को ब्लॉक का प्रमुख और अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, जिसकी उन्होंने 2009 में सह-स्थापना की थी। डोर्सी का पद तत्काल प्रभाव से मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अध्यक्ष और चेयरपर्सन से बदलकर ब्लॉक प्रमुख और चेयरपर्सन कर दिया।

विकास दर के मामले में चीन और अमेरिका से कई गुना आगे रहेगा भारत

नई दिल्ली । बजट सत्र से पहले आईएमएफ ने विकास दर की रिपोर्ट जारी की। भारत में विकास दर 6 फीसदी रहने का अनुमान है। चीन और अमेरिका में विकास दर 3 फीसदी से भी कम रहेगी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को बदल दिया है, उम्मीद है कि वित्तीय वर्ष 2024 में अर्थव्यवस्था 6.7 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, जो पिछले अनुमान 6.3 प्रतिशत से अधिक है। जनवरी के लिए आईएमएफ के नवीनतम विश्व आर्थिक आउटलुक अपडेट ने सकारात्मक संशोधन में योगदान देने वाले प्रमुख कारक के रूप में भारत की बढ़ती घरेलू मांग पर प्रकाश डाला। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में विकास दर 2024 और 2025 दोनों में 6.5 प्रतिशत पर मजबूत रहने का अनुमान है, अक्टूबर से दोनों वर्षों के लिए 0.2 प्रतिशत अंक की वृद्धि के साथ, घरेलू मांग में लचीलेपन को दर्शाता है। दूसरी ओर, भारतीय रिजर्व बैंक ने पहले वित्त वर्ष 24 में भारत के लिए 7.4 प्रतिशत की थोड़ी अधिक जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया था। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को भी आईएमएफ से सकारात्मक दृष्टिकोण मिला। आईएमएफ तंग मौद्रिक स्थितियों के बावजूद, सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में बढ़े हुए खर्च को वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार का श्रेय देता है। इसके अतिरिक्त, उच्च श्रम बल भागीदारी, बहाल आपूर्ति श्रृंखला और कम ऊर्जा और कमोडिटी की कीमतें जैसे कारक सकारात्मक पूर्वानुमान में योगदान करते हैं।

ऑनलाइन पेमेंट गेटवे पेपाल ने शुरु की कर्मचारियों की छंटनी

मुंबई । ऑनलाइन पेमेंट गेटवे पेपाल ने छंटनी शुरू कर दी है, जिससे करीब 9 प्रतिशत कार्यबल यानी लगभग 2,500 कर्मचारी प्रभावित होने वाले है। पोस्ट के अनुसार, कृपया अपने साथी पेपल कर्मचारियों का सपोर्ट करें। पेपल कर्मचारियों को गूगल की शुभकामनाएं। पेपाल के सीईओ एलेक्स क्रिस ने एक आंतरिक ज्ञापन में कहा कि प्रभावित कर्मचारियों को सप्ताह के अंत तक सूचित किया जाएगा। पेपाल को एप्पल, जेले और ब्लॉक जैसे प्रतिद्वंद्वियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल लगभग इसी समय, पेपाल ने लगभग 2,000 कर्मचारियों यानी अपने कार्यबल के 7 प्रतिशत की कटौती करने की घोषणा की थी। ऑनलाइन पेमेंट्स कंपनी ने कहा कि उन्हें यह निर्णय लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। पेपाल ने एक बयान में कहा, जैसे-जैसे हमारी दुनिया, हमारे कस्टमर्स और हमारा प्रतिस्पर्धी परिदृश्य विकसित हो रहा है, हमें बदलाव जारी रखना चाहिए।

पर्यटन का खास मुकाम डल झील

डल झील श्रीनगर, कश्मीर में तो प्रसिद्ध है ही लेकिन दुनिया भर के सैलानियों के लिए भी यह पर्यटन का एक खास मुकाम है। कहा जाता है कि इसमें स्त्रोतों से जल आता है एवं यह झाल खुद ही कश्मीर घाटी में काफी झीलों से जुड़ी हुई है।

यह दुनिया भर में शिकारों या हाऊस बोट के लिए जानी जाती है और सैलानी खासतौर पर इनका आनंद लेने के लिए यहां आते हैं। यह 18 किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। तीन दिशाओं से पहाड़ियों से घिरी डल झील जम्मू कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील मानी जाती है और भारत की सबसे सुंदर झीलों में इसे शामिल किया जाता है। पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएं और डल झील देखने न जाएं ऐसा हो ही नहीं सकता।

डल झील के पास ही मुगलों के सुंदर एवं प्रसिद्ध पुष्प वाटिका से झील की आकृति और उभरकर सामने आती है। मुख्य रूप से इस झील में मछली का काम होता है। डल झील के मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं यहां के हाउसबोट। सैलानी इन हाउसबोटों में रहकर इस खूबसूरत झील का आनंद उठा सकते हैं।

झील, कश्मीर की घाटियों की अन्य धाराओं के साथ मिल जाती है। झील के चार जलाशय हैं गगरीबल, लोकुट डल, बोड डल तथा नागिन। लोकट डल के मध्य में रूप लंक द्वीप स्थित है, तथा बोड डल जलधारा के मध्य में सोना लंक स्थित है। वनस्पति डल झील की खूबसूरती को और निखार देती है। कमल के फूल, पानी में बहती कुमुदनी, झील की सुंदरता को दुगुना कर देती है।

सैलानियों के लिए झील के सौंदर्य के अलावा भी विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन यहां पर उपलब्ध हैं। जैसे कि कायाकिंग, केनोइंग डोंगी पानी पर सर्फिंग करना व ऐंगलिंग मछली पकड़ना आदि से सफर और ज्यादा रोमांचक हो जाता है। कश्मीर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय झील के तट पर स्थित है। हाउसबोट में रहकर सैलानी इस झील के खूबसूरत वातावरण से भावविभोर हो जाते हैं।

शिकारे के माध्यम से सैलानी नेहरूपार्क, कानुटूर खाना, चारचिनारी, कुछ द्वीप जो यहां पर स्थित हैं, उन्हें देख सकते हैं। श्रद्धालुओं के लिए हजरतबल तीर्थस्थल के दर्शन करे बिना उनकी यात्रा अधूरी रह जाती है। शिकारे के माध्यम से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल के दर्शन कर सकते हैं। एक शिकारे पर सवार होकर विभिन्न प्रकार की कश्मीरी चीजें भी खरीद सकते हैं और दुकानें भी शिकारे पर ही लगी होती हैं। यह मात्र खरीददार तक ही सीमित नहीं है, परन्तु एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी होगा।

कैसे जाएं: यदि पर्यटक डल झील पहुंचना चाहते हैं, तो श्रीनगर जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर बडगाम जिले में स्थित एयरपोर्ट पर पहुंच सकते हैं। नजदीक रेल सेवा जम्मू में स्थित है, तथा वहां का नेशनल हाईवे एनएचए कश्मीर घाटी को देश के अन्य भागों से जाड़ता है। इन पहाड़ी इलाकों पर यात्रा करने के लिए दस से बारह घंटे लगते हैं। इस सफर के दौरान पर्यटक यहां के प्रसिद्ध जवाहर टनल को निहार सकते हैं।

धर्मशाला में उठायें बर्फली पहाड़ियों का रोमांच

पहाड़ियों में चीड़ व देवधर के घने जंगलों और बर्फ को करीब से देखने का अनुभव धर्मशाला में मिलता है। यहां सीधे-सादे और बौध धर्म के बिरले चिन्ह भी यहां आसानी से देखने को मिलते हैं। धर्मशाला में झरने व सुहाने नजारे इस जगह को सभी की पसंद बनाते हैं। हालांकि अब यहां तिब्बत के लोग ज्यादा रहते हैं, लेकिन ब्रिटिश काल का प्रभाव इस छोटे शहर पर आज भी महसूस किया जा रहा है।

खूबसूरत पहाड़ी शहर धर्मशाला को यूं तो अंग्रेजों ने बसाया था, लेकिन अब तिब्बतियों की संख्या ज्यादा होने से इस पर वहां के कल्चर का इतना प्रभाव पड़ा है कि इसे लिटल ल्हासा के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में धौलाधर की पहाड़ियों में बसा धर्मशाला देश-विदेश के सैलानियों का पसंदीदा हिल स्टेशन है। इसे साल 1855 में अंग्रेज ने इसे बसाया था। दरअसल, यह उन 80 रिजॉर्ट्स में से था, जिन्हें अंग्रेजों ने गर्मी से बचने के लिए तैयार करवाया था।

गद्दी, तिब्बती, टेकर्स, टूरिस्ट और लोकल वेंडर्स, सब मिलकर निचले धर्मशाला यानी कोतवाली बाजार में एक अलग ही माहौल बनाते हैं। यह जगह समुद्र तल से 1250 मीटर की ऊंचाई पर है। लोगों का खूब आना-जाना होने की वजह से यहां खासी हलचल रहती है। समुद्र तल से 1768 मीटर की ऊंचाई पर बसे ऊपरी धर्मशाला यानी मैकलॉडगंज में दलाई लामा का निवास है। दोनों जगह की दूरी 10 किलोमीटर है। जहां तक घूमने की बात है, तो धर्मशाला में आपको अडवेंचरस व स्प्रिचुअल माहौल मिलेगा। ठंडी पहाड़ी हवाओं में गूंजती प्रार्थनाओं की आवाजें मन को एक ठहराव देती हैं। ऐसे में बेशक धर्मशाला जाना दलाई लामा से मुलाकात के बिना अधूरा है और यकीन मानिए इस माहौल में उनका साथ किसी भी इंसान को कुछ देर के लिए एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। वैसे,धर्मशाला की तमाम मोनेस्ट्रीज एक बार देखने लायक जरूर है और अलग-अलग समाधियों में भगवान बुद्ध की तांबे की प्रतिमाएं भी दर्शनीय हैं। अब जब इतना कुछ एक ही जगह पर मौजूद है तो देश-विदेश के पर्यटकों का सहज ही धर्मशाला की ओर खिंचे आना हैरानी की बात नहीं है। अगर आप मेडिटेशन करते हैं तो यहां के तुशिता मेडिटेशन सेंटर में मोंक्स द्वारा दी जाने वाली क्लासेज जॉइन

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है।

की जा सकती है। यहां आपको साफ-सुथरे आवास की सुविधा भी मिलेगी। मेडिटेशन सीखने के बाद नेचुंग मोनेस्ट्री में 3किलोमीटर बना म्यूजियम देख सकते हैं। नोबरलिंगा इंस्टीट्यूट में आप नए आर्टिस्ट्स को थंगका पेंटिंग्स सीखते देख सकते हैं। अगर आप दाल, चावल, रोटी और सैंडविच खाकर बोर हो गए हैं तो यहां आप बेहतरीन तिब्बती खाने का मजा ले सकते हैं।

यहां के कई रेस्तरांओं में आपको लजीज मोमोज व थुक्पा खाने को मिलेंगे। खाने का लुत्फ लेने के बाद आप लंबी वॉक, ट्रेकिंग और खूबसूरत नजारों में पिकनिक का मजा ले सकते हैं। यहां से 8 किलोमीटर आगे आपको ब्रिटिश राज का मेमोरियल चर्च ऑफ सेंट जॉन-इन-द विल्डरनेस देख सकते हैं। इसे ब्रिटिश वायसरॉय लॉर्ड एलगिन के नाम पर बनाया गया है। निचले धर्मशाला में बना कांगड़ा आर्ट म्यूजियम कांगड़ा के सालों पुराने इतिहास को दिखाता है।

म्यूजियम की एक गैलरी में आपको कांगड़ा की मशहूर पेंटिंग्स, स्कल्पचर्स, मिट्टी के बर्तन और एंथ्रोपॉलजी से जुड़ी तमाम चीजें देखने को मिलेंगी। धर्मशाला के एंट्री पॉइंट पर आपको एक वॉर मेमोरियल देखने को मिलेगा, जिसे स्वतंत्रता की लड़ाई में शहीद होने वाले जवानों की याद में बनवाया गया है। धर्मशाला में धर्मकोट व डल लेक जैसे पिकनिक स्पॉट्स भी हैं और यहां सितंबर के महीने में हर साल एक बड़ा मेला भी लगता है।

इसी के पास भगसुनाथ की श्राइन भी है। इस पुराने मंदिर के पास से बहते ताजे पानी से झरने इस जगह को एक अलौकिक नजारा बना देतो हैं। देवी कुणान पथरी को समर्पित मंदिर, ततवानी के गर्म पानी के झरने और मछरैल के बड़े वॉटरफॉल भी देखने लायक जगहें हैं। अगर वुड वर्क में दिलचस्पी रखते हैं तो नॉरबुलिंका इंस्टीट्यूट जरूर जाएं। यहां हो रहे काम की आर्ट को देखकर निश्चित तौर पर आप हैरान रह जाएंगे। स्वामी चिन्मानंद द्वारा बनाया गया चिन्मय तपोवन भी एक दर्शनीय जगह है। बिंदु सारस के किनारे बसे इस आश्रम में आपको नौ मीटर ऊंची हनुमान जी की मूर्ति, राम मंदिर, मेडिटेशन हॉल वगैरह दिखेंगे।

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है। यहां से नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहां से धर्मशाला 85 किलोमीटर की दूरी पर है। सड़क मार्ग से यहां चंडीगढ़, कीरतपुर और बिलासपुर होते हुए पहुंचा जा सकता है। तिब्बती नए साल यानी मार्च के आस-पास यहां बहुत टूरिस्ट आते हैं। वैसे, मई से अक्टूबर के बीच ट्रैकिंग सीजन रहता है। धर्मशाला में हैंडीक्राफ्ट मसलन तिब्बती कार्पेट, टेक्स्टाइल, ट्रडिशनल, हैट्स, बैग्स, ट्राउजर्स, मेटलवर्क, जूलरी, जैकेट व हाथ से बने कार्डिगन आदि के शौकीनों के लिए ढेर सारी जगहें हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: कोहली को एक स्थान का फायदा, अश्विन अब भी नंबर 1 गेंदबाज

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बिना खेले एक पायदान का फायदा हुआ है वहीं हैदराबाद जीत के हीरो इंग्लैंड के ओपी पोप 20 स्थान की लंबी छलांग लगाते हुए 15वें पायदान पर पहुंच गए है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा जारी बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में पोप को हैदराबाद टेस्ट में 196 रनों की पारी खेलने का फायदा मिला और वह 20 पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए 15वें स्थान पर पहुंच गए है। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन अभी भी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं।

विराट कोहली पहले टेस्ट में नहीं खेले थे। इसके बावजूद उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ है और वो छठे स्थान पर आ गए हैं। बाबर आजम उनसे एक पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर है। ताजा रैंकिंग के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा गाबा में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट की शुरुआती पारी में अर्धशतक के बाद दो स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गए।

इंग्लैंड के बैटर बेन डकेट भी भारत के खिलाफ हैदराबाद टेस्ट में 35 और 47 रन की पारी के बाद पांच स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर पहुंच गए। हैदराबाद में इंग्लैंड की जीत और ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज बराबरी पर खत्म होने के बाद टॉप-10 बल्लेबाजों की रैंकिंग में मामूली बदलाव हुआ है।

अश्विन अब भी टेस्ट के नंबर-1 गेंदबाज

भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर अपना स्थान बरकरार रखा है और जसप्रीत बुमराह को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह हैदराबाद में छह विकेट लेकर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में कगिसो रबाडा दूसरे और पैट कमिंस तीसरे स्थान पर हैं। ऑलराउंडर की ताजा जारी टेस्ट रैंकिंग में रवींद्र जडेजा पहले स्थान पर बने हुए हैं। आर अश्विन दूसरे स्थान हैं। जो रूट ने भारत के खिलाफ हैदराबाद टेस्ट में पांच विकेट झटके थे और वो ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे पायदान पर पहुंच गये हैं।

जय शाह तीसरी बार बनें एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई के सचिव जय शाह को तीसरी बार एशियाई क्रिकेट परिषद की कमान सौंपी गई है। दो- दो शाल के दो टर्म उन्होंने पूरे कर लिए हैं और ये तीसरा कार्यकाल उनका एशियन क्रिकेट काउंसिल के बॉस के तौर पर होगा। इस बात की आधिकारिक ऐलान हो गया है। एशिया कप 2025 को लेकर इंडोनेशिया के बाली में इसकी बैठक जारी है। एशियन क्रिकेट कार्उंसिल की एजीएम थी, जिसमें सदस्य बोर्डों ने हिस्सा लिया है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने इस बात की पुष्टि की है। एसीसी की एजीएम में चेयरमैनशिप के अलावा बड़ा मुद्दा एसीसी के मीडिया राइट्स को लेकर भी था, जिस पर निर्णय जल्द लिया जाएगा। एशिया कप एक प्रमुख टूर्नामेंट है, जिसके मीडिया राइट्स से मोटी कमाई इस संस्था को होगी, जिसका रेवेन्यू एशिया की क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए यूज होता है। एशिया कप का अगला सीजन अब 2025 में आयोजित होगा। टी20 फॉर्मेट में ये टूर्नामेंट खेला जएगा। पिछला टूर्नामेंट ODI फॉर्मेट में खेला गया था।

हालांकि, जय शाह का का दूसरा कार्यकाल अभी खत्म नहीं हुआ है और वे तीसरे कार्यकाल के लिए भी अध्यक्ष चुने गए हैं। इससे एक संकेत ये मिल जाता है कि जब नवंबर के आसपास आईसीसी के चुनाव होंगे तो जय शाह उसमें भाग ले सकते हैं। उनको एक तरह से एशिया का समर्थन मिल गया है। जय शाह वर्तमान समय में बीसीसीआई के सचिव भी हैं। अगर वे आईसीसी के चेयरमैन बन जाते हैं तो भारत के लिए ये बड़ी जीत होगी।

अंडर-19 विश्वकप में भारतीय टीम का सेमीफाइनल में पहुंचना तय

-सुपर सिक्स राउंड में न्यूजीलैंड को 214 रनों से हराया

ब्लोमफोन्टेन (एजेंसी)। भारतीय टीम ने अंडर 19 विश्वक कप क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सुपर सिक्स राउंड में न्यूजीलैंड को 214 रनों से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत से भारतीय टीम के सुपर सिक्स राउंड के ग्रुप-1 में 6 अंक हो गए हैं और उसका रनरेट भी +3.327 है।

आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के सुपर सिक्स राउंड में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया जबकि पाकिस्तान ने आयरलैंड को पराजित किया। इससे भारत और पाकिस्तान दोनों के ही अब 6-6 अंक हो गए हैं पर भारतीय टीम (+3.327) के अच्छे रनरेट से ग्रुप में पहले नंबर पर है। वहीं पाक टीम (1.064) के रनरेट के साथ ही दूसरे नंबर पर है। वहीं बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के ग्रुप में दो-दो अंक हैं। नेपाल और आयरलैंड को अभी तक एक भी अंक नहीं मिला है। अब इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा केवल बांग्लादेश ही 6 अंक तक पहुंच सकती है पर उसका रनरेट अभी -0.667 है। वहीं सुपर सिक्स के ग्रुप-2 में सेमीफाइनल की रेस और मुश्किल है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बराबर 4-4 अंक हैं और ये दोनों टीमें एक-एक मैच जीतकर भी सेमीफाइनल खेल सकती हैं। वहीं इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के 2-2 अंक हैं और इन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने दोनों मैच जीतने जरूरी होंगे। जिम्बाब्वे के खाते में 0 अंक दर्ज हैं और सेमीफाइनल में उसका पहुंच पाना बहुत मुश्किल है।

हमारी टीम में शामिल सभी खिलाड़ी जीत दिलाने में सक्षम : स्टोक्स

-दौरे से पहले हमारे स्पिनरों को कमजोर बताया गया

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने पहले ही टेस्ट में मिली जीत के बाद उत्साहित होकर कहा है कि उनकी टीम अपने भारत दौरे में जीत के इरादे से आई है। स्टोक्स के अनुसार उनकी टीम के पास काफी अच्छे गेंदबाज हैं पर सीरीज शुरु होने के पहले कहा जा रहा था कि उनका स्पिन आक्रमण कमजोर है जो गलत साबित हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे गेंदबाजों ने आलोचना करने वालों को गलत साबित कर दिया है। साथ ही कहा कि हमारी टीम में शामिल सभी खिलाड़ी टीम को जीत दिलाने में सक्षम हैं।

स्पिनर टॉम हार्टले ने अपने पहले ही टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में सात विकेट लेकर इंग्लैंड को 28 रन से बड़ी जीत दिलाने में शानदार भूमिका निभाई। इंग्लैंड की टीम हैदराबाद में खेले गये पहले टेस्ट में केवल एक तेज गेंदबाज मार्क वुड के साथ मैदान में उतरी और उसकी यह रणनीति सफल रही।

उन्होंने कहा, ''इस दौरे के लिए हमने जिन स्पिनरों को चुना है, हमें लगता है कि वे हमें भारत को हराने का सबसे अच्छा अवसर देंगे। मेरे लिए, यह सिर्फ स्पिनरों के बारे में नहीं है। यह उनके पास मौजूद प्रतिभा को समझना और उन्हें वहां जाकर उस प्रतिभा को व्यक्त करने की आजादी देने के बारे में है। हम चाहते हैं कि वे परिणाम के बारे में ज्यादा चिंता किये बिना ही अपने खेल पर ध्यान दें।''

इस सीरीज से पहले टीम के स्पिन गेंदबाजों के अनुभवहीन होने पर बातें हो रहीं थीं। वहीं स्टोक्स ने कहा कि वह इस प्रकार की बातों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा, ''एक गेंदबाज के तौर पर आपका काम विकेट लेना होता है। वहीं एक बल्लेबाज के तौर पर आपका काम रन बनाना होता है लेकिन इसके बारे में इससे ज्यादा सोचने से चीजें मुश्किल होने लगती है।''

विराट के भाई विकास ने कहा, प्रशंसक बिना सही जानकारी के अटकलें न लगायें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के इंग्लैंड के खिलाफ पहले दोनो टेस्ट मैचों से बाहर रहने के बाद से ही प्रशंसक अपनी ओर से अटकलें लगाते रहे हैं। कुछ का कहना था कि उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा प्रेग्नेंट हैं और संभवत- कोई दिक्कत हुई होगी जबकि कुछ अन्य ने कहा कि उनकी मां की तबियत ठीक नहीं है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा कि प्रशंसक विराट की निजता का सम्मान करते हुए किसी प्रकार की अफवाहें नहीं फैलायें पर प्रशंसकों ने इसके बाद भी अटकलें लगाना बंद नहीं किया। ऐसे में सोशल मीडिया में कोहली के बाहर होने को लेकर आ रही इन बातों को लेकर उनके भाई विकास कोहली ने सफाई दी है।

रोहित की जगह कोहली कप्तान होते तो भारतीय टीम नहीं हारती : वॉन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि अगर रोहित शर्मा की जगह पर विराट कोहली भारतीय टीम के कप्तान होते तो उसे इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में हार का सामना नहीं करना पड़ता। वॉन के अनुसार रोहित खेल के दौरान पूरी तरह से लय में नहीं थे। इसी कारण टीम पहली पारी में 190 रन की बढ़त लेने के बाद भी हार गयी। वॉन के अनुसार स्पिन के अनुकूल हालातों में भी टीम को मिली 28 रन की हार हैरान करने वाली है। इससे इंग्लैंड की टीम को पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त मिल गई। यह हैदराबाद में भारतीय टीम को मिली पहली टेस्ट हार थी। विराट निजी कारणों से सीरीज के पहले दो टेस्ट मैचों से बाहर रहे। वॉन ने कहा, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में विराट की कप्तानी की कमी महसूस की। साथ ही कहा कि विराट की कप्तानी में भारतीय टीम ये मैच नहीं हारती। वॉन ने खेल के दौरान रोहित की कमजोर कप्तानी की आलोचना की। उन्होंने कहा, रोहित एक दिग्गज और महान खिलाड़ी हैं पर मुझे लगा कि वह पूरी तरह से लय से बाहर हैं। वॉन ने पिछले सप्ताह ही सीरीज के शुरूआती मैच के दौरान सक्रिय भूमिका नहीं निभाने के लिए रोहित की आलोचना की थी। उन्होंने कहा, रोहित शर्मा की कप्तानी बहुत ही औसत थी। मुझे नहीं लगता कि उसने अपने क्षेत्र में बदलाव किया था या अपनी गेंदबाजी में बदलाव के साथ सक्रिय था। वॉन ने कहा, और उनके पास ओली पोप के स्वीप या रिवर्स स्वीप का कोई जवाब नहीं था।

आकाश ने सरफराज के चयन को सही बताया, स्पिनरों का बेहतर तरीके से करते हैं सामना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए केएल राहुल की जगह सरफराज खान को शामिल करने को सही बताया है। सरफराज को घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन के कारण टीम में जगह मिली है। रवींद्र जडेजा और केएल राहुल के चोटिल होने के कारण टीम में किये बदलावों के तहत ही सरफराज और रजत पाटीदार को टीम में जगह मिली। सरफराज को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। चोपड़ा ने कहा, सरफराज स्पिनरों को अच्छी तरह से खेलते हैं क्योंकि वह अपरंपरागत अंदाज में खेल सकते हैं और स्पिन के बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। सरफराज ने हाल ही में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत ए की ओर से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार शतक लगाया था। उनका प्रथम श्रेणी औसत 69.85 का है, उन्होंने 160 गेंदों पर 161 रन बनाए जिसमें 18 चौके और पांच छक्के शामिल हैं। राहुल की चोट को लेकर चोपड़ा ने कहा, यह राहुल के करियर की सबसे बड़ी समस्या रही है। चोट या बीमारियां गलत समय पर आई हैं और कई बार आई हैं। जिस तरह से उन्होंने पहली पारी में खेला और इसके बाद दूसरी पारी में भी वह निडर होकर बल्लेबाजी कर रहे थे। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए भी नुकसानदेह रहेगा।

भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर की सलाह, कहा- गिल और अय्यर जैसे खिलाड़ियों के साथ धैर्य रखने की जरूरत

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने बुधवार को कहा कि शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के बीच उनके साथ धैर्य रखना होगा। उन्होंने अपने खिलाड़ियों को सलाह दी कि वे यहां दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की आक्रामकता से समझदारी से निपटें। भारत को हैदराबाद में पहले टेस्ट में पहली पारी में 190 रन की बढ़त लेने के बावजूद 28 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

इंग्लैंड ने बेहद आक्रामक होकर खेलने के अपने 'बैजबॉल' रवैये से भारत को पछाड़ा था जिसमें ओली पोप ने 196 रन की पारी खेली थी। दूसरा टेस्ट शुक्रवार से शुरू होगा। राठौड़ ने यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हमारी टीम में ऐसे युवा बल्लेबाज हैं जिन्होंने काफी टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। इसलिए हमें उनके साथ थोड़ा धैर्य रखने की जरूरत है। (शुभमन) गिल, (यशस्वी) जायसवाल और (श्रेयस) अय्यर अंतत- बड़ी पारियां खेलेंगे, मुझे इसका यकीन है।''

जायसवाल ने हैदराबाद में अपने पांचवें टेस्ट की पहली पारी में 80 रन बनाए लेकिन गिल और अय्यर नाकाम रहे। गिल ने 21 जबकि अय्यर ने 13 टेस्ट खेले हैं। गिल ने अपनी पिछली नौ टेस्ट पारियों में अर्धशतक नहीं बनाया है। अय्यर भी खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि उन्हें दूसरे टेस्ट में टीम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है जहां घरेलू टीम को एक बार फिर से विराट कोहली की कमी खलेगी।

राठौड़ ने कहा, ''जज्बे के साथ खेलने और आक्रामक क्रिकेट खेलने के बीच अंतर है। मैं चाहता हूं कि वे जज्बे के साथ खेलें। अगर कुछ रन बनाने का मौका है, तो उन्हें इसका फायदा उठाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें पिच और परिस्थितियों को देखकर फैसला करना होगा। बल्लेबाज में यह समझदारी होनी चाहिए कि पिच पर कौन सा शॉट सर्नश्रेष्ठ या सबसे सुरक्षित है।'' राठौड़ को लगता है कि हैदराबाद टेस्ट की दूसरी पारी में संभवत- भारत की बल्लेबाजी में अनुशासन की कमी थी। उन्होंने कहा, ''क्या वे अधिक अनुशासन के साथ खेल सकते थे? शायद वे ऐसा कर सकते थे। उन्हें इस पर फैसला करना होगा और अपनी योजना के साथ उतरना होगा।''

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने स्वीप शॉट का भारतीय स्पिनरों के खिलाफ प्रभावी तरीके से इस्तेमाल किया लेकिन राठौड़ ने कहा कि कोई बल्लेबाजों रातों-रात यह शॉट खेलना शुरू नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, ''आपको अभ्यास करके इसकी तैयारी करनी होती है। अगर आप अपने खेल में अधिक शॉट जोड़ोगे तो यह हमेशा फायदेमंद होता है।'' राठौड़ ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों विशेषकर पोप की साहसिक क्रिकेट खेलने के लिए सराहना की। उन्होंने हालांकि कहा कि इंग्लैंड के अच्छे प्रदर्शन के कारण उनकी टीम पर अतिरिक्त दबाव नहीं है।

उन्होंने कहा, ''वे (इंग्लैंड) साहसिक थे। उन्होंने जोखिम उठाया जिसका उन्हें फायदा मिला। पोप ने शानदार पारी खेली। मैंने काफी खिलाड़ियों को अपनी टीम के खिलाफ इस तरह की पारी खेलते हुए नहीं देखा है। मुझे नहीं लगता कि कोई दबाव है। भारत में खेलते हुए हमारे जीतने की उम्मीद थी और खिलाड़ी अब तक इसे आदी हो गए होंगे।''

उन्होंने कहा, ''सहायक स्टाफ की ओर से उन्हें संदेश है कि अच्छा क्रिकेट खेलो और नतीजों की अधिक चिंता मत करो। अन्य टीम भी अच्छी तैयारी के साथ आती हैं। हमने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट मैच जीते हैं, हमें उनके भी भारत में टेस्ट मैच जीतने की उम्मीद करनी होगी।

विष्णु सरवनन ने सेलिंग में भारत के लिया हासिल किया पेरिस ओलंपिक का पहला कोटा

एडिलेड। टोक्यो ओलंपियन विष्णु सरवनन ने बुधवार को आईएलसीए 7 पुरुष विश्व चैंपियनशिप 2024 में पेरिस ओलंपिक के लिए सेलिंग में भारत का पहला कोटा हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड सेलिंग क्लब में आयोजित वन पर्सन डिंगी स्पर्धा में सरवनन ने छह दिनों में 125 नेट अंक हासिल किए और वह ओवऑल लीडरबोर्ड पर 26वें स्थान पर रहे। हालांकि, वह पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए कोटा सुरक्षित करने वाले नाविकों में पांचवें स्थान पर रहे। आईएलसीए 7 पुरुष विश्व चैंपियनशिप पेरिस 2024 के लिए एक क्वालीफाइंग स्पर्धा है जिसमें उन देशों के लिए सात कोटा शामिल थे, जिन्होंने पहले ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं किया था। एडिलेड मीट में प्रस्तावित अन्य छह कोटा ग्वाटेमाला, मोंटेनेग्रो, चिली, डेनमार्क, तुर्की और स्वीडन को मिले है। एडिलेड में यह रेस 26 से 31 जनवरी तक आयोजित की गई थी, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के कुल 152 आईएलसीए 7 वर्ग (स्मॉल सिंगल-हैंडेड डिंगी) सेलर ने हिस्सा लिया था। भारत के मोहित सैनी 329 नेट अंकों के साथ कुल मिलाकर 136वें स्थान पर रहे। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू वेर्न ने 24.0 नेट अंकों के साथ खिताब जीता। टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता नॉर्वे के हरमन टॉमसगाड 34.0 अंकों के साथ रजत पदक, ब्रिटेन के माइकल बेकेट ने 41.0 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। उल्लेखनीय है कि सेलिंग में कम अंक बेहतर होते हैं। पिछले वर्ष सरवनन ने इसी सेलिंग कैटेगरी में हांगझोऊ में आयोजित एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने टोक्यो 2020 में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जहां वह फील्ड ऑफ 35 में 20वें स्थान पर रहे थे। पेरिस 2024 में सेलिंग स्पर्धा 28 जुलाई से आठ अगस्त तक आयोजित की जाएगी।

पैरा खेलों के विकास में केन्द्र सरकार की अहम भूमिका : कोच

नई दिल्ली। भारतीय पैरा-बैडमिंटन कोच गौरव खन्ना ने देश में पैरा खेलों के विकास का श्रेय मौजूदा सरकार को दिया है। प्रमोद भगत, रोहित भाकर, जैसी शीर्ष खिलाड़ियों के कोच खन्ना ने कहा कि केन्द्र सरकार पैरा खिलाड़ियों के लिए अभिभावक जैसी भूमिका निभा रही है। खन्ना ने कहा, '' मैं इस बात से बहुत संतुष्ट हूं कि पैरा खेलों में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसका श्रेय सरकार को जाता है। वह पैरा-एथलीटों पर काफी ध्यान दे रही है।'' उन्होंने कहा, '' प्रधानमंत्री बड़ी स्पर्धाओं में भाग लेने जाने वाले खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते है और सर्वश्रेष्ठ करने के लिए प्रेरित करते है। जब ये खिलाड़ी पदक जीत कर लौटते है तो वह उन्हें पार्टी देते है। वह उनके लिए एक अभिभावक की तरह हैं।'' गौरतब है कि भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने हांगझोउ एशियाई खेलों में 21 पदक जीते थे। भारतीय पैरा बैडमिंटन के सफल होने में कोच खन्ना की अहम भूमिका रही है। खन्ना बचपन से ही बैडमिंटन खिलाड़ी बनना चाहते थे लेकिन घुटने की सर्जर के बाद पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर खेल जारी नहीं रख पाये। उन्होंने हालांकि अपने जुनून का पालन किया और बैडमिंटन से जुड़े रहे। उन्होंने दिव्यांग बच्चों को कोचिंग देना शुरू किया। खन्ना ने अपने जुनून और समर्पण से पैरा-बैडमिंटन को देश में सुर्खियों में ला दिया हो, लेकिन यह कोई आसान काम नहीं था। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें शून्य से शुरुआत करनी पड़ी। जमीनी स्तर पर एक मजबूत टीम बनाने में उत्तर प्रदेश के पूर्व खेल मंत्री दिवंगत चेतन चौहान ने उनकी काफी मदद की। उन्होंने कहा, ''मुझे एहसास हुआ कि भारतीय पैरा-बैडमिंटन में कोई उचित या ठोस जमीनी स्तर की व्यवस्था नहीं है। मैंने कई लोगों से मदद मांगी। चेतन चौहान की मदद से लखनऊ के स्पोर्ट्स कॉलेज में इस खेल को शुरू किया।''

पाकिस्तान में महिला खिलाड़ियों को आहत कर रहा लैंगिक भेदभाव और यौन उत्पीड़न

इस्लामाबाद (एजेंसी)। लैंगिक भेदभाव पाकिस्तानी समाज में गहराई तक व्याप्त है जिसका असर हर क्षेत्र में महिलाओं के जीवन पर पड़ रहा है, चाहे वह जगत से क्यों ना जुड़ी हों। पाकिस्तान में लगभग 90 प्रतिशत महिलाएं सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों से उत्पन्न लैंगिक भेदभाव के कारण किसी भी खेल या शारीरिक गतिविधियों से दूर हैं। इसके अलावा, जो महिलाएं खेल को अपना करियर बनाने का साहस करती, उन्हें अक्सर यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता।

शोधकर्ता मुहम्मद अदनान ने कहा कि पुरुष प्रधान माहौल में पाकिस्तानी महिला खिलाड़ियों और उनकी उपलब्धियों का स्वागत जयकारों के बजाय हंसी-मजाक के साथ किया जाता है। उन्होंने कहा, 'सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाओं और सुविधाओं और अवसरों की कमी के कारण पारंपरिक रूप से खेलों में महिलाओं की भागीदारी कम रही है। पाकिस्तान में खेलों में लैंगिक समानता के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में से एक मीडिया कवरेज की कमी है। महिलाओं का खेल अक्सर पुरुषों के खेल पर भारी पड़ता है।'

स्क्वैश खिलाड़ी नोरिना शम्स ने कहा कि उन्होंने खेल को अपना करियर बनाने के लिए आठ साल तक संघर्ष किया। उन्होंने कहा, 'पुरुष समर्थन के बिना किसी महिला के लिए यह बहुत अलग स्थिति है क्योंकि खेल इतना पुरुष-प्रधान है कि लोग आपको गंभीरता से नहीं लेते हैं और फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।'

बीजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर मियाओ वांग ने कहा कि पाकिस्तानी महिलाओं को खेल में भागीदारी से रोकने के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक बाधाएं महत्वपूर्ण कारक हैं। अपने शोध में वांग ने अन्य महत्वपूर्ण कारकों पर प्रकाश डाला जैसे अपर्याप्त कुशल शारीरिक शिक्षा शिक्षक, अपर्याप्त सरकारी धन, अपर्याप्त सुविधाएं, और पाठ्येतर गतिविधियों के रूप में शारीरिक शिक्षा कक्षाओं की कमी।

वांग ने कहा, 'खेल भागीदारी के मामले में पाकिस्तानी महिला छात्रों के सामने मुख्य बाधाएं धार्मिक और सांस्कृतिक सीमाएं, माता-पिता से अनुमति की कमी और खेल सुविधाओं और उपकरणों की कमी है।' कई पाकिस्तानी महिला एथलीट्स अप्रभावी सरकार और परिवारों, खेल और परिवहन सुविधाओं की कमी, सार्वजनिक शर्मिंदगी या अपमान और उनकी सुरक्षा के लिए खतरों आदि की कहानियां सुनाते हैं।

वैश्विक गैर-लाभकारी संस्था सॉकर विदाउट बॉर्डर्स ने कहा कि पाकिस्तान में खेलों में महिलाओं की भागीदारी को अभी भी व्यापक रूप से अस्वीकार्य या यहां तक कि अपमानजनक माना जाता है। इसमें कहा गया, 'एथलेटिक्स में रुचि रखने वाली लड़कियों के लिए शायद ही कुछ टीमें या क्लब उपलब्ध हैं और जो मौजूद हैं, उनके लिए लड़कियों को भागीदारी में अविश्वसनीय बाधाओं का सामना करना पड़ता है। हम एक पेशेवर एथलीट से भी मिले जिसके परिवार ने सार्वजनिक रूप से शॉर्ट्स पहनने के कारण वर्षों तक उससे दूरी बना ली थी।'

सिंध विश्वविद्यालय की एक शोधकर्ता जुलैखा करीम ने कहा कि पाकिस्तान में संगठनात्मक आधार पर लिंगवाद मौजूद है, जिसने खेल संघ नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों और खेल प्रशासन के अधिकारियों के रूप में महिलाओं को लैंगिक समानता के मुद्दों का सामना करना पड़ता है। खेल नेतृत्व पदों पर महिलाओं की कमी है और सभी प्रक्रियाएं वर्चस्ववादी मर्दाना मानकों के अनुसार काम करती हैं।'

पाकिस्तान में कई खिलाड़ियों ने कहा कि उन्हें जनता से यौन टिप्पणियों के साथ-साथ यौन उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा। महिला बास्केटबॉल और फुटबॉल टीमों की पूर्व कप्तान सना महमूद ने कहा, 'मुझे याद है कि मेरी यह गोलकीपर वास्तव में चिंतित हो जाती थी क्योंकि गोल पर उसके पीछे कुछ लोग खड़े होते थे, और आप जानते हैं, फुसफुसाते हुए या चिल्लाकर उसके लिए अभद्र टिप्पणियां करते थे जोकि कामुक थी और विचारोत्तेजक प्रकृति की थी, और वे बस उसे परेशान करने के लिए वहां आते थे।'

भाजपा का आरोप, ईडी को डराने के लिए लालू परिवार ने जुटाई भीड़

पटना । भाजपा ने आरोप लगाया है कि लालू और उसके परिवार ने ईडी के अफसरों को डराने के लिए भीड़ जुटाई थी। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि रेलवे की नौकरी के बदले लोगों की कीमती जमीन लिखवाने के मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव से पूछताछ के दौरान ईडी पर दबाव बनाने और अफसरों को डराने के लिए समर्थकों की भारी भीड़ जुटाना राजद के आपराधिक चरित्र का सूचक है। सुशील मोदी ने अपना बयान जारी कर कहा कि ईडी पर दबाव बनाने और अफसरों को डराने के लिए अपनाये जा रहे हथकंडों से न तो जांच रुकेगी और न लालू परिवार दोषमुक्त हो पाएगा। उन्होंने कहा कि रेलवे की नौकरी के बदले जमीन लेने तथा मनी लॉन्ड्रिंग के प्रमाण मिलने पर सीबीआई ने आरोप पत्र दायर किया। इस आधार पर प्रवर्तन ईडी पिछले साल से लगातार कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि पटना में लालू यादव और तेजस्वी से पूछताछ भी इसी प्रक्रिया का ?हिस्सा है। भाजपा सांसद मोदी ने कहा कि 10 मार्च 2023 को दिल्ली-पटना में लालू परिवार के विभिन्न परिसरों पर छापा मारा गया और एक करोड़ रुपए नकद तथा 1.25 करोड़ रुपए के कीमती सामान जब्त किए गए थे। ईडी ने उसी समय छह करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के मकान, फ्लैट और दिल्ली का बंगला भी जब्त किया था। 11 नवम्बर 2023 को लालू परिवार के लिए काम करने वाली फर्जी कंपनी एके इन्फोसिस्टम्स और एबी एक्सपोर्ट्स के मालिक अमित कात्याल की गिरफ्तारी हुई। वह अब भी न्यायिक हिरासत में है। सांसद मोदी ने कहा कि एके इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मालिक अमित कात्याल की गिरफ्तारी के बाद से लालू परिवार पर कानून का शिकंजा कसता गया। भाजपा सांसद ने कहा कि तेजस्वी यादव को बताना होगा कि वे दिल्ली में 150 करोड़ के मकान डी-1088 के मालिक कैसे बन गए।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की कैद

जींद । एक नाबालिग लड़की के अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म करने के अपराध में एक व्यक्ति को जींद की एक अदालत ने 20 साल कैद की सजा सुनायी है। साथ ही उस पर 30 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। ?मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा. चंद्रहास की अदालत ने एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के जुर्म में अभियुक्त प्रदीप को बीस साल के कारावास की सजा सुनायी और उसपर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कहा कि जुर्माना न भरने की सूरत में अभियुक्त को दो साल की अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार सिविल लाइन थानाक्षेत्र के एक व्यक्ति ने 17 मार्च 2023 को पुलिस में रिपोर्ट की थी की 16 मार्च को उसकी 17 वर्षीय बेटी घर से गायब है। उस दौरान शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि राम कालोनी के प्रदीप ने उसकी बेटी का अपहरण किया है। पुलिस ने गायब लड़की को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने प्रदीप के खिलाफ अपहरण के अलावा पोक्सो कानून की धाराएं भी लगाई थीं, तभी से यह मामला अदालत में चल रहा था।

लेह लद्दाख में चरवाहों ने चीनी सैनिकों को दिखाई आंख, यह भारत की भूमि

-चुशुल के पार्षद ने सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली । लेह लद्दाख के सुदूर पर्वतीय इलाके में फिर से चीनी सेना की नापाक हरकत सामने आई है। लद्दाख में चरवाहों के एक समूह ने चीनी सैनिकों का तब सामना किया जब उन्होंने भारत-चीन सीमा के पास स्थानीय लोगों को भेड़ चराने से रोकने की कोशिश की। चरवाहे, जिन्होंने 2020 के गलवान संघर्ष के बाद क्षेत्र में जानवरों को चराना बंद कर दिया था, अब क्षेत्र में लौट आए हैं लेकिन चीनी सेना ने उन्हें रोक दिया है। इस बात से घबराए बिना, लोगों ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सदस्यों से सवाल कर कहा कि वे भारतीय क्षेत्र में थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया है, जिसमें कई लोगों ने चरवाहों की बहादुरी पर टिप्पणी की है। वीडियो साझा कर, चुशुल के पार्षद कोंचोक स्टैनजिन ने कहा कि वह खानाबदोशों को सलाम करते हैं। जो हमेशा हमारी भूमि की रक्षा के लिए खड़े रहते हैं और राष्ट्र की दूसरी संरक्षक शक्ति के रूप में खड़े होते हैं। स्टैनजिन ने कहा कि देखिए कैसे हमारे लोग पीएलए के सामने अपनी बहादुरी दिखा रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि जिस क्षेत्र को वे रोक रहे हैं, वह हमारे खानाबदोशों की चरागाह भूमि है। पीएलए हमारे खानाबदोशों को हमारे क्षेत्र में चरने से रोक रही है। ऐसा लगता है कि विभिन्न कारणों से यह कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है धारणाओं की रेखाएँ। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि चरवाहों का सेना के सामने खड़ा होना यह देखकर खुशी होती है।

टीपू सुल्तान की मूर्ति पर जूतों की माला, कर्नाटक शहर में शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन

बैंगलोर। कर्नाटक के रायचूर जिले में बुधवार को उस समय तनाव फैल गया, जब मैसूर के पूर्व शासक टीपू सुल्तान की तस्वीर को जूते की माला पहनाई गई। मुस्लिम समुदाय ने यातायात अवरुद्ध कर भारी विरोध प्रदर्शन किया और उपद्रवियों की गिरफ्तारी की मांग की. प्रदर्शनकारियों ने सिरवार कस्बे में टायरों में भी आग लगा दी. बाद में चित्र से माला हटा दी गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि वह 24 घंटे के भीतर बदमाशों को गिरफ्तार कर लेगी। इस आश्वासन के बाद धरना वापस ले लिया गया है। रायचूर के सिरवार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। हालाँकि, यह पहली बार नहीं है कि कर्नाटक में टीपू सुल्तान को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ है। पिछले साल दिसंबर में टीपू सुल्तान के नाम पर मैसूरु हवाई अड्डे का नाम बदलने के कांग्रेस विधायक प्रसाद अब्बय्या के प्रस्ताव की कर्नाटक विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने तीखी आलोचना की थी। हुबली-धारवाड़ (पूर्व) विधायक का प्रस्ताव राज्य सरकार द्वारा हवाई अड्डों के नाम बदलने के लिए केंद्र को पत्र लिखने पर चर्चा के दौरान आया। सत्र के दौरान अब्बय्या ने कहा मैं मैसूरु हवाईअड्डे का नाम बदलकर टीपू सुल्तान हवाईअड्डा करने का प्रस्ताव करता हूं। इससे बीजेपी और बीजेपी विधायकों में हंगामा मच गया। 18वीं सदी के शासक कई वर्षों से कांग्रेस और भाजपा के बीच वाकयुद्ध के केंद्र में रहे हैं। मुस्लिम शासक को लेकर विवाद पहली बार 2016 में शुरू हुआ, जब तत्कालीन सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 10 नवंबर को उनके जन्मदिन को 'टीपू जयंती' के रूप में मनाना शुरू किया। हालाँकि, भाजपा ने इस कदम का विरोध किया और 2019 में राज्य में सत्ता में आने के बाद इसे रद्द कर दिया गया।

कुल्लू-मनाली में सीजन का पहला स्नोफॉल, खुशगवार हुआ मौसम

-भारी बर्फबारी में अटल टनल के आसपास फंसे 300 पर्यटकों को सुरक्षित निकाला

शिमला । कुल्लू-मनाली में इस समय भारी बर्फबारी हो रही है। हालांकि लोग यहां पर लंबे समय से बर्फबारी-बारिश का इंतजार कर रहे थे। अब लेकिन हिमाचल प्रदेश के टूरिस्टों के लिए यह खुशखबरी है। प्रदेश भर में मनाली, कुल्लू, लाहौल स्पीति, डलहौजी, पांगी, भरमौर सहित ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई है। साथ ही मंडी, हमीरपुर, बिलासपुर सहित अन्य जिलों में बारिश हुई है। इस दौरान लाहौल स्पीति में अटल टनल सहित अन्य इलाकों में बड़ी संख्या में टूरिस्ट फंस गए थे, जिन्हें कुल्लू और लाहौल पुलिस ने सुरक्षित निकाला है। फिलहाल, बुधवार को प्रदेश के मंडी, कुल्लू, मनाली सहित ज्यादातर इलाकों में बादल छाए हुए हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, कुल्लू पुलिस ने अटल टनल रोहतांग से सोलंगनाला तक 300 पर्यटकों को सुरक्षित रेस्क्यू कर मनाली पहुँचाया है। एसडीएम रमन शर्मा ने एसएचओ तहसीलदार और लोकल लोगों के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया है। एसडीएम रमन शर्मा ने बताया कि अटल टनल रोहतांग के आसपास भारी बर्फबारी में फंसे 50 पर्यटक वाहनों और एचआरटीसी बस मे क़रीब 300 पर्यटकों को प्रशासन की टीम ने सकुश?ल मनाली पहुंचाया। एसडीएम रमन शर्मा ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सभी टूरिस्ट सुरक्षित निकाल लिए गए हैं। इधर बर्फबारी का इंतजार कर रही मनाली की पब्लिक के लिए भी खुशखबरी है। मनाली शहर में सीजन का पहला हिमपात देर रात हुआ। यहां मंगलवार देर शाम पहले बारिश हुई और फिर बर्फबारी भी हुई। बर्फबारी के चलते मनाली में पर्यटन कारोबारी और किसान-बाग़वानों के चेहरे खिल गए हैं।

मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट नहीं, यह धार्मिक स्थल है : उच्च न्यायालय

-तमिलनाडु के मंदिरों में हाई कोर्ट ने लगाई गैर हिंदुओं की एंट्री पर रोक

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के मंदिरों में गैर हिंदुओं को प्रवेश पर रोक लगाते हुए कहा है कि मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट नहीं, बल्कि यह धार्मिक स्थल है। मंगलवार को हाई कोर्ट ने हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) विभाग को सभी हिंदू मंदिरों में बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। जिसमें कहा गया हो कि गैर-हिंदुओं को कोडिमारम (ध्वजपोल) क्षेत्र से आगे जाने की अनुमति नहीं है। उन घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए जहां गैर-हिंदुओं ने कथित तौर पर गैर-धार्मिक उद्देश्यों के लिए मंदिरों में प्रवेश किया, मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ के न्यायमूर्ति एस श्रीमथी ने कहा, मंदिर कोई पिकनिक या पर्यटन स्थल नहीं है। कोर्ट के इस फैसले में बिना किसी हस्तक्षेप के अपने धर्म का पालन करने के हिंदुओं के मौलिक अधिकार पर जोर दिया गया। यह निर्णय डी सेंथिलकुमार द्वारा दायर एक याचिका के दौरान आया, जिन्होंने डिंडीगुल जिले के पलानी में अरुलमिगु पलानी धनदायुथापानी स्वामी मंदिर और उसके उप-मंदिरों में अकेले हिंदुओं को प्रवेश करने की अनुमति मांगी थी।

हाई कोर्ट ने मंदिर के प्रवेश द्वारों, ध्वजस्तंभ के पास और अन्य प्रमुख स्थानों पर ऐसे बोर्ड लगाने का निर्देश दिया, जो कोडिमारम से परे गैर-हिंदुओं पर प्रतिबंध का संकेत देते हों। इसमें यह भी कहा गया है कि यदि कोई गैर-हिंदू किसी विशिष्ट देवता के दर्शन करना चाहता है, तो उन्हें हिंदू धर्म में अपनी आस्था और मंदिर के रीति-रिवाजों का पालन करने की इच्छा की पुष्टि करने वाला एक वचन पत्र देना होगा। अदालत ने फैसला सुनाते हुए निर्देश दिया कि वे उन गैर-हिंदुओं को अनुमति न दें जो हिंदू धर्म में विश्वास नहीं करते हैं। यदि कोई गैर-हिंदू मंदिर में किसी विशेष देवता के दर्शन करने का दावा करता है, तो उत्तरदाताओं को उक्त गैर-हिंदू से एक वचन लेना होगा कि वह देवता में आस्था है, और वह हिंदू धर्म के रीति-रिवाजों और प्रथाओं का पालन करेगा और मंदिर के रीति-रिवाजों का भी पालन करेगा और इस तरह के उपक्रम पर उक्त गैर-हिंदू को मंदिर में जाने की अनुमति दी जा सकती है।

इतना ही नहीं अदालत ने मंदिर प्रशासन को रीति-रिवाजों, प्रथाओं और आगमों को सख्ती से बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसने आदेश को पलानी मंदिर तक सीमित रखने की उत्तरदाताओं की याचिका को खारिज कर दिया, और कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव और शांति सुनिश्चित करने के लिए निर्देश सभी हिंदू मंदिरों पर लागू होना चाहिए। अदालत ने कहा कि यह एक बड़ा मुद्दा है और यह सभी हिंदू मंदिरों पर लागू होना चाहिए, इसलिए उत्तरदाताओं की याचिका खारिज कर दी जाती है। इसलिए, राज्य सरकार, मानव संसाधन और सीई विभाग, मंदिर प्रशासन में शामिल सभी व्यक्तियों को सभी हिंदू मंदिरों के लिए निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया है।

बजट सत्र के दौरान संसद भवन की सुरक्षा में हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली । संसद का बजट सत्र आज बुधवार से शुरू हो गया है। इस दौरान संसद भवन परिसर की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव हुआ है, ताकि किसी तरह की कोई सुरक्षा में खामी न रहे। अब संसद की सुरक्षा में सीआईएसएफ को भी शामिल करते हुए खास चेकिंग हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था के तहत अब बजट सत्र में भाग लेने वाले आम लोगों की खास ड्रिल के तहत चेकिंग हो रही है। संसद की सुरक्षा व्यवस्था में पहले भारी चूक हो चुकी है, जिससे सबक लेते हुए यह बदलाव हुआ है। अब संसद भवन के एंट्री प्वाइंट पर एयरपोर्ट की तरह सीआईएसएफ की 2 लेवल चेकिंग हो रही है। इसके अलावा हर आगंतुक के सामान को ट्रे में रखवा कर स्कैनर के जरिए चेक किया जा रहा है। अब संसद के बजट सत्र के मद्देनजर इस बार सीआईएसएफ आउटर लेयर की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रही है, जिसमें फिस्किंग और चेकिंग शामिल है। सीआईएसएफ ने 140 जवानों को शुरुआत में बजट सत्र में फिस्किंग के लिए तैनात किया है। जवानों ने फिस्किंग का काम शुरू कर दिया है। इससे पहले सीआईएसएफ के सुरक्षा कर्मियों ने संसद भवन परिसर की महत्वपूर्ण ड्रिल की थी। उन्होंने भवन के कोने-कोने की तलाशी लेकर पहले संतुष्टि कर ली है। बताया जा रहा है कि पिछले सत्र में संसद भवन सुरक्षा चूक प्रकरण के बाद खासतौर पर इस ड्रिल को तैयार किया गया है, जिसमें दिल्ली पुलिस सीआईएसएफ और सीआरपीएफ के जवान शामिल हैं। संसद का बजट सत्र आज यानी 31 जनवरी से शुरू हो रहा है और 9 फरवरी तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण के साथ शुरू होने वाला संसद का बजट सत्र वर्तमान लोकसभा का आखिरी सत्र है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी।

यूपी में इंडिया गठबंधन में रार, सीटों को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच दिखी तानातनी

-सपा की 11 सीटों को कांग्रेस ने बताया हास्यास्पद

लखनऊ (एजेंसी)। पीएम मोदी को सत्ता से हटने के लिए बना इंडिया गठबंधन में इनदिनों सबकुछ ठीक नहीं है। इस कारण है कि उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच तनातनी देखने को मिल रही है। सपा द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस को 11 सीटें देने और 16 उम्मीदवारों के नाम के ऐलान पर कांग्रेस ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि स्वाभाविक रूप से, हम सभी को पहले एक आम सहमति पर आना होगा, इस बात पर आम सहमति है कि भारतीय जनता पार्टी को हराना है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम उन्हें कैसे हराएंगे, इसके लिए हम सभी को सहमत होना होगा चाहे वह किसी भी मामले में हो। हमें समय-समय पर समन्वय बनाते रहना होगा।

कांग्रेस नेता पांडे ने कहा कि अगर सपा कहती है कि उन्होंने कांग्रेस को सीटें दीं तब यह हास्यास्पद है। अगर कोई राष्ट्रीय पार्टी उनके साथ समझौता कर रही है, तब हमारी भी अपनी एक पहचान है। उन्होंने कहा कि अगर आज भी किसी को इसकी कमी लगती है, तब मैं समझता हूं कि उसे गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। कांग्रेस हमेशा से मजबूत रही है, कभी-कभी इसमें कुछ ढिलाई भी आई होगी, लेकिन आने वाले सालों में आप इस एक बड़ी ताकत के रूप में उभरता हुआ देख सकते है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर सपा या कोई अन्य पार्टी कहती है कि उन्होंने कांग्रेस को सीटें दी हैं, तब मुझे नहीं पता कि मैं इस पर क्या टिप्पणी करूं, ये अपने आप में हास्यास्पद बातें हैं। कोई भी एकतरफा फैसला नहीं होता है, गठबंधन में शामिल सभी लोग एक साथ आते हैं और सर्वसम्मति से उस बात की घोषणा करते है। उन्होंने कहा कि आज भी हमारे मन में समाजवादी पार्टी के प्रति पूरा सम्मान है और बहुत सकारात्मक चर्चा चल रही है, लेकिन इस तरह के ट्वीट या ऐसी खबरें या प्रेस में दी जा रही ऐसी बातें निश्चित तौर पर सवालिया निशान खड़ा करती हैं। पांडे ने कहा कि अगर यह खुलेआम दिख रहा है कि समाजवादी पार्टी गठबंधन का पालन नहीं कर रही है, तब ऐसा ही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट कैंसिल होने पर जमकर हुआ हंगामा, नाराज पैसेंजर्स ने लगाए- इंडिगो चोर है के नारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हवाईअड्डे पर भारी अराजकता फैल गई, जब यात्रियों ने देवघर जाने वाली उड़ान रद्द करने के बाद इंडिगो एयरलाइन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और नारे लगाए। उड़ान दिल्ली हवाईअड्डे के टर्मिनल 2 से उड़ान भरने वाली थी। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में यात्रियों के एक समूह को इंडिगो चोर है, 'इंडिगो हाय हाय' और 'बंद करो बंद करो' जैसे नारे लगाते हुए सुना जा सकता है। यह घटना विमानन नियामकों - नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीसीजीए) और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) द्वारा एयरलाइन को कई देरी के बाद खींचे जाने के कुछ ही हफ्तों बाद हुई है, जिससे बड़े पैमाने पर अराजकता हुई। इंडिगो तब सुर्खियों में आया जब यात्रियों के एक समूह का मुंबई हवाई अड्डे के टरमैक पर बैठकर खाना खाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो एयरलाइन और मुंबई हवाई अड्डे पर क्रमशः रू.1.20 करोड़ और रू.90 लाख का भारी जुर्माना लगाया।

इस बीच, घने कोहरे के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर खराब दृश्यता के कारण इंडिगो ने बुधवार को कई उड़ानें रद्द कर दीं और उनमें देरी हुई। यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी करते हुए इंडिगो ऑन एक्स ने कहा, अनुमानित खराब मौसम के कारण दिल्ली, श्रीनगर और चंडीगढ़ में उड़ान संचालन प्रभावित होने की संभावना है। कृपया हवाईअड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच कर लें। राष्ट्रीय राजधानी में लगातार तीसरे दिन घने कोहरे की मोटी परत छाई रही, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई और उड़ान सेवाएं प्रभावित हुईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डे पर सुबह शून्य दृश्यता दर्ज की गई। आईजीआई हवाईअड्डे ने भी यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी करते हुए कहा, हालांकि दिल्ली हवाईअड्डे पर लैंडिंग और टेकऑफ़ जारी है, लेकिन जो उड़ानें सीएटी ढ्ढढ्ढ के अनुरूप नहीं हैं, वे प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अद्यतन उड़ान जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। किसी भी असुविधा के लिए गहरा खेद है।

ईडी ने पांचवी बार 2 फरवरी को केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली । दिल्ली शराब घोटाला केस में फिर से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी ने समन किया है। आबकारी घोटाला मामले में ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पांचवीं बार समन जारी कर 2 फरवरी को पूछताछ में शामिल होने को कहा है। इसके पहले ईडी ने चार समन जारी कर चुकी हैं। चारों बार केजरीवाल जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए थे। इसके पहले दिल्ली शराब कांड में केजरीवाल को चौथे समन के तहत ईडी ने 18 जनवरी को पूछताछ में शामिल होने के लिए बुलाया था। केजरीवाल को तीसरा समन 3 जनवरी के लिए भेजा गया था। वहीं, पिछले साल दो नवंबर और 21 दिसंबर को भी अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए पेश होने के लिए कहा गया था। चारों समन में वह जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए थे।

ममता ने कांग्रेस पर लगाया भाजपा की मदद का आरोप, बोलीं- एक भी सीट साझा नहीं करेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में गठबंधन के लिए तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व को मनाने की कांग्रेस पार्टी की कोशिशों के बीच, ममता बनर्जी ने बुधवार को मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व वाली पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि सीपीआई (एम) के साथ उनका गठबंधन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मजबूत करेगा। एक टिप्पणी में, जिसने वास्तव में राज्य में इंडिया गुट को ख़त्म करने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उनकी दो सीटों की पेशकश को अस्वीकार कर दिया। ममता बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस के पास राज्य विधानसभा में एक भी विधायक नहीं है। मैंने उन्हें दो लोकसभा सीटों की पेशकश की, दोनों मालदा में, लेकिन वे और अधिक चाहते थे। इसलिए, मैंने उनसे कहा कि मैं उनके साथ एक भी सीट साझा नहीं करूंगी। सीपीआई (एम) उनकी नेता है... क्या वे सीपीआई (एम) की यातनाओं को भूल गए हैं? ममता बनर्जी ने कहा कि वह वाम दल को कभी माफ नहीं कर पाएंगी क्योंकि उन्होंने पश्चिम बंगाल के लोगों पर अत्याचार किया है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि मैं सीपीआई (एम) को कभी माफ नहीं करूंगा।' मैं उन लोगों को भी माफ नहीं करूंगा जो सीपीआई (एम) का समर्थन करते हैं... क्योंकि ऐसा करके वे वास्तव में भाजपा का समर्थन करते हैं। पिछले पंचायत चुनाव में मैंने देखा है। बनर्जी ने कहा कि अगर मालदा से कांग्रेस के पूर्व दिग्गज दिवंगत गनी खान चौधरी के परिवार से कोई चुनाव लड़ता है तो उन्हें 'कोई आपत्ति नहीं' है। उन्होंने कहा कि वे (कांग्रेस) भाजपा को मजबूत करने के लिए सीपीआई (एम) के साथ मिलकर लड़ेंगे... केवल टीएमसी ही राज्य में भाजपा से राजनीतिक रूप से लड़ने में सक्षम है।

रामलला के खिलाफ अनशन, सुरन्या अय्यर के खिलाफ सोसायटी का एक्शन, मांफी मांगे या सोसायटी छोड़ दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर के खिलाफमें बयानबाजी करना और अनशन रखना कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की बेटी को महंगा साबित हो रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की बेटी सुरन्या अय्यर जिस सोसाइटी में रहती हैं, वहां से उन्हें निकलने को कहा गया है। दरअसल, कांग्रेस नेता की बेटी सुरन्या अय्यर ने राम मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के विरोध में तीन दिन का अनशन किया था। आरोप है कि उन्होंने सनातन धर्म के खिलाफ फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट किया था।

इसकारण सुरन्या के खिलाफ उनकी सोसाइटी की आरडब्ल्यूए ने एक्शन लिया है। आरडब्ल्यूए ने नोटिस जारी कर मणिशंकर और उनकी बेटी सुरन्या को पत्र लिखकर माफी मांगने को कहा है। आरडब्ल्यूए का कहना है कि दोनों या सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंज्नहीं सोसाइटी छोड़कर चले जाएं। दरअसल, मणिशंकर अय्यर की बेटी दिल्ली के जंगपुरा इलाके में रहती हैं। सोसाइटी के एक्शन पर सुरन्या ने फेसबुक पर अपना बयान जारी कर कहा, यह बयान मेरे फास्ट के बारे में एक टेलीविजन कहानी के संबंध में है। सबसे पहले संबंधित रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन जिस कॉलोनी से है, वहां मैं रहती ही नहीं हूं। दूसरा, मैंने फ्लिहाल मीडिया से बात न करने का फैसला किया है, क्योंकि अभी भारत में मीडिया केवल जहर और भ्रम फैला रहा है। आप मुझे जानते हैं। मैंने भारत में अब तक अपनी सारी उम्र (लगभग 50 वर्ष) के दौरान सभी राजनीतिक दृष्टिकोण के लोगों के साथ बड़ी हुई हूं, पढ़ी हूं, काम किया। फ्लिहाल मैं अपनी बातें अपने फेसबुक और यू-ट्यूब पेजों पर ही छोड़ूंगी ताकि आप स्वयं, शांति से, इसके बारे में सोच सकें। आइए हम गाली-गलौच के बजाय, कुछ सोचने का प्रयास करें, जय हिन्द!

दरअसल, जब अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी, तब मणिशंकर अय्यर की बेटी सुरन्या ने अनशन किया था। इसकी वजह से सोसाइटी के लोग नाराज दिख रहे थे। सुरन्या ने कहा था कि उन्होंने अपने मुस्लिम भाइयों के लिए अनशन किया था। इसके बाद से ही सोसाइटी के लोग उनके खिलाफएक्शन की मांग कर रहे थे।

बीते 12 वर्षों में जनवरी में सबसे ज्यादा ठंडी रही दिल्ली, उत्तर भारत में घना कोहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में लोगों को ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का कहर भी झेलना पड़ रहा है। दिल्ली एनसीआर में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) भी 350 के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह जनवरी 12 साल में सबसे ठंडी है। आईएमडी का अनुमान है कि मंगलवार को मौसम की स्थिति खराब रहेगी, बुधवार और गुरुवार को हल्की बारिश होने की संभावना है, जिससे दिन के तापमान में और गिरावट आएगी। मौसम की मौजूदा खराबी के कारण रेल और उड़ान संचालन में देरी हो रही है, जबकि घने कोहरे के कारण खराब दृश्यता के कारण सुबह और रात के दौरान सड़क यात्रा को असुरक्षित माना गया है।

उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में भीषण कोहरे की स्थिति बनी हुई है, जिससे दृश्यता प्रभावित हो रही है और परिवहन बाधित हो रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर पश्चिमी राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में बहुत घने कोहरे की सूचना दी है, जिसमें गंगानगर में केवल 25 मीटर की दृश्यता दर्ज की गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। राष्ट्रीय राजधानी में, कोहरे की मोटी परत ने शहर को ढक लिया, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई और आईएमडी को कुछ क्षेत्रों के लिए कोल्ड डे अलर्ट जारी करना पड़ा। न्यूनतम तापमान 6।8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली में पालम और सफदरजंग जैसे प्रमुख स्थानों पर दृश्यता 500 मीटर दर्ज की गई। अन्य प्रभावित क्षेत्रों में पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश शामिल हैं, जहां मध्यम से हल्का कोहरा छाया रहा।

स्थिति पर प्रतिक्रिया करते हुए, आईएमडी ने 31 जनवरी और 1 फरवरी दोनों को दिल्ली में हल्की बारिश की आशंका जताई है, क्योंकि दूसरा पश्चिमी विक्षोभ मैदानी इलाकों में पहुंच रहा है। इसके अतिरिक्त, 29 जनवरी से 3 फरवरी तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बारिश की संभावना है, जिससे उत्तरी क्षेत्रों में व्यापक वर्षा होगी, खासकर 30 और 31 जनवरी को। 3 फरवरी तक जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश सहित क्षेत्रों में मध्यम बारिश या बर्फबारी की भविष्यवाणी की गई है। विशेष रूप से, 30 और 31 जनवरी को कश्मीर में भारी बारिश या बर्फबारी की उम्मीद है, हिमाचल के लिए भी ऐसी ही स्थिति का अनुमान है। 31 जनवरी को प्रदेश। 31 जनवरी से 2 फरवरी तक उत्तराखंड, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्लीवासियों की मंगलवार की सुबह घने कोहरे और सर्द सुबह के साथ हुई और न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के पूर्वानुमान से पता चला है कि मंगलवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि कोहरे के कारण सुबह साढ़े पांच बजे पालम और सफदरजंग में दृश्यता कम होकर 50 मीटर रह

गई, इससे उड़ान और ट्रेन परिचालन बाधित हुआ। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने मंगलवार सुबह 6 बजे यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की। मौसम विज्ञानी ने कहा, सुबह 9 बजे, पालम और सफदरजंग में दृश्यता लगातार 50 मीटर तक कम हो गई। इसके अलावा, शहर भर के कई स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार क्षेत्र में सुबह 9 बजे पीएम2.5 का स्तर 355 पर बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया और पीएम10 233 या खराब पर पहुंच गया।

एलियन के हमलों से खुद को बचा नहीं पाएगा अमेरिका

-अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस ने बयान में किया साफ

वॉशिंगटन । हाल ही अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस (डीओडी) एक बयान में साफ किया है कि अमेरिका एलियन अगर हमला करता है तो वह ऐसे हमलों से खुद को बचा नहीं पाएगा। यह बयान अमेरिका को अनआइडेंटिफाइड एनामोलस फिनोमिना (यूएपी), जिसे पहले यूएफओ कहा जाता था, के संभावित खतरों की प्रतिक्रिया करने की क्षमता का विश्लेषण करने के बाद दिया गया है। यहां यह जानना जरूरी है कि अमेरिकी रक्षा विभाग, पैंटागन ने जुलाई 2022 में ऑल डोमेन एनामोली रिजोल्यूशन ऑफिस (आरो) का गठन ऐसे ही मामलों के लिए किया था। अब ऑफिस ऑफ इंस्पैक्टर जनरल ने साफ किया है कि अभी अमेरिका में एलियन के हमले से निपटने की पर्याप्त क्षमता नहीं है।यह बयान पिछले साल अगस्त में जारी इवैल्नयूश न ऑफ डीओडी एक्शन्स रिगार्डिंग अनआइडेंटिफाइड एनामोलस फिनोमिना नाम की क्लासिफाइड रिपोर्ट के सारांश के आधार पर दिया गया है। बयान के मुताबिक डीओडी एलियन से पैदा हुए किसी भी तरह के खतरे से निपटने लिए सक्षम नहीं है। यह साफ तौर पर स्वीकार किया गया है कि डीओडीमें ऐसे सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एलियन की ओर से आए खतरे से निपटने के लिए व्यापक और सयोंजक तरीका नहीं है। यह सारांश इसलिए जारी किया गया है जिससे लोगों को पारदर्शिता के तौर पर पता हो कि इस मुद्दे पर क्या स्थिति है। इंस्पेक्टर जनरल रॉबर्ट पी स्टोर्च का कहना है कि इस तरह के बयान देने का मकसद अमेरिकी लोगों के प्रति सही पारदर्शिता बनाए रखना है। उन्होंने बताया कि इंटेलिजेंस, काउंटर इंटेलिजेंस, प्रक्रियाएं, नीतियां आदि से संबंधित भूमिकाएं, जिम्मेदारियां, जरूरतों, और संयोजन आदि निर्धारित करने की जरूरत है। इससे पता चलता है कि अमेरिका अपने खिलाफ किसी भी तरह से खतरे से निपटने के लिए कितना गंभीर है। ओआईजी ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय को इसके लिए जरूरी नीतिगत सुझाव भी दिए हैं जिससे इस तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए क्या क्या किया जाना चाहिए।

भारतीय मूल के युवक की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

ओटावा । कनाडा के एक शहर में भारतीय मूल के एक युवक की हत्या करने के आरोप में एक किशोर को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार पुलिस मामले की जांच में मदद के लिए अन्य तथ्य जुटाने और वीडियो फुटेज खंगालने में लगी हुई है। कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन शहर में रहने वाले 18 वर्षीय निशान थिंड को पिछले वर्ष 19 दिसंबर को वहां के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में पुलिस को जानकारी दी गई कि अस्पताल पहुंचने के बाद उसकी मौत हो गई। पील क्षेत्रीय पुलिस ने एक बयान में बताया, उसे किसी अज्ञात स्थान व समय पर गोली मारी गई और बाद में अस्पताल में छोड़ दिया गया था। बयान के मुताबिक, थिंड की मौत के बाद पील क्षेत्रीय पुलिस के होमिसाइड ब्यूरो के कर्मियों ने नौ जनवरी को ब्रैम्पटन के एक घर पर छापेमारी की और बाद में 18 वर्षीय प्रीतपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं तथ्यों की जांच के बाद उसपर अपराध को अंजाम देने के लिए मुकदमा दर्ज किया गया। ब्रैम्पटन की ओंटारियो कोर्ट ऑफ जस्टिस के समक्ष पेश करने से पहले उसे पुलिस ने हिरासत में रखा था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, गोली चलाने वाला संदिग्ध ब्रैम्पटन का रहने वाला 16 वर्षीय एक किशोर है जो हत्या के मामले में कनाडा में भी वांटेड अपराधी है।

मालदीव के अभियोजक जनरल को बदमाशों ने बेरहमी से मारा चाकू

माले । मालदीव के अभियोजक जनरल हुसैन शमीम को अज्ञात बदमाशों ने बेरहमी से चाकू मार दिया है। मिली जानकारी के अनुसार शमीम की नियुक्ति मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने की थी, जो पिछले साल नवंबर तक सरकार में थी और वर्तमान में विपक्षी पार्टी है। शमीम पर यह हमला तब हुआ जब हाल के दिनों में सड़क पर गिरोह द्वारा मालदीव के कई सांसदों को निशाना बनाया गया है। यह घटनाक्रम होते ही मालदीव की संसद में अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले जब सांसदों ने मारपीट की और मुइज्जू के कैबिनेट मंत्रियों के लिए संसदीय मंजूरी लेने के लिए बुलाए गए विशेष सत्र को बाधित कर दिया। पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) और प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसद एमडीपी से भिड़ गए। बता दें ?कि मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारत के मौजूदा उम्मीदवार इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हराया था। 17 नवंबर को मालदीव के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के तुरंत बाद, मुइज्जू ने औपचारिक रूप से भारत से 15 मार्च तक अपने देश से 88 सैन्य कर्मियों को वापस लेने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मालदीव के लोगों ने उन्हें नई दिल्ली से यह अनुरोध करने के लिए मजबूत जनादेश दिया था।

रेगिस्तान में इस मालगाड़ी का 16 घंटे का सफर रोमांचक

मॉरिटानिया । रेगिस्तान में एक मालगाड़ी का 16 से 20 घंटों का सफर किसी रोमांचक रेल यात्रा से कम नहीं होता है। पश्चिम अफ्रीका के मॉरिटानिया में लोहे की खदानों के लिए चलने वाले इकलौते यातायात साधन के रूप में चलने वाली ट्रेन के सफर को लोग अलग तरह से मजा लेते हैं। लेकिन ये सफर मुश्किलों से भरा भी है। सहारा रेगिस्तान में एक लंबी मालगाड़ी की यात्रा को अनोखा ही कहा जा सकता है। गाड़ी में सफर करना अपने आप में एक यादगार अनुभव है। मालगाड़ी होने के बाद भी इसमें लोग सफर करते हैं और परेशानियां होने के बाद भी इसका अपना रोमांच है। मॉरिटानिया रेलवे 1963 से पश्चिम अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान से लौह खनिज को ढोने का काम कर रही है। 704 किमोमीटर लंबा एकल ट्रैक नौआदिबौ शहर से जोएरात की खानों तक जाता है। एक ओर के सफर में 16 से 20 घंटों का समय लगता है और यह कई बार लंबा भी हो जाता है। ट्रेन के बारे में रोचक बात यहां हैं कि इसके आने जाने का समय तय नहीं है, लेकिन यह हमेशा दोपहर के समय आती है और यात्री नौआधिबौ स्टेशन पर एक बजे से लेकर 5 बजे तब इंतजार करते दिखाते हैं। यहां पर लोग खाने के सामान जैसे की चावल, सब्जियों, खजूर पेय पदर्थों की बोतलें आदि ट्रेन में चढ़ाते हैं। लोहे की खदानों के पास हजारों लोग रहते हैं लेकिन यातायात के लिए केवल रेल पर निर्भर हैं। क्योंकि देश के दूसरे हिस्सों को जोड़ने का कोई दूसरा साधन नहीं है। इसके बाद भी ट्रेन का मकसद लौह खनिज को नौआधिबौ तक ढोना है जहां से वह चीन, यूरोप और अन्य देशों को जाता है। लौह खनिज मॉरिटानिया का सबसे अहम खनिज है। ट्रेन देश का आधे निर्यात के लिए जिम्मेदार है। अधिकांश लोग समूह में सफर के दौरान खाना बनाने का सामान तक लेकर साथ चलते हैं। इतना ही नहीं खुले डिब्बे में ही खाना बनाते हैं। डिब्बे के एक ओर आग जलाने की व्यवस्था करते हैं और दूसरे ओर रेत की बोरियां लगाकर टायलेट बना लेते हैं। सफर के दौरान यात्रियों को सबसे कठिन चुनौती उड़ने वाली धूल और लोहे के खनिज के कण होते हैं, जो आंख में चले जाते हैं। ट्रेन की आवाज में सोना तब बिल्कुल भूल जाईये है। ऐसा खास तौर से जाते समय होता जब डिब्बे खाली होते हैं और ट्रेन तेज चलती है इससे धूल ज्यादा आती है डिब्बे भी ज्यादा ही हिलते हैं। बहुत से लोगों के लिए यह सफर उनके काम का हिस्सा है और वे हर महीने कई बार इसका सफर करते हैं। फिर भी वे इस सफर को हर बार पूरे जोश और उत्साह के साथ रोमांचक बना देते हैं।

कालालंपुर में सुल्तान ऑफ जोहर इब्राहित इस्कांदार मलेशिया के 17 वें किंग की शपथ लेते हुए।

एच-1बी वीजा के लिए अमेरिकी प्रशासन ने किए बड़े बदलाव

वाशिंगटन। अमेरिका की ओर से एच-1बी वीजा के लिए लॉटरी के माध्यम से चयन प्रक्रिया में बड़े बदलाव की घोषणा की है। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025 के लिए वीजा आवेदन जमा करने की प्रक्रिया छह मार्च से शुरू होगी। एक अमेरिकी संघीय एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। एच-1बी वीजा एक गैर-प्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी श्रमिकों को विशेष व्यवसायों में नियुक्त करने की अनुमति देता है जिनके लिए सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस पर निर्भर रहती हैं। नई व्यवस्था के तहत कई तरह के प्रावधान किए हैं, जिसमें नियोक्ताओं द्वारा पंजीकरण के लिए लाभार्थी-केंद्रित चयन प्रक्रिया का प्रावधान भी शामिल है। अतीत में अगर किसी व्यक्ति द्वारा एक से अधिक बार आवेदन किए जाने पर व्यवस्था में हेराफेरी की आशंका रहती थी, लेकिन एच-1बी वीजा के लिए आवेदन अब व्यक्तिगत आवेदकों के आधार पर गिने और स्वीकार किए जाएंगे। यहां तक कि अगर एक व्यक्ति विभिन्न कंपनी के लिए कई आवेदन जमा करता है, तब उन्हें पासपोर्ट नंबर जैसे व्यक्तिगत परिचय पत्र के आधार पर एक आवेदन के रूप में गिना जाएगा। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने भी नए नियमों की घोषणा की है, जिसका मकसद एच-1बी पंजीकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता को बढ़ाना और हेराफेरी की संभावना को कम करना है। संघीय एजेंसी ने कहा कि नयी व्यवस्था से पंजीकरण प्रणाली में हेराफेरी की आशंका कम रहेगी और यह सुनिश्चित करना आसान होगा कि प्रत्येक लाभार्थी को चयनित होने का समान अवसर मिले।

पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान का राजनीतिक करियर किया खत्म !

तोशाखाना मामले में मिया-बीबी को दी 14 साल की जेल सहित ये सजा

न्यूयार्क (एजेंसी)। पाकिस्तान की भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने बुधवार को तोशाखाना मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 14 साल कैद की सजा सुनाई। पाकिस्तानी समाचार आउटलेट डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, दंपति को 10 साल की अवधि के लिए किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने से रोक दिया गया है और उन पर 787 मिलियन पीकेआर का जुर्माना लगाया गया है। यह एक दिन बाद आया है, जब पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने इमरान खान और पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद को राज्य के रहस्यों के उल्लंघन के लिए 10 साल की कैद की सजा सुनाई थी।

तोशाखाना मामले में फैसला आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गठित पाकिस्तान की विशेष अदालत द्वारा इमरान खान और पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरेशी को राज्य की गोपनीयता के उल्लंघन के लिए 10 साल जेल की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद आया है। इस साल जनवरी में पाकिस्तान की भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी को तोशाखाना मामले में दोषी ठहराया था। मामले की सुनवाई रावलपिंडी की अदियाला जेल में हुई, जहां खान को कैद में रखा गया है। इमरान खान और बुशरा बीबी के खिलाफ मामला पाकिस्तान की भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा दायर किया गया था।

तोशाखाना मामला इस आरोप से संबंधित है कि इमरान खान ब्रिटिश सरकार द्वारा दिए गए 19 मिलियन पाउंड या 24,08,06,950 डॉलर जमा करने में विफल रहे। उन्होंने एक प्रॉपर्टी टाइकून को सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाए गए 460 अरब रुपये के जुर्माने के खिलाफ उक्त राशि को आंशिक रूप से समायोजित करने के लिए इसका उपयोग करने की अनुमति दी। इमरान खान और बुशरा बीबी के अलावा, प्रॉपर्टी डेवलपर मलिक रियाज हुसैन, उनके बेटे रियाज आलिया, इमरान खान के पूर्व सहयोगी शहजाद अकबर और जुल्फिकार बुखारी के साथ-साथ बीबी की दोस्त फराह गोगी और वकील जिया मुस्तफा भी इस मामले में सह-आरोपी हैं।

कोकीन निर्यात के मामले में ब्रिटिश-भारतीय जोड़े को 33 साल की जेल

-मनी लॉन्ड्रिंग सहित ऑस्ट्रेलिया को आधा टन कोकीन निर्यात का लगा था आरोप

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया को कोकीन निर्यात के मामले में आरोप सिद्ध होने पर ब्रिटिश-भारतीय जोड़े को 33 साल की जेल हुई है। जानकारी के अनुसार भारतीय मूल के एक जोड़े ने आधा टन से अधिक कोकीन निर्यात की थी। इसके साथ ही मनी ंग के भी आरोप लगे हैं। 59 वर्षीय आरती धीर और 35 वर्षीय कवलजीतसिंह रायजादा, जिनके प्रत्यर्पण की मांग भारत ने गुजरात में उनके दत्तक पुत्र की हत्या के आरोप में की थी, को सोमवार को कोकीन निर्यात के 12 मामलों और मनी लॉन्ड्रिंग के 18 मामलों में दोषी ठहराया गया था। साउथवार्क क्राउन कोर्ट में एक सुनवाई के दौरान, अभियोजक ह्यू फ्रेंच ने दंपति की कार्यप्रणाली की तुलना अपराध नाटक ओज़ार्क और ब्रेकिंग बैड से की। फ्रेंच ने निर्दयी और लालची जोड़ी को औसत विवाहित जोड़े से बहुत अलग बताया है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार यह 25 साल की उम्र का अंतर नहीं है, जो अलग है, यह तथ्य है कि वे अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध की दुनिया में काम करते थे। मई 2021 में सिडनी पहुंचने पर ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल द्वारा कोकीन पकड़े जाने के बाद राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) के जांचकर्ताओं ने धीर और रायजादा की पहचान की थी। धातु के छह टूलबॉक्स में 514 किलो कोकीन मिली थी। अधिकारियों को पता चला कि यह खेप धीर और रायजादा के पास थी, जिन्होंने ड्रग्स की तस्करी के एकमात्र उद्देश्य के लिए विफ्लाई फ्रेट सर्विसेज नामक कंपनी बनाई थी। एनसीए ने जारी एक बयान में कहा कि दोनों प्रतिवादी जून 2015 में कंपनी के गठन के बाद से अलग-अलग समय पर कंपनी के निदेशक रहे हैं। जब्त की गई ड्र?स वाले धातु टूलबॉक्स के प्लास्टिक रैपिंग पर रायजादा की उंगलियों के निशान पाए गए, जबकि 2855 पाउंड मूल्य के टूलबॉक्स के ऑर्डर की रसीदें दंपति के घर से मिलीं। एनसीए ने दावा किया कि जून 2019 से ऑस्ट्रेलिया को 37 खेप भेजी गई हैं, इनमें से 22 नकली रन थीं और 15 में कोकीन थी। अपराध एजेंसी के अनुसार, हवाई अड्डे की माल ढुलाई प्रक्रियाओं के बारे में अपनी जानकारी का दोनों ने अपनी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किया। एनसीए के वरिष्ठ जांच अधिकारी पियर्स फिलिप्स ने कहा कि आरती धीर और कवलजीतसिंह रायजादा ने यूके से ऑस्ट्रेलिया तक लाखों पाउंड मूल्य की कोकीन की तस्करी के लिए हवाई माल ढुलाई का इस्तेमाल किया।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने निक्की हेली पर युद्ध समर्थक होने का आरोप लगाया

वाशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी की नेता एवं पार्टी की राष्ट्रपति पद की दावेदारी की दौड़ में शामिल होने वाली भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली पर अपना हमला तेज कर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनाव प्रचार अभियान टीम ने हेली पर युद्ध समर्थक होने का भी आरोप लगाया है। वहीं, हेली ने ट्रंप पर निशाना साधकर 'अमेरिका को फिर से सामान्य बनाएं का नया नारा गढ़ दिया। ट्रंप की चुनाव प्रचार अभियान टीम के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने कहा, तथ्य यह है कि हेली को पता है कि उनके पास इस बात के लिए कोई ठोस तर्क या कोई सुसंगत कारण नहीं है कि उन्हें राष्ट्रपति क्यों बनना चाहिए। लेकिन मतदाता यह जानते हैं कि वह एक युद्ध समर्थक हैं, जो अमेरिका को अंतहीन युद्धों में झोंकना पसंद करेंगी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आयोवा और न्यू हैम्पशायर में पहली दो रिपब्लिकन प्राइमरी जीत ली है और दक्षिण कैरोलाइना में 30 प्रतिशत से अधिक अंकों से आगे हैं, जहां 23 फरवरी को प्राइमरी चुनाव होना है। दक्षिण कैरोलाइना से दो बार की गवर्नर हेली (51) की लोकप्रियता उनके गृह राज्य में धीरे-धीरे बढ़ रही है जहां उन्हें काफी मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है।

बंदरों के आतंक से परेशान नेपाल संसदीय समिति करेगी भारत का दौरा

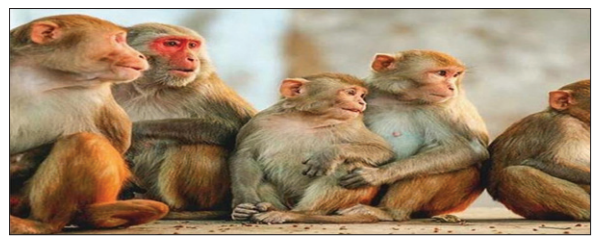

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में 'बंदरों के आतंक' के बारे में चिंताएं व्यक्त करने के बाद नेपाली सांसदों और डॉक्टरों की एक टीम बंदरों की आबादी को नियंत्रित करने का अध्ययन करने के लिए भारत का दौरा करेगी। मीडिया की एक खबर में बुधवार को यह बात कही गई। 'माइ रिपब्लिका' समाचार पोर्टल की खबर के अनुसार इस दौरे से पहले कृषि, सहकारी और प्राकृतिक संसाधन समिति के सदस्यों ने संसदीय बैठकों में ''बंदरों के आतंक' के मुद्दे को उठाया और नियंत्रण उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया था। इसमें कहा गया है कि भारत सरकार इस यात्रा में सहायता करेगी।

दस पशु चिकित्सकों और पांच वन रेंजर के साथ, समिति बधियाकरण के माध्यम से बंदरों की आबादी को नियंत्रित करने संबंधी अध्ययन के लिए हिमाचल प्रदेश की यात्रा करेगी। वर्ष 2016 में हिमाचल प्रदेश ने पहली बार बंदरों को एक साल के लिए ''नाशक जीव' घोषित किया, जिससे इस दौरान बंदरों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए उन्हें मारने की अनुमति मिल गई। सरकार ने 2021 तक कम से कम चार बार अनुमति की समय सीमा बढ़ाई। खबर में कहा गया है कि नेपाली प्रतिनिधि सभा की एक अन्य समिति के सदस्य संसदीय संवाद और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को भारत पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति के सदस्य सात फरवरी को नेपाल लौटेंगे। 11 सदस्यीय इस समिति में आठ सांसद हैं।

अमेरिका में बढ़ रहे हैं नास्तिक, नहीं मानते किसी भगवान को

वाशिंगटन (एजेंसी)। प्यू रिसर्च सेंटर के ताजा सर्वे में अमेरिका के 28 फीसदी लोगों ने खुद को किसी धर्म से जुड़ा नहीं बताया और नन की कैटेगरी सिलेक्ट की। इस कैटेगरी में नास्तिक (जो किसी भगवान को नहीं मानते) और अज्ञेयवादी या एग्नोस्टिक्स (ऐसे लोग जिनका किसी एक धर्म या भगवान पर भरोसा नहीं है) शामिल हैं। मतलब है कि अमेरिका की एक चौथाई से ज्यादा आबादी किसी धर्म को नहीं मानती। पिछले दो दशक में किसी धर्म को न मानने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। प्यू रिसर्च सेंटर की ताजा रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। 24 जनवरी को जारी की गई इस रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की 28फीसदी आबादी किसी धर्म को नहीं मानती। जबकि 1990 में हुए सर्वे में 90फीसदी लोग ईसाई धर्म को मानते थे।

प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे में जिन 28फीसदी लोगों ने खुद को किसी धर्म को न मानने वाला बताया, उनमें से 17फीसदी ने खुद को नास्तिक बताया। जबकि 20फीसदी ने अग्नोस्टिक्स और 63फीसदी ने कहा कि उनका किसी एक चीज पर भरोसा नहीं है। एक तरीके से कुल 19 फ़ीसदी लोग ऐसे हैं जो किसी भगवान या किसी असीम ऊर्जा को नहीं मानते। वह इस बात में भरोसा भी नहीं करते कि इंसान की कोई आत्मा जैसी चीज होती है और इस दुनिया से अलग भी स्वर्ग-नर्क जैसी कोई चीज है। तो किसी धर्म को न मानने की क्या वजह है? प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक जिन लोगों ने खुद को कोई धर्म न मानने वाला बताया, उनमें से 43 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि धर्म समाज को फायदा पहुंचाने की जगह नुकसान पहुंचा रहा है। जबकि 14 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि यह समाज के लिए अच्छा है। इसी तरह 41 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि धर्म, अच्छा और बुरा दोनों है।

अमेरिका ही नहीं दुनिया भर में किसी धर्म को न मानने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। गैलप इंटरनेशनल सर्वे की एक रिपोर्ट के मुताबिक स्वीडन दुनिया का ऐसा देश है जहां सबसे ज्यादा लोग नास्तिक हैं। इसके अलावा चीन, एस्टोनिया, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, जापान और चेक रिपब्लिक भी टॉप 10 नास्तिक देशों में शामिल हैं। अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में कम से कम 75 करोड़ लोग नास्तिक हैं।

किसी धर्म को न मानने की जो तीन सबसे बड़ी वजहें निकलकर सामने आईं, उनमें से सबसे पहला है- धार्मिक शिक्षा पर सवाल। दूसरा- धार्मिक संगठनों के प्रति नफरत और तीसरा जीवन में धर्म की आवश्यकता। प्यू रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक जिन 28 फ़ीसदी लोगों ने खुद को किसी धर्म से जुड़ा नहीं बताया, वे धार्मिक अमेरिकी लोगों के मुकाबले कम पढ़े लिखे हैं। हालांकि ओवरऑल आंकड़े देखें तो इन 28 फीसदी में से जो लोग नास्तिक और एग्नोस्टिक्स हैं, उन्होंने कम से कम उच्च शिक्षा हासिल की है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि पिछले कुछ सालों में जिस तरीके से वैश्वीकरण और औद्योगीकरण बढ़ा है, इसका व्यक्तिगत पसंद और नापसंद पर भी प्रभाव पड़ा है। इसने लोगों की पारंपरिक मान्यताओं, धार्मिक संगठनों पर विश्वास और भरोसे को कम किया है।

राष्ट्रपति अल्वी ने खोली पाकिस्तान की दुर्दशा की पोल, कहा-देश में तुरंत लागू हो 'शिक्षा आपातकाल'

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तानी राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी ने देश के लगातार बिगड़ते हालात की खुद ही पोल खोल दी है। अल्वी ने पाकिस्तान में नाकाम शिक्षा नीतियों की जमकर धज्जियां उड़ाईं और सुधार की तत्काल आवश्यकता पर बल देते हुए आधिकारिक तौर पर देश में ÷शिक्षा आपातकाल÷ की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक उथल-पुथल से लेकर बढ़ते कर्ज, आतंकवाद, चल रही सांप्रदायिक हिंसा और सामाजिक अस्थिरता जैसी कई चुनौतियों का सामना करते हुए, पाकिस्तान निम्न स्तर के शिक्षा मानकों की अतिरिक्त दुर्दशा का सामना कर रहा है।

उन्होंने जनवरी 2024 में विश्व शिक्षा दिवस के अवसर पर पाकिस्तान में लगभग 26 मिलियन स्कूल न जाने वाले बच्चों के नामांकन की वकालत की। राष्ट्रपति अल्वी ने स्कूलों की भारी कमी को रेखांकित किया, लगभग 50,000 शैक्षणिक संस्थानों की कमी का अनुमान लगाया, इस कमी के लिए शिक्षा के लिए धन के अल्प आवंटन को जिम्मेदार ठहराया। राष्ट्रपति अल्वी की चिंताओं के अनुरूप, संघीय शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के कार्यवाहक मंत्री, मदद अली सिंधी ने अपर्याप्त शिक्षा के परिणामों को सामाजिक पिछड़ेपन के मूल कारण के रूप में रेखांकित किया, जो गरीबी, अपराध, हिंसा और आतंकवाद के ऊंचे स्तर में योगदान देता है।

बता दें कि समकालीन संदर्भ में, पाकिस्तान गरीबी, असुरक्षा, सांप्रदायिकता और आतंकवाद सहित असंख्य चुनौतियों से जूझ रहा है। इन चुनौतियों की उत्पत्ति अपर्याप्त असहिष्णुता, सीमित सार्वजनिक जागरूकता और एक अप्रभावी शिक्षा प्रणाली द्वारा कायम व्यापक निरक्षरता से होती है। दुर्भाग्य से, पाकिस्तान में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को लगातार नजरअंदाज किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप जीवन के विभिन्न पहलुओं में अविकसितता हुई है। शिक्षा, जिसे एक उपेक्षित क्षेत्र माना जाता है, पाकिस्तान की स्थापना के बाद से इस क्षेत्र को आवंटित अल्प बजट से स्पष्ट है। इस अपर्याप्त वित्तीय सहायता ने शैक्षिक गुणवत्ता की नींव को कमजोर कर दिया है, जिससे एक ऐसी प्रणाली तैयार हो गई है जो देश को आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रूप से ऊपर उठाने में विफल रही है।

आधी सदी से अधिक समय बीतने और 25 से अधिक शैक्षिक नीतियों को अपनाने के बावजूद, शिक्षा प्रणाली राष्ट्र के सामने बढ़ती आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियों का अपर्याप्त समाधान करती है। पाकिस्तान की शिक्षा प्रणाली को प्रभावित करने वाली चुनौतियाँ कई प्रकार की हैं, जिनमें अपर्याप्त बजटीय आवंटन, नीति कार्यान्वयन में खामियाँ, एक त्रुटिपूर्ण परीक्षा प्रणाली, अपर्याप्त भौतिक सुविधाएँ, घटिया शिक्षक गुणवत्ता,

उपेक्षित शिक्षा नीति कार्यान्वयन, लक्ष्यहीन शैक्षिक दृष्टिकोण, कम नामांकन दर, बड़े पैमाने पर ड्रॉपआउट, राजनीतिक हस्तक्षेप शामिल हैं। एकजुटता की इस कमी ने सामाजिक ध्रुवीकरण को जन्म दिया है, जो राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक आधार पर विभाजन में योगदान दे रहा है। शिक्षा की इस विभाजित प्रणाली के परिणाम हाल ही में आतंकवाद में वृद्धि और बढ़ते सांप्रदायिक विभाजन के रूप में स्पष्ट हैं, जो देश की सामाजिक एकता के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है।

वर्ष 2024 की पहली हिन्दी 100 करोड़ी फिल्म बनी फाइटर

निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने एक बार फिर से वर्ष की पहली हिट फिल्म बॉलीवुड को देने में सफलता प्राप्त कर ली है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण के साथ उनकी फिल्म फाइटर इन दिनों थिएटर्स में धमाल मचा रही है। इंडिया की पहली एरियल एक्शन फिल्म कही जा रही फाइटर, जनता को बहुत प्रभावित कर रही है और इसका कमाल फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी नजर आ रहा है। गुरुवार को थिएटर्स में रिलीज हुई फाइटर ने शुरुआत तो उम्मीद से बहुत धीमी की थी, मगर फिल्म को मिले सॉलिड रिव्यूज और जनता का पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ पहले दिन से ही इसकी कमाई पर असर दिखाने लगे। शुक्रवार को गणतंत्र दिवस की छुट्टी वाले दिन फाइटर ने करीब 70% का जंप लिया। ऐसे बड़े जंप के बाद फिल्म ने शनिवार और रविवार को भी रफ्तार बनाए रखी और सॉलिड वीकेंड कलेक्शन किया।

पहले वीकेंड में 100 करोड़ पार पहुंची फाइटर

गुरुवार को 25 करोड़ रुपये से कम ओपनिंग करने वाली फाइटर ने शनिवार को 41.20 करोड़ का कलेक्शन किया। गणतंत्र दिवस के हॉलिडे ने फिल्म को बहुत मदद पहुंचाई। इतने बड़े दिन के बाद शनिवार को फिल्म ने 27.60 करोड़ कमाए और सॉलिड बनी रही। अब रविवार की ट्रेड रिपोर्ट्स कहती हैं कि फाइटर ने चौथे दिन 28 से 29 करोड़ रुपये के बीच कलेक्शन किया है। फाइनल आंकड़ों में कमाई, इस अनुमान से थोड़ी बहुत ज्यादा भी हो सकती है। यानी अब तक चार दिनों में फाइटर का नेट कलेक्शन 120 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है।

किरदार करते-करते बढ़ती है अभिनेता की समझ

काल्पनिक किरदार हो या किसी की बायॉपिक में उसे पर्दे पर जीवित करना हो, पंकज त्रिपाठी हमेशा उसकी चेतना और व्यक्तित्व को पकड़ने की कोशिश करते हैं। हाल ही में अभिनेता ने अटल बिहारी वाजपेयी की बायॉपिक की, जिसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के विचारों को पकड़ा। पंकज त्रिपाठी कहते हैं कि जो अटल है, अजर है, अमर है अगर उसी को पकड़ा जाए तो बेहतर है। एक कलाकार के रूप में कई तरह के किरदार करके अपनी समझ बढ़ाने वाले पंकज अध्यात्म की डोज के जरिए मन, दिमाग और विचारों की देखभाल करते हैं। अच्छी और सुकून भरी नींद के लिए दिमाग को थकाने वाले 'कड़क सिंह' से हमने उनकी जिंदगी, अध्यात्म, हालिया फिल्म से जुड़े कई सवाल किए, जिसके उन्होंने जवाब दिए।

किरदार करते-करते बढ़ती है अभिनेता की समझ

कुछ फिल्मों ने मुझ पर प्रभाव छोड़ा लेकिन सब नहीं छोड़ती हैं। 'ओह माय गॉड-2' ने मुझे बदला। अटलजी के व्यक्तित्व ने बदला। 'कड़क सिंह' ने भी मुझमें थोड़ी सी समझ बढ़ाई। किरदार करते-करते अभिनेता की समझ बढ़ती है। मैं अपना जीवन जी रहा होता हूं। ये किरदार मुझे मौका देते हैं कि तुम 10 जीवन और जी लो, उनका दुख समझ लो, उनकी सोच समझ लो, उनकी वेदना, करुणा, दया, संवेदना, गुस्सा, लोभ, प्रेम, ईर्ष्या समझ लो। मैं अपने साथ-साथ 10 और जीवनों का अनुभव पा रहा हूं। इससे मेरा जीवन तो शत-प्रतिशत बेहतर होगा ही।

दाएं हाथ से दान करें और बाएं हाथ को पता भी ना चले

हर इंसान की चुनौतियां अकेले की होती हैं। मैं अपने साक्षात्कारों में हौसले और धैर्य की हमेशा बातें करता हूं। मैं ये सब कहकर किसी की मदद ही कर रहा होता हूं। मैं अपने संघर्ष की कहानियों को कभी पीड़ा या सहानुभूति पाने के लिए नहीं सुनाता। मैं उस वक्त किसी एक को नहीं बल्कि हरेक को हौसला दे रहा होता हूं, जो निराश होते हैं। मैं उन्हें समझाता हूं कि असंभव कुछ नहीं। इसके अलावा, मैं यह भी कहता हूं कि खुद का मूल्यांकन करो। आप उस पेशे के काबिल हो या नहीं, इसे आपको खुद जानना होगा। फिर चाहे वो कोई भी क्षेत्र हो। निजी तौर पर मेरे साथ जो को-ऐक्टर काम करने आते हैं, मैं उनकी मदद करता हूं। वह अगर पहली बार कैमरे का सामना कर रहा है और वो छोटा रोल है तो भी मैं उसे सहज फील करवाता हूं।

'तुम मुझे नापसंद करते हो इसलिए मैं तुम्हें पसंद करता हूं'

पंकज त्रिपाठी बताते हैं कि फिल्म मैं अटल हूं में मैंने अटल जी की चेतना को पकड़ने की कोशिश की है। कहते हैं कि व्यक्ति समाप्त हो जाता है, लेकिन उसकी चेतना समाप्त नहीं होती। कृतित्व, व्यक्तित्व और विचार समाप्त नहीं होते। जो अटल है, अजर है और अमर है, अगर उसी को पकड़ा जाए तो बेहतर है। आप कह सकते हैं कि उनकी कविताओं की प्रेरणा से ही मैं अभिनेता बन गया हूं। मैं अभिनेता बनना चाहता था और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आता था। अटल जी की कविता 'हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा...' मुझे हमेशा प्रेरणा देती थी। मैं इस कविता पर अटल रहा और बन गया अभिनेता। रही बात अटलजी के किरदार से सीखने की तो वह मेरे अचेतन और अवचेतन मन में रहे हैं। इससे मुझमें बदलाव हुआ है। मैं सौम्य पहले भी था, लेकिन अब और ज्यादा सौम्य और लोकतांत्रित हो गया हूं। आप इसे इस एक लाइन से समझ लेंगे, 'तुम मुझे नापसंद करते हो, इसलिए मैं तुम्हें पसंद करता हूं।'

रवीना टंडन ने वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग की सफलता का मनाया जश्न

अभिनेत्री रवीना टंडन इन दिनों अपनी वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग की सफलता का जश्न मना रही। दर्शकों के साथ समीक्षकों ने भी इस वेब शो को खूब सराहा है। डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई कर्मा कॉलिंग में रवीना टंडन ने इंद्राणी कोठारी का किरदार निभाया है। सोमवार को इस सीरीज की पूरी स्टार कास्ट इसकी सफलता का जश्न मनाती नजर आई। टीजर रिलीज के बाद से ही कर्मा कॉलिंग चर्चा में बनी हुई थी। ट्रेलर सामने आने के बाद इस सीरीज को लेकर दर्शकों में खूब उत्साह देखने को मिला। इस सीरीज के एक-एक अपडेट पर फैंस की भारी प्रतिक्रिया भी देखने को मिली। 26 जनवरी 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर इसकी स्ट्रीमिंग शुरू हुई, जिसके बाद से इसे खूब पसंद किया जा रहा है। रवीना के अलावा इस सीरीज में नम्रता शेठ, विराफ पटेल, वरुण सूद, रचित सिंह, देवांग्शी सेन और गौरव शर्मा जैसे कालाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बॉलीवुड के रेड कार्पेट लुक्स पर सोनम का बड़ा बयान

सोनम कपूर अपनी फिल्मों के साथ साथ अपने स्टाइल और अलग अंदाज के लिए मशहूर हैं। दर्शकों को जितना उनकी फिल्मों का इंतजार रहता है, उतनी ही उत्सुकता उन्हें सोनम कपूर के रेड कार्पेट लुक्स को भी लेकर रहता है। सोनम को बॉलीवुड में स्टाइल आइकॉन के नाम से भी जाना जाता है। पिछले दिनों अभिनेत्री ने फैशन और अपने रेड कार्पेट लुक्स के बारे कई खुलासे किए।

बॉलीवुड में रेड कार्पेट लुक की शुरुआत

सोनम कपूर भारतीय प्रोडक्ट्स के अलावा दुनिया के कई बड़े ग्लोबल ब्रांड्स के लिए भी काम करती हैं। अवार्ड फक्शंस में वो किस अंदाज में दिखेंगी, दर्शकों के लिए ये हमेशा उत्सुकता जगाने वाला होता है। सोनम अपने रेड कार्पेट लुक्स के बारे में बात करते हुए कहती हैं, मैंने जब अपने करियर की शुरुआत की तब मुझे आइडिया नहीं था कि लोग मेरे लुक्स को नोटिस करेंगे। मैं अपने हिसाब से अवॉर्ड फक्शंस के लिए तैयार होकर आती थी। मुझ से पहले बॉलीवुड में रेड कार्पेट लुक्स ट्रेंड में भी नहीं था। इन पार्टियों के लिए मैं बस अलग से तैयार होकर आती थी। मुझे इतना पता था कि मैं सबसे अलग हूं।

बॉलीवुड में शाहरुख खान के साथ काम करने की योजना बना रहे हैं यश!

साउथ सुपरस्टार यश केजीएफ और केजीएफ 2 से अपनी नई पहचान बनाई। अब वे अपनी आने वाली फिल्म टॉक्सिक की तैयारी में व्यस्त हैं। वहीं अब यश ने कथित तौर पर शाहरुख खान के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की है और सितारों ने कथित तौर पर इसकी संभावना पर भी चर्चा की है। यश अपने काम को बॉलीवुड तक बढ़ा रहे हैं। कथित तौर पर अभिनेता ने नीतीश तिवारी की रामायण साइन की है। दावा किया गया है कि वह अपनी दूसरी बॉलीवुड फिल्म भी साइन करने की तैयारी में हैं। इन अफवाहों के बीच अब दावा किया गया है कि यश और शाहरुख एक फिल्म के लिए समझौता कर सकते हैं, लेकिन केवल एक चीज जो उन्हें रोक रही है, वह है एक आदर्श स्क्रिप्ट। रिपोर्ट्स के अनुसार, यश और शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर बातचीत हुई है और यह एक ऐसा विचार है, जिसने दोनों अभिनेताओं को बेहद उत्साहित किया है। हालांकि, उन्हें एक साथ सहयोग करने के लिए सही परिजोजना की आवश्यकता है, क्योंकि यह बहुत सारी उम्मीदों के साथ आएगा।

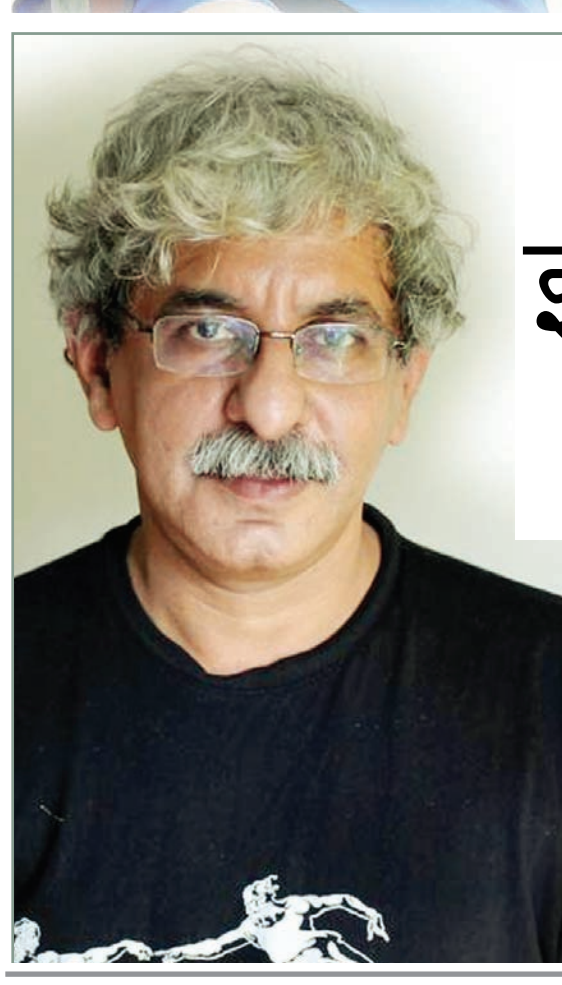

श्रीराम राघवन ने इक्कीस को लेकर किए कई दिलचस्प खुलासे

बॉलीवुड इंडस्ट्री के मशहूर निर्माता श्रीराम राघवन बैक टू बैक फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। निर्माता की हाल ही में फिल्म मेरी क्रिसमस रिलीज हुई, जिसे दर्शकों से खूब सराहना मिली।

इस फिल्म में पहली बार कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति लीड रोल में एक साथ नजर आए। वहीं, अब राघवन सबसे कम उम्र में परमवीर चक्र से सम्मानित लेफ्टिनेंट अरुण खेतरपाल की बायोपिक बनाने जा रहे हैं, जिसका शीर्षक इक्कीस है। निर्माता ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान अपनी आगामी फिल्म इक्कीस से जुड़े कई दिलचस्प खुलासे किए।

यह एक बड़ी प्रोडक्शन फिल्म होगी

श्रीराम राघवन ने खुलासा किया कि उनकी आने वाली फिल्म इक्कीस एक बड़ा प्रोडक्शन है। निर्माता ने कहा, यह एक बड़ा प्रोडक्शन है, इसमें टैंक युद्ध और वे सभी चीजें होंगी, जो एक युद्ध के इर्द-गिर्द घूम रही कहानी पर बनी फिल्म में होती हैं, लेकिन यह एक परमवीर चक्र से सम्मानित सेना नायक के जीवन की कहानी भी है, जिसे बड़े पर्दे पर उतरा जाएगा।

उनके बलिदान को दिखाया जाएगा

उन्होंने आगे कहा, इक्कीस में किसी भी प्रकार से काल्पनिक कहानी पेश नहीं की जाएगी। इस फिल्म में अरुण खेतरपाल के बचपन की कहानी को नहीं दिखाया जाएगा। इक्कीस की कहानी उस युवा अधिकारी पर केंद्रित होगी, जिसने 21 साल की उम्र के तुरंत बाद अपने जीवन का बलिदान दिया था। इसमें उस घटना को दिखाया जाएगा, जो 30 साल बाद घटित होती है।

इस दिन से शुरू होगी शूटिंग

राघवन ने बताया कि इस फिल्म में अनुभवी अभिनेता धर्मेंद्र भी है, जो इस फिल्म में अरुण के पिता का किरदार निभा रहे हैं। अगस्त्य नंदा, जो अमिताभ बच्चन के पोते और श्वेता बच्चन नंदा बेटे हैं। वे इस फिल्म में खेत्रपाल का किरदार निभाने वाले हैं। अगस्त्य इस किरदार के लिए बिलकुल फिट हैं, क्योंकि अरुण खेत्रपाल लगभग छह फीट लंबे और अच्छे दिखने वाले लड़के थे। वे फिलहाल प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि हम फरवरी में अगस्त्य के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। यह फिल्म दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स के जरिए निर्मित है।

14 साल बाद काजोल संग काम कर सकते हैं करण

फिल्ममेकर करण जौहर ने अपनी नई फिल्म अनाउंस कर दी है। हालांकि, करण ने इस बारे में खुलकर कोई डिटेल नहीं दी पर रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म में काजोल, साउथ के सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को कास्ट किया गया है। इस फिल्म की जानकारी देते हुए करण ने एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'यह एक फिल्म अनाउंसमेंट नहीं है.. पर यह हो सकती है...आपकी मदद से। हम बीते एक साल से इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं पर हमने इसे छुपा कर रखा है, इसकी डिटेल्स किसी से शेयर नहीं की। यहां तक कि इस फिल्म के क्रू मेंबर्स को भी इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं पता और यह डिसीजन एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर ने लिया है।

यूजर्स ने लगाए दोस्ताना-2 के गेस

करण के इस पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स कई तरह के गेस लगा रहे हैं। कुछ का मानना है कि करण 'दोस्ताना 2' की अनाउंसमेंट करने वाले हैं तो वहीं कुछ इसे प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन के प्रोजेक्ट के से जोड़ रहे हैं।

14 साल बाद साथ काम करेंगे करण-काजोल

हालांकि, रिपोर्ट्स की मानें तो करण इस पोस्ट में फिल्म 'सरजमीं' की बात कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए करण 14 साल बाद काजोल के साथ काम करेंगे। दोनों ने आखिरी बार 2010 में रिलीज हुई फिल्म 'माय नेम इज खान' में साथ काम किया था। हालांकि, इसके बाद काजोल 2012 में रिलीज हुई करण की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के एक गाने में भी नजर आई थीं।

सैफ के बेटे इब्राहिम करेंगे एक्टिंग डेब्यू

वहीं सुनने में आया है कि इस फिल्म से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान अपना एक्टिंग डेब्यू और बोमन ईरानी के बेटे कायोज ईरानी भी अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू कर सकते हैं। साथ ही करण पहली बार साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ भी काम करते नजर आ सकते हैं। पृथ्वीराज ने हाल ही में पैन इंडिया 'सालार' जैसी हिट फिल्म दी है। करण की पिछली फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' सुपरहिट रही थी। हाल ही में हुए 69वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में आलिया भट्ट को इसी फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला है।